RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:287। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 08 जून 2026 (सोमवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

मानसून महाराष्ट्र समेत 8 राज्यों में पहुंचा

केरलम-तमिलनाडु में भारी बारिश

● एमपी- राजस्थान में 50kmph की रफ्तार से आंधी चली

एजेंसी
चंडीगढ़। हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। हालांकि अगले हफ्ते तक राज्य में बारिश का पैटर्न कमजोर रहने की उम्मीद है। IMD के मुताबिक पूर्वोत्तर के मिजोरम और मणिपुर में भी मानसून पहुंच चुका है। अगले दो दिन में यह महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश के बाकी हिस्सों, तेलंगाना और पूर्वोत्तर के बाकी राज्यों में पहुंच सकता है। मानसून के कारण केरलम, कर्नाटक, गोवा और तमिलनाडु में कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। हालांकि तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में लगातार 5वें दिन पारा 40 डिग्री का आंकड़ा पार कर गया। उत्तर भारत में भी पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ दिल्ली, यूपी, पूर्वी राजस्थान में तेज गर्मी का दौर दोबारा शुरू हो गया है। यहां कई इलाकों में लू का अलर्ट जारी किया गया है। देश में गुजरात को छोड़कर अन्य सभी राज्यों में प्री-मानसून बारिश हो रही है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखंड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश समेत नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में शनिवार को तेज बारिश हुई। एमपी में भोपाल समेत 4 जिलों में 50kmph की रफ्तार वाली आंधी चली। राजस्थान के बीकानेर में बारिश के साथ ओले गिरे। यूपी के मऊ और गाजीपुर में भी शनिवार को बारिश हुई।

मानसून अलर्ट...

IMD के मुताबिक अगले तीन दिनों में मानसून पूर्वोत्तर के सभी राज्यों और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों तक पहुंच सकता है। अगले 10 दिनों में इसके बिहार, झारखंड और ओडिशा पहुंचने की संभावना है।

स्काईमेट वेदर के एक्सपर्ट जीपी शर्मा के मुताबिक एमपी, छत्तीसगढ़, ओडिशा और बंगाल में मानसून की रफ्तार फिलहाल धीमी रह सकती है, क्योंकि इसे आगे बढ़ाने के लिए बंगाल की खाड़ी में कोई मजबूत मौसम सिस्टम एक्टिव नहीं है।

पीएम मोदी ने एक्टर सलीम कुमार के निधन पर जताया दुख

कहा- यादगार अभिनय से अलग पहचान बनाई

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मलयालम एक्टर सलीम कुमार के निधन पर दुख जताया। पीएम मोदी ने कहा कि सलीम कुमार ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा और कई तरह की भूमिकाओं में यादगार अभिनय से अपनी अलग पहचान बनाई। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''दिग्गज अभिनेता सलीम कुमार जी के निधन से गहरा दुख हुआ है। अपने शानदार करियर के दौरान, उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा और कई तरह की भूमिकाओं में यादगार अभिनय से अपनी अलग पहचान बनाई। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और अनगिनत प्रशंसकों के साथ हैं।'' केरल राजभवन के आधिकारिक एक्स अकाउंट से जारी संदेश में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने सलीम कुमार के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने दिवंगत अभिनेता के परिवार और प्रियजनों के प्रति संवेदना जताते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

इंडिया गठबंधन में बैठक से पहले बढ़ा तनाव

सीपीआईएम ने कांग्रेस से मांगा जवाब, डीएमके ने किया बहिष्कार

एजेंसी
नई दिल्ली । विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन की 8 जून को होने वाली बैठक से पहले सहयोगी दलों के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं।

एक ओर सीपीआईएम ने केरल विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोपों पर कड़ी आपत्ति जताई है, वहीं डीएमके ने बैठक का बहिष्कार करने का फैसला किया है। इस बीच भाजपा नेताओं ने विपक्षी गठबंधन की एकता पर सवाल उठाए हैं। सीपीआईएम महासचिव ने खरगे को लिखा पत्र सीपीआईएम महासचिव एम ए बेबी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर स्पष्ट किया है कि उनकी पार्टी इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल होगी और राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास बैठक में पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे। हालांकि उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि केरल चुनाव के दौरान कांग्रेस नेताओं ने लगातार यह प्रचार किया कि सीपीआईएम और भाजपा के बीच कोई समझौता है। बेबी ने अपने पत्र में कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और खरगे ने चुनाव प्रचार के दौरान बार-बार आरोप

लगाया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच समझौता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आरोप विपक्षी एकता की भावना को कमजोर करते हैं और कांग्रेस को इस पर सफाई देनी चाहिए। बेबी ने यह भी कहा कि इंडिया गठबंधन भाजपा के खिलाफ लड़ने के उद्देश्य से बनाया गया था और सीपीआईएम शुरू से इस मंच को मजबूत करने के लिए काम करती रही है। उन्होंने याद दिलाया कि पार्टी के कई कार्यकर्ताओं ने ऋस्स और भाजपा के खिलाफ संघर्ष में अपनी जान गंवाई है, इसलिए सीपीआईएम पर भाजपा से समझौते का आरोप लगाना पूरी तरह निराधार है। सरी ओर, तमिलनाडु की प्रमुख पार्टी डीएमके ने भी बैठक में शामिल नहीं होने का फैसला किया है। पार्टी कांग्रेस से नाराज है क्योंकि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस ने टीवीके को समर्थन दिया। डीएमके ने इसे विश्वासघात बताते हुए कहा कि उसके कार्यकर्ता अभी भी इस फैसले से आहत हैं। इस बीच पश्चिम बंगाल में भी राजनीतिक हलचल तेज है। तृणमूल कांग्रेस के भीतर कथित असंतोष और बगावत की खबरों के बीच सांसद अभिषेक बनर्जी के इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल होने की चर्चा है। भाजपा नेता दिलीप घोष ने तंज कसते हुए कहा कि जब उनकी अपनी पार्टी उनके साथ नहीं है तो दूसरे कौन साथ देगा।

विश्व साइकिल दिवस पर बीकानेर में साइकिल रैली

● मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने दिया फिटनेस का संदेश

एजेंसी
बीकानेर। विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य पर रविवार को जिला मुख्यालय पर आयोजित विशाल साइकिल रैली एवं 'मेरी साइकिल-मेरा हेलमेट' अभियान के तहत आयोजित विशेष कार्यक्रम में केंद्रीय विधि एवं न्याय (स्वतंत्र प्रभार) तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने भाग लिया।

इस दौरान उन्होंने स्वयं साइकिल चलाकर फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। साथ ही पहली बार मनाए गए साइकिल के जन्मदिन कार्यक्रम में केक काटकर आयोजन की शुरुआत की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने विशाल साइकिल रैली को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली गंगा थिएटर से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए पुनः गंगा थिएटर पहुंची। रैली के माध्यम से फिट इंडिया, सड़क सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत 'मेरी साइकिल-मेरा हेलमेट' अभियान के संयोजक बस्तीराम बिश्नोई द्वारा साइकिल जन्मदिन समारोह के आयोजन से हुई।

किसी की कठपुतली नहीं बनेंगे युवा : शेखावत

एजेंसी
जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने देश की युवा शक्ति पर भरोसा जताते हुए विपक्ष और अन्य राजनीतिक दलों को कड़ा संदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भारत का युवा कभी कठपुतली न था, न है और न कभी बनेगा।

रविवार को शेखावत सर्किट हाउस में मीडिया से रू-ब-रू हुए। युवाओं से संबंधित सवाल पर शेखावत ने कहा कि भारत युवाओं का देश है। हमारी सरकार युवा शक्ति के सृजन, उनके सशक्तीकरण और उन्हें बराबर के अवसर देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। आज 'मुद्रा योजना', 'स्टार्टअप इंडिया' और 'स्टैंडअप इंडिया' जैसी तमाम महत्वाकांक्षी योजनाओं के माध्यम से युवाओं के लिए नए अवसरों का सृजन किया जा रहा है, ताकि उनके

लिए नए आयाम खड़े हो सकें। वे देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाकर तरक्की में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी पर स्थिति स्पष्ट करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह किसी सरकार की इच्छा से नहीं, बल्कि एक बहुत बड़ी वैश्विक चुनौती और अंतरराष्ट्रीय संकट के कारण हुआ है। वैश्विक आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि वर्तमान में पूरे विश्व भर में पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स के दाम 30 प्रतिशत से लेकर 130 प्रतिशत तक बढ़े हैं, जबकि एलपीजी और सीएनजी के दाम दुनिया भर में 30 प्रतिशत से लेकर 300 प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं। इस अंतरराष्ट्रीय संकट के कारण पूरी वैश्विक सप्लाई चेन बाधित हुई है, जिसका असर सभी देशों पर पड़ रहा है।

शेखावत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि इस वैश्विक हाहाकार के बीच भी भारत दुनिया के उन गिने-चुने देशों में शामिल है, जहां कीमतों में टोटल ग्रोथ 10 प्रतिशत से भी कम रही है।

> ● भारत युवाओं का देश है। हमारी सरकार युवा शक्ति के सृजन, उनके सशक्तीकरण और उन्हें बराबर के अवसर देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। '

सरकार लगातार अपने संसाधनों को निवेश कर रही है ताकि इस संकट का पूरा भार देश की आम जनता और माताओं-बहनों पर न पड़े।

तेलुगु देशम पार्टी ने राज्यसभा चुनाव के लिए घोषित किए तीन उम्मीदवार

विजय, रामकृष्ण और सतीश को मिला टिकट

एजेंसी
भोपाल। आंध्र प्रदेश में आगामी राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी ने अपने तीन उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं। टीडीपी प्रमुख और मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने चिंतकायला विजय, भाष्यम रामकृष्ण और मौजूदा राज्यसभा सदस्य साना सतीश को पार्टी उम्मीदवार बनाया है। नायडू ने वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में तीनों नेताओं को बी-फॉर्म सौंपे। इस फैसले को टीडीपी की नई राजनीतिक रणनीति और संगठन में वफादार नेताओं को आगे बढ़ाने की कोशिश

के तौर पर देखा जा रहा है। आखिर टीडीपी ने जिन तीन नेताओं को राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है, उनमें चिंतकायला विजय पार्टी संगठन में लंबे समय से सक्रिय

> ● राज्यसभा उम्मीदवार बनाए जाने के बाद चिंतकायला विजय ने चंद्रबाबू नायडू और आईटी मंत्री नारा लोकेश का आभार जताया।

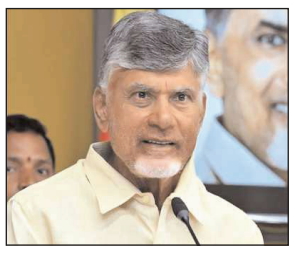

रहे हैं। विजय फिलहाल टीडीपी के प्रदेश महासचिव हैं और पहले तेलुगु युवथा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्होंने अमेरिका और भारत के संस्थानों से पॉलिटिकल मैनेजमेंट और गवर्नेंस की पढ़ाई की है।

दूसरे उम्मीदवार भाष्यम रामकृष्ण शिक्षा क्षेत्र से जुड़े बड़े नाम माने जाते हैं। वे एक निजी शैक्षणिक समूह के अध्यक्ष हैं, जिनके संस्थान आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में चलते हैं। पार्टी के मुताबिक उन्होंने शिक्षा और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में कई काम किए हैं। तीसरे उम्मीदवार साना सतीश पहले से राज्यसभा सदस्य हैं और पार्टी नेतृत्व ने उन पर एक बार फिर भरोसा जताया है।

'यूएन मिलिट्री जेंडर एडवोकेट अवॉर्ड' से सम्मानित हुई मेजर अभिलाषा बराक

प्रधानमंत्री नरेंद मोदी ने दी बधाई

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मेजर अभिलाषा बराक को 'संयुक्त राष्ट्र मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवॉर्ड' मिलने पर बधाई दी और उनकी 'उत्कृष्ट सेवा' की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि भारतीय युवाओं, खासकर उन लड़कियों के लिए प्रेरणा है जो समाज और देश की सेवा करना चाहती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट करते हुए पीएम मोदी ने लिखा, 'मेजर अभिलाषा बराक को 'संयुक्त राष्ट्र मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवॉर्ड' मिलने पर बधाई। मेजर बराक लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) के तहत

एंगेजमेंट टीम कमांडर और जेंडर फोकल प्वाइंट के रूप में सेवा दे रही हैं।' उन्होंने कहा, 'यह सम्मान उनकी बेहतरीन सेवा को दर्शाता है और साथ ही संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में भारत के लंबे योगदान को भी दिखाता है। उनकी यह उपलब्धि कई भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणा है, खासकर उन बेटियों के लिए जो देश और मानवता की सेवा करना चाहती हैं। '

दिल्ली तक गूंजी तो AMC सिस्टम जागा: एक ही इलाके से 5 शिकायतें मिलने पर 6 घंटे के अंदर मामले को निपटाने का SOP बनाया गया

स्मार्ट सिटी अहमदाबाद के सफाई और विकास के दावों की पोल खुल गई है, गंदे पानी के मुद्दे से जनता परेशान है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। वर्ल्ड हेरिटेज सिटी और स्मार्ट सिटी का बड़ा ढिंढोरा पीटने वाली अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की आज पूरी तरह आंखें खुल गई हैं। शहर में लंबे समय से शिकायतें आ रही थीं कि पीने के पानी में सीवेज और केमिकल वाला पानी मिल रहा है। जनता की सेहत से खुलेआम खिलवाड़ होने के बावजूद सिस्टम गहरी नींद में था। लेकिन जब इस गंदे पानी का मुद्दा दिल्ली पहुंचा और हाईकमान तक जाने की बारी आई तो कुंभकर्ण की नींद सोया AMC सिस्टम अचानक जाग गया। प्रशासन ने जल्दबाजी में नया SOP जारी किया है। इस नए सिस्टम के मुताबिक, अगर किसी एक इलाके से गंदे पानी की 5 शिकायतें आती हैं, तो एडमिनिस्ट्रेशन अगले 6 घंटे में उस शिकायत का निपटारा कर देगा। हालांकि, अब एडमिनिस्ट्रेशन की इस नई गाइडलाइन के खिलाफ भी स्मार्ट सिटी के जागरूक नागरिक सवाल उठा रहे हैं। जनता पूछ रही है कि क्या एडमिनिस्ट्रेशन को इस बात की परवाह नहीं है कि गंदा पानी पीने से एक भी परिवार बीमार पड़ जाए? क्या AMC 5 परिवारों के बीमार पड़ने या महामारी फैलने का इंतजार करेगी? अहमदाबाद शहर में BJP लंबे समय से एकछत्र राज से परेशान है। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में करोड़ों रुपये के बजट सिर्फ कागजों पर चमक रहे हैं, जबकि हकीकत यह है कि लोगों को पीने का साफ पानी भी नसीब नहीं है। आरोप हैं कि रूलिंग पार्टी की कमजोर पकड़ के कारण एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम पूरी तरह से बेकाबू हो गया है। करोड़ों रुपये का टैक्स वसूलने के बाद भी जनता को नारकीय हालत में रहना पड़ रहा है। आज अहमदाबाद के कई इलाकों में गंदे पानी और गंदगी के मुद्दे पर लोगों का काफी गुस्सा देखने को मिला। महिलाएं खाली बिस्तर लेकर सड़कों पर उतर आईं और लोकल कॉरपोरेटर और रूरु के खिलाफ नारे लगाए। जनता पूछ रही है कि चुनाव के समय हाथ जोड़कर वोट मांगने आए नेता आज कहां छिपे हैं? लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाले इस भ्रष्ट सिस्टम के खिलाफ सख्त

कार्रवाई कब होगी? स्थानीय लोगों ने यह भी धमकी दी है कि अगर आने वाले दिनों में इस समस्या का कोई पक्का समाधान नहीं निकाला गया तो यह आंदोलन और तेज होगा।

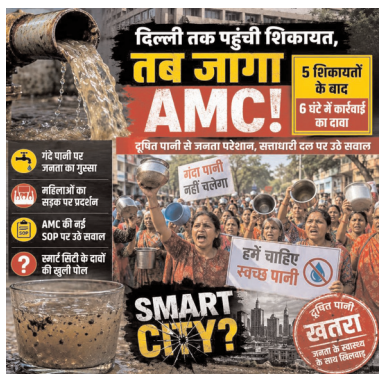

दिग्विजय सिंह ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र, सीबीएसई में कक्षा 9-10 के लिए तीसरी भाषा लागू करने पर रोक की मांग

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर सीबीएसई के कक्षा 9 और 10 के विद्यार्थियों के लिए तीसरी भाषा को अनिवार्य रूप से लागू करने के निर्णय पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह फैसला न केवल बिना पर्याप्त तैयारी के लिया गया है बल्कि सीबीएसई की संचालन परिषद के पूर्व निर्णय के भी विपरीत है। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने

> ● 'यह फैसला न केवल बिना पर्याप्त तैयारी के लिया गया है बल्कि सीबीएसई की संचालन परिषद के पूर्व निर्णय के भी विपरीत है।'

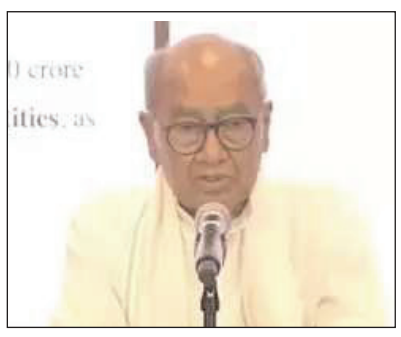

रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर दिग्विजय सिंह का पत्र साझा करते हुए कहा कि कक्षा 9 और 10 के पाठ्यक्रम में तीसरी भाषा को मनमाने और बिना योजना के शामिल किया जा रहा है। यह सीबीएसई संचालन परिषद के अपने निर्णय और शैक्षणिक नियोजन के स्थापित मानकों के विपरीत है। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में दिग्विजय सिंह ने कहा कि उन्हें सीबीएसई के कक्षा 9 के

विद्यार्थियों के अभिभावकों के एक समूह की ओर से ज्ञापन प्राप्त हुआ है, जिसमें सत्र के बीच में तीन-भाषा नीति लागू करने का विरोध किया गया है। उन्होंने अभिभावकों की चिंताओं को वास्तविक बताते हुए इस विषय पर तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता जताई। दिग्विजय सिंह ने कहा कि सीबीएसई की संचालन परिषद ने दिसंबर 2025 की बैठक में पाठ्यचर्या समिति की उस सिफारिश को मंजूरी दी थी, जिसमें कहा गया था कि भाषाओं के ग्रेडेड पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध होने तक वर्तमान भाषा व्यवस्था जारी रखी जाए। इसके बावजूद सीबीएसई ने 15 मई को जारी परिपत्र में 1 जुलाई से कक्षा 9 में तीसरी भाषा लागू करने के निर्देश दे दिए। उन्होंने कहा कि एनसीईआरटी ने अभी तक संबंधित भाषाओं की ग्रेडेड पाठ्य पुस्तकें जारी नहीं की हैं और सीबीएसई फिलहाल कक्षा 6 की पुस्तकों के उपयोग की सिफारिश कर रहा है। इससे हजारों विद्यालयों की शैक्षणिक योजना प्रभावित होने की आशंका है। पत्र में दिग्विजय सिंह ने दक्षिण और पूर्वोत्तर राज्यों की विशेष परिस्थितियों का भी उल्लेख भी किया।

मथासुलिया गांव में रात में एक घर से करीब 8 लाख रुपये के सोने-चांदी के गहने और कैश चोरी हो गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। मथासुलिया गांव से 8 लाख रुपये चोरीपरिवार शेड में सो रहा था, तस्कर किचन की जाली तोड़कर अंदर घुसे। साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर तालुका के मथासुलिया गांव में रात में एक घर से करीब 8 लाख रुपये के सोने-चांदी के गहने और कैश चोरी हो गए। जब ??परिवार के लोग घर के सामने शेड में सो रहे थे, तब तस्कर घर के पीछे किचन की लोहे की जाली तोड़कर अंदर घुस गए। इस बारे में शनिवार रात को गंभोई पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई थी। हिम्मतनगर के मथासुलिया गांव में रहने वाले किसान जगतसिंह भाथीसिंह परमार ने गंभोई पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के मुताबिक, यह घटना शुक्रवार, 5 जून की रात 11 बजे से शनिवार, 6 जून की सुबह 6 बजे के बीच हुई। तस्कर पुराने छप्पर वाले घर के पीछे किचन में लगे लोहे के कंटीले तार को तोड़कर घर में घुसे। चोरों ने लोहे की तिजोरी से चांदी के हैंडल की एक जोड़ी (लगभग 500 ग्राम, कीमत 50,000), चांदी की छड़ की एक जोड़ी (लगभग 200 ग्राम, कीमत 20,000), एक तोला सोने का लॉकेट (कीमत 1,10,000), एक-एक तोला के दो सोने के धागे (कीमत 2,20,000), लगभग छह ग्राम की दो सोने की अंगूठियां (कीमत 60,000) चुरा लीं। इसके अलावा, उनकी पत्नी भारतीबा को उनके छोटे बेटे की शादी के मौके पर दहेज के तौर पर उनके माता-पिता द्वारा दिए गए गहने भी चुरा लिए गए। जिसमें करीब 500 ग्राम वजन की एक चांदी की सिल्ली (कीमत 50,000), करीब 200 ग्राम वजन की एक चांदी की छड़ (कीमत 20,000), एक तोला वजन का सोने का लॉकेट (कीमत 1,10,000), करीब छह ग्राम वजन की दो सोने की अंगूठियां (कीमत 60,000) और करीब आठ ग्राम वजन की चार सोने की बालियां (कीमत 80,000) शामिल हैं। तस्करों ने 500 के 48 नोट और कुल 24,000 नकद भी चुरा लिए। इस तरह कुल 8,04,000 की चोरी हुई। गंभोई पुलिस ने इस संबंध में चोरी का मामला दर्ज कर लिया है और एलसीबी समेत विभिन्न एजेंसियों की मदद से जांच कर रही है।

खरवानी में पानी का संकट: ज़रूरी सुविधाओं से वंचित गांववाले गंदा पानी पीने को मजबूर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। दाहोद जिले के गोविंदगुरु लिमडी तालुका के खरवानी गांव में गांववालों को पीने के पानी की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। पानी जैसी बेसिक और ज़रूरी सुविधाओं की कमी के कारण गांववाले गंदा पानी पीने को मजबूर हैं। चिलचिलाती गर्मी के बीच गांव के इस हालात ने गांववालों की सेहत और ज़िंदगी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। गांव के पानी के मुख्य सोर्स, झीलों के पूरी तरह सूख जाने से, लोगों के लिए पानी का एकमात्र सोर्स भी खत्म हो गया है। फिलहाल, गांववाले झीलों के तल में खोदकर उसमें भरे पानी का इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन यह पानी साफ़ नहीं है और सेहत के लिए खतरा हो सकता है। हालांकि, कोई दूसरा ऑप्शन न होने के कारण लोग वही पानी पीने और घर के कामों में इस्तेमाल करने को मजबूर हैं। पानी की कमी का सबसे ज़्यादा बोझ गाँव की महिलाओं और बच्चों पर पड़ रहा है। महिलाओं को अपनी रोज़मर्रा की ज़रूरतों के लिए पानी लाने के लिए 1 से 2 किलोमीटर का लंबा रास्ता तय करना पड़ता है। अक्सर उन्हें पानी भरने के लिए घंटों इंतज़ार करना पड़ता है, जिसका सीधा असर उनके रोज़ के काम और परिवार की ज़िंदगी पर पड़ रहा है। हालात कितने गंभीर हैं, इसका अंदाज़ा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि गाँव वाले जिस से पानी भर रहे हैं, उसी से गाय, भैंस, बकरियाँ और दूसरे जानवर भी पानी पीने आते हैं। जिससे पानी और गंदा होता जा रहा है। साफ़ पानी न होने की वजह से लोगों को यही पानी पीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे फैलने वाली बीमारियाँ और दूसरी सेहत से जुड़ी परेशानियाँ फैलने का डर है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, गाँव के ज़्यादातर कुओं में पीने का पानी नहीं है। ग्राउंडवॉटर लेवल नीचे जाने की वजह से कुएँ सूख गए हैं या उनमें पानी इस्तेमाल करने लायक नहीं रहा। जिसकी वजह से पूरे गाँव में पानी की गंभीर समस्या है। जहां केंद्र और राज्य सरकारें 'हर घर जल' और पीने के पानी के लिए कई योजनाएं चला रही हैं, वहीं खरवानी गांव के लोग अभी भी पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए जूझ रहे हैं।

तूफ़ान गाड़ी और चार पहिया वाहन में आमने-सामने की टक्कर,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मंगरोल। आज मंगरोल पंथक से एक बड़े और भयानक हादसे की खबर आ रही है। मंगरोल में शारदा ग्राम के पास दो चार पहिया वाहनों में आमने-सामने की टक्कर हो गई। शुरुआती जानकारी मिल रही है कि इस भयानक टक्कर में दोनों गाड़ियों में कुल 7 लोगों को हल्की और बड़ी चोटें आई हैं।

तूफ़ान और चार पहिया वाहन के बीच हुआ हादसा

मिली जानकारी के मुताबिक, किसी वजह से शारदा ग्राम के पास सड़क से गुजर रही एक फ़ोर्स तूफ़ान गाड़ी और दूसरी चार पहिया कार में आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसा इतनी तेज़ रफ़्तार से हुआ कि दोनों गाड़ियों के अगले हिस्से चकनाचूर हो गए।

महाराष्ट्र के टूरिस्ट समेत 7 लोग घायल

इस हादसे में फ़ोर्स तूफ़ान गाड़ी में सवार महाराष्ट्र के 4 टूरिस्ट गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, उनके सामने से निकली एक दूसरी फोर-व्हीलर में सवार 3 लोकल लोगों को भी हल्की-फुल्की और गंभीर चोटें आईं। इस तरह, इस एक्सीडेंट में कुल 7 लोग घायल हुए। लोकल लोगों ने बचाव अभियान चलाया, घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाया गया जैसे ही एक्सीडेंट की तेज़ आवाज़ सुनी, आस-पास के लोकल लोग और सड़क से गुज़र रहे गाड़ी चलाने वाले तुरंत मदद के लिए दौड़े और मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। लोकल लोगों ने इंसानियत दिखाते हुए गाड़ियों में फंसे घायलों को बाहर निकाला और सभी 7 घायलों को 108 एम्बुलेंस से तुरंत इलाज के लिए पास के हॉस्पिटल में शिफ्ट करने की कोशिश की। लोकल पुलिस को घटना की जानकारी दी गई और पुलिस ने एक्सीडेंट का केस दर्ज करके आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

गोधरा म्युनिसिपैलिटी में करोड़ों का घोटाला करने वाले 'मनहर पटेल' को CID ने किया गिरफ्तार

बिना कोई काम किए कागजों पर नकली बिल और बोगस चेक पास करके सरकारी खजाना लूटने का आरोप सत्ता के दम पर भ्रष्टाचार करने वाले ताकतवर नेता की गिरफ्तारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

गोधरा। CID क्राइम ने आखिरकार गोधरा म्युनिसिपैलिटी में लंबे समय से चल रहे भ्रष्टाचार के खेल का पर्दाफाश कर दिया है। BJP के नाम पर म्युनिसिपैलिटी के सरकारी खजाने को कथित तौर पर लूटने और करोड़ों रुपये के नकली बिल और चेक का घोटाला करने वाले स्थानीय नेता मनहर पटेल को CID ने आधिकारिक तौर पर गिरफ्तार कर लिया है। इस सख्त कार्रवाई से पंचमहल की राजनीतिक दुनिया में, खासकर भ्रष्ट अधिकारियों और नेताओं में हलचल मच गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, मनहर पटेल ने गोधरा म्युनिसिपैलिटी के अलग-अलग डेवलपमेंट कामों के नाम पर बिना कोई काम किए, सिर्फ़ कागज़ों पर फ़र्ज़ी एजेंसिया और फ़र्ज़ी बिल बनाए थे। इतना ही नहीं, जांच कमिटी को इस बात के पक्के सबूत मिले कि उसने म्युनिसिपैलिटी के अकाउंट से पैसे निकालने के लिए अधिकारियों पर दबाव डालकर फ़र्ज़ी चेक भी काटे थे। चूंकि सत्ता में BJP के नाम पर रूलिंग पार्टी है, इसलिए लोकल लेवल पर इसके खिलाफ़ आवाज़ उठाने वाले लोग भी डरते थे, लेकिन जैसे ही यह मामला CID क्राइम को सौंपा गया, यह मज़ाक बन गया है।

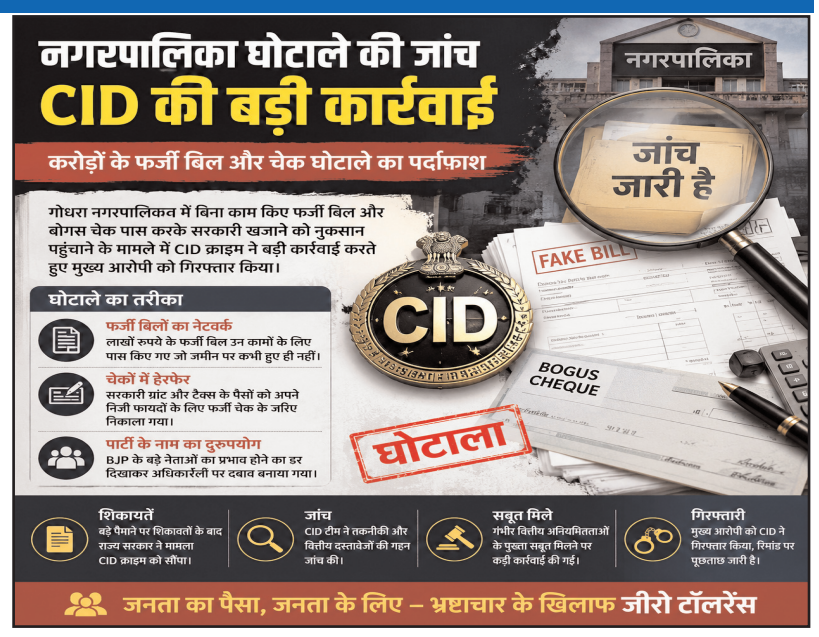

घोटाले का तरीका: जांच में सामने आई खास बातें

फ़र्ज़ी बिलों का नेटवर्क: लाखों रुपये के फ़र्ज़ी बिल ऐसे कामों के लिए मंजूर किए गए जो ज़मीन पर कभी हुए ही नहीं।

चेकों में हेरफेर: सरकारी ग्रांट और पब्लिक टैक्स के पैसे को अपने निजी फ़ायदों और करीबी लोगों के अकाउंट में ट्रांसफर करने के लिए फ़र्ज़ी चेक का इस्तेमाल किया गया।

पार्टी के नाम का गलत इस्तेमाल: लोकल अधिकारियों को BJP के बड़े नेताओं का आशीर्वाद होने का नाटक करके डराया गया। CID की लाल आँख बड़े-बड़े लोगों की साँस फूली हुई है इन फाइनेंशियल गड़बड़ियों की बड़े पैमाने पर शिकायतों के बाद, राज्य सरकार ने इस मामले की जाँच CID क्राइम को सौंप दी। CID टीम ने नगर पालिका के टेक्निकल सपोर्ट और अकाउंटिंग डॉक्यूमेंट्स की डिटेल्ड जाँच के बाद मनहर पटेल के खिलाफ गंभीर फाइनेंशियल गड़बड़ी के पक्के सबूत पाए। सबूत मिलते ही CID ने अपनी पकड़ मजबूत की और मनहर पटेल को गिरफ्तार कर लिया।

जनता में खुशी, सियासत गरमा गई

इस गिरफ्तारी के बाद गोधरा के जागरूक नागरिकों में काफी खुशी है। लोगों का कहना है कि पार्टी कोई भी हो, जनता का पैसा लूटने वाले ऐसे लोगों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। फिलहाल, CID मनहर पटेल का रिमांड लेने की कोशिश कर रही है। इस पूछताछ के दौरान इस बात के बड़े खुलासे होने की पूरी संभावना है कि इस घोटाले में नगर पालिका के कौन-कौन से अधिकारी और दूसरे नेता शामिल थे।

महंगाई का जानलेवा झटका: पेट्रोल-डीज़ल के बाद अब रसोई में 'गैस' का धमाका,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। हर सुबह नई महंगाई की मार झेल रहे देश के लोगों की कमर तोड़ने के लिए सरकारी तेल कंपनियों ने एक और झटका दिया है। पेट्रोल-डीज़ल की आसमान छूती कीमतों से पहले से ही परेशान आम लोगों की रसोई में अब महंगाई का बड़ा बम फूट गया है। महंगाई के इस राक्षस ने गृहणियों का बजट उड़ा दिया है, क्योंकि देश में रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में एक बार फिर 29 की बढ़ोतरी कर दी गई है। इस तेज कीमत बढ़ोतरी के बाद मिडिल क्लास परिवारों और खासकर गृहणियों में सरकार के खिलाफ भारी गुस्सा, नाराजगी और चिंता की भावना है। पेट्रोल-डीज़ल से परेशान लोगों की रसोई पर सीधा वार पिछले कुछ सालों से फ्यूल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी ने नॉर्मल ज़िंदगी जीना मुश्किल कर दिया है। ट्रांसपोर्टेशन बढ़ने से सब्ज़ियों से लेकर किराने का सामान तक सभी चीज़ें पहले से ही महंगी हो गई हैं। ऐसे में, ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि सुबह चाय बनाने के लिए गैस चालू करते ही माता-पिता और गृहणियों की ज़िंदगी बर्बाद हो जाती है। 29 की यह सीधी बढ़ोतरी भले ही छोटी लगे, लेकिन यह पूरे महीने का हिसाब बिगाड़ने के लिए काफी है। इस जानलेवा कीमत बढ़ोतरी के बाद गृहणियों का गुस्सा सोशल मीडिया से लेकर बाज़ारों तक फूट पड़ा है। गुस्सा दिखाते हुए घर की औरतें कह रही हैं, 'एक तरफ इनकम नहीं बढ़ रही और दूसरी तरफ ज़रूरी चीज़ों पर बहुत ज़्यादा दाम लगाए जा रहे हैं।

नेता ने मिनरल चोरी रोकने के लिए मुख्यमंत्री को लिखा लेटर, कहा- यहां 'सिंघम' जैसे ऑफिसर एच.टी. मकवाना को लगाओ!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। राजकोट जिले के गोंडल पंथक में लंबे समय से चल रहे गैर-कानूनी मिनरल चोरी के काले कारोबार पर रोक लगाने के लिए अब राजनीति गरमा गई है। गोंडल और आसपास के इलाकों में मिनरल माफिया के बेलगाम हो जाने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस के एक सीनियर नेता ने सीधे राज्य के मुख्यमंत्री को लेटर लिखकर अपनी भड़ास निकाली है। लेटर में मिनरल चोरी रोकने के लिए कोई आम आदेश देने के बजाय, कांग्रेस नेता ने एक सख्त और समझदार ऑफिसर का नाम सुझाकर सिस्टम में हलचल मचा दी है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया है कि लोकल एडमिनिस्ट्रेशन इन माफियाओं के सामने बेबस साबित हो रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री को लेटर भेजा है। लेटर में उन्होंने साफ तौर पर मांग की है कि अगर गोंडल से मिनरल चोरी की बुराई को खत्म करना है, तो यहां सख्त और ईमानदार इमेज वाले जाने-माने ऑफिसर एच.टी. मकवाना को तुरंत पोस्ट किया जाना चाहिए। एच.टी. मकवाना कौन हैं? यह मांग क्यों की जा रही है.

दोहरे मापदंडों की दिल्ली: जब आंदोलनकारियों को 'मेहमानी' और किसानों को 'कीलें' मिलती हैं!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सियासत ने कल 12 साल में पहली बार एक ऐसा अजूबा देखा, जिसने देश के लोकतांत्रिक तंत्र और शासन-प्रशासन की नीयत पर सीधे गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक तरफ वो आंदोलन होते हैं जहां हक मांगने वालों को लाठियां, आंसू गैस और कीलें मिलती हैं, और दूसरी तरफ कल जंतर-मंतर पर 'कोकरोच जनता पार्टी' और अभिजीत दीपके के आंदोलन के नाम पर जो 'शाही इंतजाम' देखा गया, उसने सरकार की पटकथा को पूरी तरह बेनकाब कर दिया है। जनता पूछ रही है–क्या यह लोकतंत्र है या फिर किसी नई 'अन्ना हजारे मंडली' को तैयार करने का सरकारी खेल? अमेरिका से चेतावनी और दिल्ली में 'रेड कारपेट' स्वागत! क्रोनोलॉजी समझिए। अभिजीत दीपके ने अमेरिका में बैठकर 6 तारीख को दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन की चेतावनी दी। आम तौर पर सरकारें ऐसी चेतावनियों पर सतर्क होती हैं, लेकिन यहाँ प्रशासन ने तत्परता दिखाई। हाथों-हाथ परमिशन मिल गई। रेडियो, पत्रकार, अनाउंसमेंट... हर चीज़ की इजाजत ऐसे दी गई मानो कोई सरकारी महोत्सव होने जा रहा हो। चौंकिए मत, तमाशा तो एयरपोर्ट पर शुरू हुआ एयरपोर्ट पर 'टॉक-शो'जहां उम्मीद थी कि कानून व्यवस्था का हवाला देकर एयरपोर्ट पर ही गिरफ्तारी होगी, वहां शासन-प्रशासन के आला अधिकारी एक घंटे तक मान-मनौव्वल करते रहे।

किताब और वीआईपी एग्जिट: एक घंटे की 'बातचीत' के बाद अभिजीत दीपके बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की किताब लहराते हुए ठाट से बाहर निकलते हैं। सुरक्षा या स्वागत जंतर-मंतर का नजारा ऐसा था मानो दिल्ली पुलिस और सीआरपीएफ सुरक्षा के लिए नहीं, बल्कि आंदोलनकारियों के 'स्वागतम' के लिए पलकें बिछाए खड़ी हो।

आंदोलन या सरकारी पिकनिक? सुविधाओं की लगी झड़ी

कल जंतर-मंतर पर जो सहूलियतें दी गईं, वो किसी भी सच्चे आंदोलनकारी के लिए एक हसीन ख्वाब जैसी हैं। सरकार इस आंदोलन पर इतनी मेहरबान थी कि पीने के पानी के लिए स्पेशल टैंकर खड़े थे। आस-पास की दुकानें खुली थीं, जनजीवन सामान्य था। बस और मेट्रो के रूट डायवर्ट करने की जहमत नहीं उठाई गई। शौचालयों की सफाई के लिए विशेष सफाई कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी।

बड़ा सवाल: टेंट, लाउडस्पीकर, पोस्टर, बैनर और माइक का इंतजाम देखकर ऐसा लग रहा था कि यह आंदोलन जनता का नहीं, बल्कि 'सरकार प्रायोजित' कोई इवेंट है। आखिर अभिजीत दीपके और उनकी मंडली पर यह मेहरबानी क्यों? क्या सत्ता के गलियारों में फिर से कोई नया खेल खेला जा रहा है?

'अन्नदाता' को कीलें और 'खास' को सहूलियतें: यह भेदभाव क्यों?

महानगर मेट्रो आज सत्ता के शीर्ष पर बैठे आकाओं से कड़े सवाल पूछता है। अगर कल का इंतजाम सामान्य था, तो अतीत के इन जख्मों का जवाब कौन देगा

1 किसानों के साथ दुश्मनों जैसा सलूक क्यों? जब पंजाब और हरियाणा के किसान दिल्ली आ रहे थे, तो रास्तों में लोहे की कीलें क्यों बिछाई गईं क्यों खोदे गए उन पर वॉटर कैनन और आंसू गैस के गोले क्यों छोड़े गए? आज भी कोई किसान नेता MSP या फसलों के दाम के लिए आंदोलन की बात करता है, तो रात के अंधेरे में पुलिस उसे क्यों उठा लेती है?

2 बेटियों को सड़क पर क्यों घसीटा गया? देश का नाम रोशन करने वाली महिला पहलवान जब इंसाफ के लिए जंतर-मंतर बैठी थीं, तो उनके साथ कैसी बर्बरता हुई, पूरी दुनिया ने देखा। उन्हें परमिशन क्यों नहीं मिली?

3 युवाओं पर लाठियां क्यों? जब SSC के छात्र पेपर लीक के खिलाफ और देश का युवा 'अग्निवीर योजना' के विरोध में सड़क पर उतरा, तो उन्हें आतंकवादी की तरह क्यों घेरा गया?

4 साफ हवा-पानी की मांग गुनाह क्यों? प्रदूषण और साफ पानी जैसे बुनियादी मुद्दों पर प्रदर्शन करने वाले आम नागरिकों को खदेड़ दिया जाता है।

सवाल तो बनता है!

यह दोहरा चरित्र साफ बयां करता है कि दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है। जब असली मुद्दों पर जनता, छात्र, जवान और किसान सड़क पर आते हैं, तो सरकार को 'कानून-व्यवस्था' याद आती है। लेकिन जब एक खास एजेंडे के तहत 'कोकरोच जनता पार्टी' जैसी मंडलियां खड़ी होती हैं, तो सरकार खुद मेजबान बन जाती है। जनता सब देख रही है। यह नया खेल, यह नई पटकथा ज्यादा दिन छिपने वाली नहीं है। सच्चे आंदोलनों का गला घोंटकर, सरकारी छांव में पनपने वाले इन 'प्रायोजित आंदोलनों' का सच अब देश के सामने आ चुका है। जवाब तो देना होगा!

लोगों को फिटनेस का महत्व समझाने के लिए गोधरा में साइकिल रैली निकाली गई।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'फिट इंडिया मूवमेंट' कैंपेन को बढ़ावा देने के लिए गुजरात पुलिस ने पूरे राज्य में 'साइकिल ऑन संडे' प्रोग्राम किया था। इसी के तहत पंचमहल डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने भी आज सुबह लोकल लोगों के सपोर्ट से एक खास साइकिल रैली निकाली, जिसमें जिले के करीब 30 से 35 जोशीले साइकिलिस्ट और पुलिसवालों ने हेलमेट और गियर पहनकर हिस्सा लिया। इस प्रोग्राम का मुख्य मकसद लोगों को सुस्त लाइफस्टाइल छोड़कर फिजिकल एक्टिविटी और हेल्थ के बारे में जागरूक करना है। पंचमहल पुलिस की इस अच्छी कोशिश से लोगों को फिटनेस का महत्व समझने और एक्टिव लाइफस्टाइल अपनाकर बीमारियों से दूर रहने का एक सुंदर मैसेज दिया गया।

वटवा में मर्डर केस की जांच के दौरान नकली नोटों की बड़ी फैक्ट्री का खुलासा, 28.94 लाख रुपये के नकली नोट जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। वटवा इलाके की सतेज होम्स कॉलोनी में हुई एक मर्डर की घटना की जांच के दौरान वटवा पुलिस ने एक चौंकाने वाला और बड़ा खुलासा किया है। खाने में चींटियां निकलने जैसी मामूली बात पर एक युवक की हत्या की कड़ियों को जोड़ते हुए पुलिस सीधे नकली नोट छापने की एक बड़ी फैक्ट्री तक पहुंच गई है। पुलिस ने अब तक इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की है। घटना की जानकारी यह है कि वटवा के सतेज होम्स में खाने में चींटियां निकलने के विवाद में इमरान सिंधा नाम के युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। वटवा पुलिस ने जब इस मर्डर केस के आरोपियों से कड़ी पूछताछ और जांच शुरू की तो पुलिस भी हैरान रह गई।

1. वीरेंद्रसिंह बघेल
2. रवि शाह
3. चंद्रमोहन शर्मा
4. सूरज साहनी
5. मेराज रबारी। 30 लाख के नोट बनासकांठा और UP पहुंचे

पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने पहले 30 लाख रुपये के नकली नोट बनासकांठा के मेराज रबारी नाम के एक आदमी को दिए थे। इतना ही नहीं, इमरान की हत्या करने के बाद आरोपी बाकी 30 लाख के नकली नोट लेकर उत्तर प्रदेश भाग गए। फिलहाल, वटवा पुलिस ने इन नकली नोटों के नेटवर्क की जड़ तक पहुंचने और इस स्कैम में कोई और बड़ा आदमी शामिल है या नहीं, इसकी जांच शुरू कर दी है।

कॉर्पोरेट दुनिया में बड़ा भूचाल: राजेश एक्सपोर्ट्स कंपनी ने 5 साल में 15 लाख करोड़ की 'फर्जी इनकम' बनाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। भारतीय शेयर बाजार और कॉर्पोरेट दुनिया में एक बार फिर बड़ा भूचाल आया है। देश के कैपिटल मार्केट रेगुलेटर SEBI ने देश की लीडिंग गोल्ड ज्वेलरी मैन्युफैक्चरिंग कंपनी 'राजेश एक्सपोर्ट्स' के फाइनेंशियल अकाउंट्स में देश के अब तक के सबसे बड़े फ्रॉड का पर्दाफाश किया है। SEBI की रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी ने पिछले पांच फाइनेंशियल ईयर के दौरान बुक्स में करोड़ों नहीं, बल्कि अरबों-खरबों रुपये की फर्जी इनकम दिखाकर बड़ा स्कैम किया है। इस चौंकाने वाले खुलासे के बाद, देश की सबसे बड़ी सरकारी इंश्योरेंस कंपनी LIC का इस कंपनी में किया गया भारी इन्वेस्टमेंट अब विवादों के भंवर में फंस गया है।

5 साल में 15 लाख करोड़ रुपये की फर्जी इनकम!

SEBI की गहरी जांच में पता चला है कि फाइनेंशियल ईयर 2020-21 से 2024-25 तक पिछले पांच सालों में राजेश एक्सपोर्ट्स कंपनी के अकाउंट्स में भारी हेराफेरी हुई। कंपनी ने अपने बिजनेस को बड़ा और फायदेमंद दिखाने के लिए बुक्स में करीब 15 लाख करोड़ रुपये की फेक इनकम (फर्जी सेल्स और टर्नओवर) बनाई थी। असल में ऐसा कोई बिजनेस हुआ ही नहीं। सिर्फ कागजों पर ट्रांजैक्शन दिखाकर इन्वेस्टर्स और मार्केट को गुमराह किया गया।

LIC इन्वेस्टमेंट विवाद क्या है?

इस पूरे स्कैम में सबसे चिंताजनक और विवादित बात यह है कि देश के करोड़ों आम लोगों के पैसे को मैनेज करने वाली सरकारी संस्था लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने राजेश एक्सपोर्ट्स कंपनी में बहुत बड़ी हिस्सेदारी खरीदी है। बड़ी डिटेल्स के मुताबिक, इस कंपनी में LIC की बड़ी हिस्सेदारी है।

जीवन एक ऐसा रंगमंच है, जहां किरदार को खुद नहीं पता कि अगला दृश्य क्या होगा!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

किसी प्रसिद्ध लेखक ने बहुत ही सुंदर बात कही है 'जीवन एक ऐसा रंगमंच है, जहां किरदार को खुद नहीं पता कि अगला दृश्य क्या होगा...' यह पंक्ति मात्र कुछ शब्द नहीं, बल्कि मानव जीवन के संपूर्ण दर्शन का निचोड़ है। हम सभी इस सृष्टि के रंगमंच पर आए केवल कलाकार हैं। पर्दा उठता है, हमारा जन्म होता है और हमारा किरदार शुरू हो जाता है। लेकिन थिएटर के नाटक और जीवन के नाटक में एक बहुत बड़ा अंतर है। स्टेज पर खेले जाने वाले नाटक की स्क्रिप्ट कलाकार को पहले से पता होती है; उसे मालूम होता है कि कब हंसना है, कब रोना है और कब कौन सा संवाद (डायलाग) बोलना है। परंतु कुदरत के इस जीवनरूपी रंगमंच पर स्क्रिप्ट रोज नई लिखी जाती है। अगले ही पल हमारे साथ क्या होने वाला है, यह पर्दे के पीछे बैठे उस 'महान डायरेक्टर'के अलावा कोई नहीं जानता। यदि हमें पहले से पता चल जाए कि कल हमारे साथ क्या होने वाला है, तो जीवन से उत्साह, रोमांच और उम्मीद सब कुछ गायब हो जाएगा। अगले दृश्य की यही अज्ञानता हमें जीने की प्रेरणा देती है। कई बार हमें लगता है कि हमारी जिंदगी हमारी प्लानिंग के मुताबिक चल रही है, लेकिन अचानक समय एक ऐसा मोड़ लेता है कि हमारे सारे गणित उल्टे पड़ जाते हैं. हमारी विदाई हो, तो पर्दा गिरने के बाद भी यह दुनिया तालियां बजाती रह जाए!

तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित 'अंतर्राष्ट्रीय धर्म संसद' में संतों ने लिया ऐतिहासिक संकल्प

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित 'अंतर्राष्ट्रीय धर्म संसद' में हजारों संतों, धर्माचार्यों और श्रीकृष्ण भक्तों ने राष्ट्र रक्षा, गौरक्षा और श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति के लिए ऐतिहासिक सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं जगदुरु सनातन सम्राट स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने कहा, 'जिस प्रकार करोड़ों रामभक्तों के संघर्ष और बलिदान से श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर का मार्ग प्रशस्त हुआ, उसी प्रकार अब श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति का समय भी आ चुका है।' उन्होंने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए इस विषय पर सकारात्मक पहल करने का आग्रह किया। धर्म संसद में श्रीकृष्ण जन्मभूमि के **मूल गर्भगृह में पुनः** पूजा-अर्चना, वैदिक अनुष्ठान, अखण्ड दीप प्रज्वलन और भगवान को माखन-मिश्री भोग अर्पित करने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। स्वामी चक्रपाणि जी ने स्पष्ट किया कि यह कार्यक्रम मात्र एक आयोजन नहीं, बल्कि एक राष्ट्रव्यापी जनजागरण अभियान का शुभारंभ है, जो आने वाले समय में एक व्यापक जनआंदोलन का रूप लेगा। इस भव्य समागम में स्वामी चक्रपाणि जी महाराज द्वारा प्रस्तुत संकल्प का उपस्थित जनसैलाब ने दोनों हाथ उठाकर और का उच्चारण कर समर्थन किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महंत नारायण गिरि जी महाराज और विशिष्ट वक्ता के रूप में दादी जी महाराज ने विचार व्यक्त किए। मंच संचालन महामंडलेश्वर नवल किशोर दास जी महाराज ने किया। इस अवसर पर आचार्य लोकेश मुनि, आचार्य विवेक मुनि, महामंडलेश्वर अवधेशानंद सरस्वती सहित देश के कोने-कोने से आए सैकड़ों प्रतिष्ठित संत और हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जन अभियोग निराकरण समिति में मनोनयन पर भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल (मुकेश सोलंकी)। राजस्थान सरकार द्वारा जन अभियोग निराकरण एवं सतर्कता समिति के सदस्य पद पर रमेश सोनी पुनासा को मनोनीत किए जाने के बाद क्षेत्र में हर्ष की लहर है। अपने मनोनयन के पश्चात प्रथम बार पैतृक गांव पुनासा पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं, प्रबुद्ध नागरिकों एवं ग्रामीणों द्वारा रमेश सोनी का ऐतिहासिक और भव्य स्वागत किया गया। यह अभिनंदन समारोह भारतीय जनता पार्टी भीनमाल विधानसभा के जुंजाणी मंडल की 'आत्मनिर्भर मंडल कार्यसमिति' बैठक के दौरान श्री माजीसा धाम परिसर में आयोजित किया गया। परंपरागत तरीके से पहनाया साफा, गूंजे नारे बैठक के दौरान जैसे ही रमेश सोनी कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, पूरा परिसर भारत माता की जय और संगठन के गगनभेदी नारों से गुंजायमान हो उठा। मंच पर उपस्थित वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने मारवाड़ी परंपरा के अनुसार रमेश सोनी पुनासा को सूत की मालाएं, पुष्पहार तथा साफा पहनाकर उनका बहुमान किया । कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया तथा उन्हें इस नई और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

बैठक में संगठन की मजबूती पर मंथन, दिग्गज रहे मौजूद

यह भव्य स्वागत समारोह जुंजाणी मंडल की विशेष कार्यसमिति बैठक के दौरान हुआ, जिसमें आगामी संगठनात्मक गतिविधियों और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर भरतसिंह राव (मंडल प्रभारी), इन्द्रसिंह राणावत (पूर्व जिला मंत्री),सांवलाराम देवासी (मंडल अध्यक्ष),खुमानसिंह, अर्जुन चौधरी, खंगारदास,कांतिलाल दर्जी, सुरेन्द्रसिंह,मोड़ाराम पुरोहित, देवेन्द्र जोशी सहित भीनमाल विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ों वरिष्ठ नेता, बूथ अध्यक्ष और सक्रिय भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

माली समाज जिला जालोर प्रतिभा सम्मान समारोह 2026 आवेदन पत्र जारी, 31 अगस्त तक जमा होंगे फॉर्म

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल (मुकेश सोलंकी)। क्षेत्र के समाज सेवी संगठन संत श्री लिखमीदास सेवा संस्थान (भीरू ग्रुप) द्वारा आयोजित होने वाले 'माली समाज जिला जालोर प्रतिभा सम्मान समारोह-2026' के लिए आधिकारिक रूप से आवेदन पत्र जारी कर दिए गए हैं। यह महत्वपूर्ण निर्णय रविवार को संस्थान के स्थानीय कार्यालय में आयोजित एक विशेष कार्यकारिणी बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष लालाराम परमार ने की। इस बार समारोह का आयोजन भीनमाल स्थित क्षेमंकरी माताजी तलहटी में बने माली समाज भवन में किया जाएगा।

इन श्रेणियों के होनहार छात्र-छात्राएं होंगे सम्मानित

संस्थान की ओर से जारी दिशानिर्देशों के अनुसार, शैक्षणिक सत्र 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले निम्नलिखित पात्र छात्र-छात्राओं और नवचयनितों को इस भव्य मंच पर सम्मानित किया जाएगा । कक्षा 5वीं और 8वीं: बोर्ड परीक्षा या वार्षिक परीक्षा में 'ए' ग्रेड प्राप्त करने वाले विद्यार्थी। कक्षा 10वीं और 12वीं: मुख्य परीक्षाओं में न्यूनतम 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक हासिल करने वाले छात्र। उच्च शिक्षा स्नातक, स्नातकोत्तर या किसी भी डिग्री/डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अंतिम वर्ष में 65 प्रतिशत या अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थी। प्रतियोगी व प्रोफेशनल परीक्षाएं CAT, CLAT, JEE Main/Advanced, AIIMS, NEET, CA, CS, ICWA और अन्य प्रतिष्ठित प्रोफेशनल कोर्सेज को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने वाले प्रतिभागी। संस्थान ने स्पष्ट किया है

स्मार्ट सिटी सूरत के लोग 'तापी रिवरफ्रंट' का सपना देखते रह गए और मेयर चुप रहे!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। जब टैक्स जमा करने की बात आती है, तो सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एशिया में नंबर वन होने का दावा करता है, लेकिन जब लोगों को सुविधाएं और प्रोजेक्ट देने की बात आती है, तो स्मार्ट सिटी सिस्टम घुटनों पर आ जाता है। सूरत की लाइफलाइन तापी नदी के शुद्धिकरण और उसके किनारों के विकास के लिए करोड़ों रुपये की लागत से घोषित 'तापी रिवरफ्रंट' प्रोजेक्ट का सूरत के लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सालों बीत गए, कागजों पर करोड़ों का बजट मंजूर हो गया, लेकिन जमीन पर अभी तक एक पत्थर भी नहीं हिला है। 'पक्को गुजरात न्यूज़' ने जब इस गंभीर मुद्दे पर देश की पहली नागरिक, यानी सूरत की मेयर माया मावाणी से सीधे सवाल पूछे, तो वह इस मुद्दे पर कुछ भी कहने को तैयार नहीं हुईं और चुप रहीं! अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट की तरह, सूरत में भी तापी नदी के किनारे मॉडर्न रिवरफ्रंट बनाने का ऐलान सत्ताधारियों ने चुनाव जीतने के लिए ज़ोर-शोर से किया था। सूरती लालों को सपने दिखाए गए थे कि तापी के किनारे मनोरंजन की जगहें, गार्डन और टूरिस्ट डेस्टिनेशन बनेंगे। लेकिन असलियत यह है कि आज भी तापी नदी में गंदे नाले का पानी डाला जा रहा है और रिवरफ्रंट के नाम पर सिर्फ़ फाइलें एक टेबल से दूसरी टेबल पर भेजी जा रही हैं। कंसल्टिंग फीस और मेज़रमेंट के नाम पर जनता के पसीने के करोड़ों रुपये बर्बाद हो रहे हैं, लेकिन प्रोजेक्ट कब पूरा होगा, इसका जवाब किसी के पास नहीं है।

IKDRC ने सिविल हॉस्पिटल की रिपोर्ट को गलत बताया: ट्रांसप्लांट की उम्मीद छोड़कर 21 साल की बेटी आंखों में आंसू लिए घर लौटी!

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

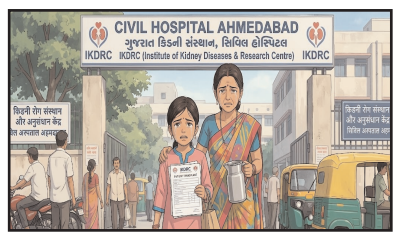

अहमदाबाद। सिविल हॉस्पिटल कैंपस से एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम की एक दिल दहला देने वाली और आंखें खोल देने वाली घटना सामने आई है, जिसे सुनकर कोई भी सेंसिटिव इंसान कांप जाएगा। एशिया के सबसे बड़े मेडिकल कैंपस में गरीब और जनरल कैटेगरी के किडनी पेशेंट्स के लिए जिंदगी और मौत का संकट खड़ा हो गया है। एक तरफ फ्री डायलिसिस सिस्टम बंद हो रहा है, तो दूसरी तरफ उसी कैंपस के दो सरकारी हॉस्पिटल एक-दूसरे की रिपोर्ट मानने को तैयार नहीं हैं। यह अंदरूनी लड़ाई और सिस्टम में तालमेल की कमी गरीब पेशेंट्स की जिंदगी की उम्मीद को खत्म कर रही है। आइए बात करते हैं चमन शर्मा नाम की 21 साल की बेटी की। जो अपनी मां के साथ किडनी ट्रांसप्लांट की बड़ी उम्मीद लेकर अहमदाबाद आई थी। रहने, खाने और किराए पर पैसे खर्च करने के बाद उसके पास सिर्फ 190 रुपये बचे थे। पहले दिन सिविल हॉस्पिटल ट्रॉमा सेंटर में उसके सभी टेस्ट फ्री हुए और रिपोर्ट भी आ गई। लेकिन टेक्नीशियन की गलती की वजह से वहां डायलिसिस नहीं हो सका। अगले दिन जब बेटी पास में ही मौजूद IKDRC हॉस्पिटल पहुंची, तो वहां के मेडिकल ऑफिसर ने सिविल रिपोर्ट लेने से साफ मना कर दिया और नई जांच करने को कहा! सवाल यह उठता है कि जो रिपोर्ट खुद सिविल सरकारी डॉक्टरों ने तैयार की थी, जो सेंटर IKDRCके डायरेक्टर के अंडर आती है, वह IKDRC में इनवैलिड कैसे हो गई? इस अनाड़ी एडमिनिस्ट्रेशन से तंग आकर और पैसे की तंगी से परेशान होकर बेटी ने ट्रांसप्लांट का इरादा छोड़ दिया और आंखों में आंसू लिए वापस लौट आई। सरकारी सिस्टम की इससे बड़ी नाकामी और क्या हो सकती है? दूसरी तरफ, गुजरात डायलिसिस प्रोग्राम यानी PMNDP स्कीम, जो आम और गरीब तबके के मरीजों के लिए लाइफलाइन है, IKDRC में बंद होने जा रही है। 9 जून, 2026 से डायलिसिस सर्विस में बड़े बदलाव करते हुए एक सर्कुलर जारी किया गया है। जिन मरीजों के पास BPL, PMJAY या SC-ST जैसे सरकारी कार्ड नहीं हैं, लेकिन वे असल में गरीब हैं, उन्हें अब फ्री डायलिसिस से मना कर दिया जाएगा। सिविल हॉस्पिटल में हर दिन 1000 से 1500 मरीज़ डायलिसिस करवाते हैं, जिनमें से 50 से 100 मरीज़ों के पास कोई कार्ड नहीं होता, लेकिन वे लाचार होते हैं। किडनी डायलिसिस एंड ट्रांसप्लांट फाउंडेशन के महेश देवानी ने इस मामले में मुख्यमंत्री ऑफिस और हेल्थ डिपार्टमेंट को लेटर लिखकर तुरंत दखल देने की मांग की है। डायलिसिस कोई शौक या दूसरा इलाज नहीं है, यह मरीज़ को ज़िंदा रखने के लिए एक ज़रूरी सर्विस है। फाउंडेशन ने मांग की है कि जनरल कैटेगरी के मरीज़ों से पैसे लेने का फैसला तुरंत वापस लिया जाए, पुराना प्रोग्राम फिर से शुरू किया जाए और चमन शर्मा के मामले में ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ़ कड़ी जांच की जाए। सरकार इन गरीब मरीज़ों की मदद के लिए कब आएगी, या लालीवाड़ी में गरीब ऐसे ही मरते रहेंगे।

कम बारिश में भी धान की अच्छी फसल का मंत्र : कतार बोनी और नैनो डीएपी

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

राजनांदगांव। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी अद्यतन दीर्घावधि पूर्वानुमान के अनुसार वर्ष 2026 में दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान देश में वर्षा दीर्घकालिक औसत के लगभग 90 प्रतिशत रहने की संभावना व्यक्त की गई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार एल-नीनो की स्थिति के कारण इस वर्ष मानसून सामान्य से कमजोर रह सकता है तथा जून माह में भी सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है। ऐसी परिस्थितियों को देखते हुए कृषि विभाग द्वारा किसानों को जल संरक्षण आधारित वैज्ञानिक खेती अपनाने की सलाह दी जा रही है। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार कम वर्षा अथवा वर्षा में लंबे अंतराल की स्थिति में धान की सीड ड्रिल द्वारा कतार बोनी किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकती है। कतार बोनी में बीज निर्धारित गहराई एवं समान दूरी पर स्थापित होते हैं। जिससे अंकुरण बेहतर होता है तथा पौधों की जड़े अधिक गहराई तक विकसित होती हैं। मजबूत जड़ प्रणाली मिट्टी में उपलब्ध सीमित नमी का अधिकतम उपयोग करती है, जिससे सूखे जैसी परिस्थितियों में भी फसल अपेक्षाकृत सुरक्षित रहती है। कृषि विशेषज्ञों ने बताया कि पारंपरिक छिटकवां बुवाई की तुलना में कतार बोनी में पौधों के बीच प्रतिस्पर्धा कम होती है। इससे उपलब्ध पानी, पोषक तत्व एवं सूर्य प्रकाश का समुचित उपयोग होता है। कतारों के बीच निराई-गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण आसान होने से मिट्टी की नमी लंबे समय तक संरक्षित रहती है। साथ ही उर्वरकों का उपयोग अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। जिससे कम पानी में भी फसल की वृद्धि बेहतर होती है। कृषि विभाग किसानों को नैनो डीएपी के उपयोग हेतु भी प्रोत्साहित कर रहा है। नैनो डीएपी में फास्फोरस के सूक्ष्म कण होते हैं, जो पौधों द्वारा आसानी से ग्रहण किए जाते हैं। इसके उपयोग से जड़ों का विकास तेज होता है। प्रारंभिक वृद्धि में सुधार होता है तथा पौधों की पोषक तत्व उपयोग दक्षता बढ़ती है। कम नमी की स्थिति में भी पौधे उपलब्ध पोषक तत्वों का बेहतर उपयोग कर पाते हैं। जिससे उनकी वृद्धि एवं उत्पादन क्षमता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी है कि वे धान की बुवाई सीड ड्रिल के माध्यम से कतारों में करें, खेतों में मेड़बंदी एवं वर्षा जल संरक्षण के उपाय अपनाएं तथा अनुशंसित मात्रा में नैनो डीएपी, नैनो यूरिया एवं जैव उर्वरकों का उपयोग करें। इससे कम वर्षा की परिस्थितियों में भी फसल को पर्याप्त पोषण उपलब्ध होगा और उत्पादन में स्थिरता बनी रहेगी। उप संचालक कृषि श्री टीकम सिंह ठाकुर ने किसानों खरीफ 2026 में मौसम की संभावित चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कतार बोनी, नमी संरक्षण तथा नैनो उर्वरकों का समन्वित उपयोग कम वर्षा की स्थिति में फसल सुरक्षा और बेहतर उत्पादन का प्रभावी उपाय सिद्ध हो सकता है।

राजनांदगांव के 6 खिलाड़ी वर्ल्ड स्कूल बास्केटबॉल टूर्नामेंट में इंडियन स्कूल टीम के लिए चुने गए हैं।

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

राजनांदगांव। सर्वज्ञ राव बास्केटबॉल अकादमी, DPS गेम्स इंडिया अकादमी और युगांतर गेम्स इंडिया अकादमी राजनांदगांव के 6 खिलाड़ी अंजनी, रूमी कोंवर, काम्या झा, रेवा कुलकर्णी, हिमांशु सिंह और शुभम सिंह इंडियन स्कूल टीम के लिए चुने गए हैं। यह टीम 13 से 22 जून 2026 तक सर्बिया के ज़्लाटिबोर में होने वाले आने वाले वर्ल्ड स्कूल बास्केटबॉल टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी। खास बात यह है कि इस कैंप के लिए इन अकादमियों के 7 खिलाड़ियों को 26 मई से 10 जून तक रांची में होने वाले इंडियन स्कूल टीम कैंप के लिए चुना गया था। यह कैंप स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ऑर्गनाइज़ कर रहा है। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ़ इंडिया द्वारा बाड़मेर में आयोजित सीनियर स्कूल नेशनल बास्केटबॉल टूर्नामेंट और राजनांदगांव में आयोजित जूनियर स्कूल नेशनल बास्केटबॉल टूर्नामेंट से लगभग 75 लड़के और 75 लड़कियों को सिलेक्शन ट्रायल के लिए रांची बुलाया गया था। उस सिलेक्शन ट्रायल से इन 7 खिलाड़ियों को ट्रेनिंग कैंप के लिए बुलाया गया है। लड़कियों की कैटेगरी में उनके नाम हैं:- अंजनी, रूमी कोंवर, काम्या झा, आर्य विजय अवारे, रेवा कुलकर्णी जबकि लड़कों की कैटेगरी में शुभम सिंह और हिमांशु सिंह। इनमें रूमी कोंवर, रेवा कुलकर्णी आर्य विजय अवारे गेम्स इंडिया एकेडमी राजनांदगांव काम्या झा और अंजनी DPS राजनांदगांव से हैं। और शुभम सिंह, हिमांशु सिंह युगांतर पब्लिक राजनांदगांव से हैं। ये सभी खिलाड़ी रेवाडीह में मौजूद राजनांदगांव बास्केटबॉल सर्वज्ञ राव बास्केटबॉल एकेडमी के ग्राउंड में प्रैक्टिस करते हैं। इन्हें इंटरनेशनल बास्केटबॉल कोच कलवा राजेश्वर राव और कलवा राधा राव ट्रेनिंग देते हैं। यह दिल्ली पब्लिक स्कूल राजनांदगांव, युगांतर पब्लिक स्कूल राजनांदगांव और सर्वज्ञ राव बास्केटबॉल एकेडमी राजनांदगांव के लिए गर्व की बात है और राजनांदगांव और राज्य के लिए छत्तीसगढ़ की एक और खिलाड़ी दिव्या रंगारी का भी इस ट्रेनिंग कैंप के लिए चयन हुआ है। गौरतलब है कि दिल्ली पब्लिक स्कूल राजनांदगांव की अंडर 17 साल की लड़के और लड़कियों की टीम ने CBSE नेशनल बास्केटबॉल टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल जीता था, जबकि युगांतर पब्लिक स्कूल राजनांदगांव की लड़कों की टीम ने सीनियर CBSE नेशनल बास्केटबॉल टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल जीता था। इसी के आधार पर इन टीमों ने सीनियर और जूनियर नेशनल स्कूल बास्केटबॉल कॉम्पिटिशन में CBSE को रिप्रेजेंट किया।

झालोद के किसानों के लिए वसंत मसाला की अनोखी पहल: मॉडर्न टेक्नोलॉजी से अच्छी खेती का रास्ता दिखाया

दाहोद। ज़िले के झालोद में वसंत मसाला प्राइवेट लिमिटेड ने फार्म ब्रिज फाउंडेशन के साथ मिलकर एक किसान सशक्तिकरण प्रोग्राम सफलतापूर्वक आयोजित किया। झालोद के मुवाड़ा में रामजी मंदिर हॉल में हुए इस प्रोग्राम में 100 से ज़्यादा किसान शामिल हुए और उन्हें मॉडर्न खेती की टेक्नोलॉजी पर ज़रूरी गाइडेंस मिली। प्रोग्राम का मुख्य आकर्षण हाइड्रोजेल टेक्नोलॉजी, बायो कल्चर टेक्नोलॉजी और कम लागत में मेहनत बचाने वाली टेक्नोलॉजी पर डिटेल में गाइडेंस और लाइव प्रैक्टिकल डेमो था। बुआई का समय पास है, इसलिए किसानों को सही गाइडेंस, साइंटिफिक अप्रोच और प्लान की हुई ट्रेनिंग देने के मकसद से यह प्रोग्राम आयोजित किया गया था। प्रोग्राम के दौरान किसानों को हाइड्रोजेल टेक्नोलॉजी के फ़ायदों के बारे में बताया गया। एक्सपर्ट्स ने बताया कि हाइड्रोजेल मिट्टी में नमी लंबे समय तक बनाए रखता है, जिससे कम पानी में भी अच्छी फसल पैदावार हो सकती है। यह टेक्नोलॉजी न सिर्फ पानी बचाती है बल्कि क्लाइमेट चेंज के मुश्किल हालात में फसलों को बचाने में भी मदद करती है। कसानों को सिर्फ थ्योरी की जानकारी तक सीमित न रखते हुए, मुवाड़ा गांव के प्रोग्रेसिव किसान रूपलाभाई कनुभाई पटेल के खेत में हाइड्रोजेल टेक्नोलॉजी का लाइव डेमो भी दिखाया गया, जिसे किसानों ने बड़े उत्साह और दिलचस्पी से देखा। प्रोग्राम में बायो कल्चर टेक्नोलॉजी पर भी खास गाइडेंस दी गई। इस तरीके से केमिकल फर्टिलाइजर और पेस्टिसाइड का इस्तेमाल कम करके मिट्टी की नेचुरल फर्टिलिटी और क्वालिटी को बढ़ाया जा सकता है। इसके साथ ही, कम मेहनत और कम लागत में ज्यादा प्रोडक्शन पाने के लिए खेती के अलग-अलग मॉडर्न तरीकों और इक्विपमेंट के बारे में जानकारी दी गई। उम्मीद थी कि ये टेक्नोलॉजी और तरीके, खासकर छोटे और मार्जिनल किसानों के लिए बहुत काम आएंगे, और उनकी ज़िंदगी में आर्थिक सफलता और पॉजिटिव बदलाव लाएंगे। इस प्रोग्राम की शुरुआत 9 मई, 2026 को ब्रह्माकुमारी विश्व विद्यालय में एक प्रोग्राम के साथ हुई थी। उसी कैंपेन को जारी रखते हुए, आज का प्रोग्राम रखा गया, जिसमें किसानों को बिना केमिकल फर्टिलाइजर के मॉडर्न, सस्टेनेबल और हेल्थ के लिए फायदेमंद खेती के तरीकों पर प्रैक्टिकल गाइडेंस दी गई। इसके अलावा, 6 जून को फार्म ब्रिज फाउंडेशन की टीम ने मुवाड़ा, मेलानिया और मुखोसला गांवों में किसानों के खेतों का दौरा किया और मीटिंग कीं।

उत्तर प्रदेश की गवर्नर के तौर पर 7 साल पूरे करने की कगार पर, MP और छत्तीसगढ़ में भी काम कर चुकी हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर / लखनऊ। गुजरात की पहली महिला मुख्यमंत्री के तौर पर एडमिनिस्ट्रेटिव स्किल का परिचय देने वाली और सनातन कर्मयोगी आनंदीबेन पटेल देश के पॉलिटिकल सीन पर अपनी एक अलग पहचान रखती हैं। गुजरात के ष्टरूपद से रिटायर होने के बाद भी उन्होंने देश के अलग-अलग राज्यों में कॉन्स्टिट्यूशनल हेड (गवर्नर) का पद संभालकर तारीफ के काबिल काम किया है। फिलहाल, वह देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की गवर्नर के तौर पर सात साल का लंबा कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा करने की ओर बढ़ रही हैं। साल 2019 में उत्तर प्रदेश की गवर्नर बनीं आनंदीबेन पटेल पिछले सात सालों से इस प्रतिष्ठित पद की गरिमा को सुशोभित कर रही हैं। P जैसे राजनीतिक और भौगोलिक रूप से बड़े राज्य में, उन्होंने राजभवन के एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोसेस, हायर एजुकेशन और खासकर महिलाओं के उत्थान के लिए कई तारीफ़ के काबिल फ़ैसले लिए हैं। योगी आदित्यनाथ सरकार के साथ उनके एडमिनिस्ट्रेटिव तालमेल की पूरे देश में तारीफ़ होती है। UP की गवर्नर बनने से पहले, आनंदीबेन पटेल मध्य प्रदेश की गवर्नर भी रह चुकी हैं। वह जनवरी 2018 से जुलाई 2019 तक मध्य प्रदेश की गवर्नर रहीं।

सरपंच से चार्ज वापस लेकर उपसरपंच को एडमिनिस्ट्रेशन सौंपा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दाहोद। जिले के लिमडी तालुका की कालीमाहुदी ग्राम पंचायत में एक अहम और चौंकाने वाला एडमिनिस्ट्रेटिव मोड़ सामने आया है। ग्राम पंचायत के सरपंच रोहितभाई प्रतापभाई निनामा के खिलाफ गड़बड़ियों के आरोपों की जांच के बाद जिला और तालुका पंचायत एडमिनिस्ट्रेशन एक्शन में आ गया है। इसके चलते, तालुका डेवलपमेंट ऑफिसर, लिमडी ने सरपंच से पंचायत का एडमिनिस्ट्रेटिव चार्ज वापस लेकर उपसरपंच को सौंपने का ऑर्डर जारी किया है। मिली जानकारी के मुताबिक, यह एक्शन डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट ऑफिसर, दाहोद के लेटर के मुताबिक लिया गया है। बताया जा रहा है कि यह फैसला जांच को निष्पक्ष बनाने और पंचायत के रोज़ाना के काम में किसी भी तरह की रुकावट को रोकने के लिए लिया गया है, क्योंकि सरपंच के खिलाफ आरोपों की जांच चल रही है।

रेलवे की IRCTC कंपनी ने विदेश में खोया हुआ मोबाइल वापस दिलाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वेलावदार। इंडियन रेलवे की IRCTC नाम की एक अलग कंपनी है। यह कंपनी रेलवे केटरिंग और रेलवे टूर को बहुत अच्छे से ऑर्गनाइज़ करती है। यह पूरा ध्यान रखती है कि इससे जुड़ने वाले किसी भी यात्री को इन रेलवे टूर में कोई भी छोटी-बड़ी परेशानी न हो। बात यह है कि कुछ समय पहले IRCTC कंपनी ने रेलवे भारत दर्शन और श्रीलंका टूर ऑर्गनाइज़ किया था। उस प्लान का विषय राम यात्रा था। जो पूज्य मोरारी बापू के पवित्र संकल्प और आशीर्वाद से ऑर्गनाइज़ की गई थी। इस यात्रा के दौरान कई यात्री चित्रकूट से शुरू होकर लंका होते हुए अयोध्या तक उन जगहों पर जाना चाहते थे जहाँ भगवान राम गए थे। पूज्य मोरारी बापू ने हर जगह रामजी की कहानी सुनाई। राजकोट के डॉ. मनोज जोशी भी इस राम यात्रा में एक टूरिस्ट थे, जो कभी सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी के गुजराती डिपार्टमेंट के हेड थे। श्रीलंका की इस यात्रा के दौरान डॉ. मनोज जोशी एयरपोर्ट पहुँचने पर अपना मोबाइल फ़ोन होटल और एयरपोर्ट जाने वाली ट्रांसफर बस में ही भूल गए। कोलंबो एयरपोर्ट से फ़्लाइट के निकलने का समय हो गया था, इसलिए मोबाइल फ़ोन ढूंढने का समय नहीं था।

कंगाली में आटा गीला का सामना करती ममता बनर्जी

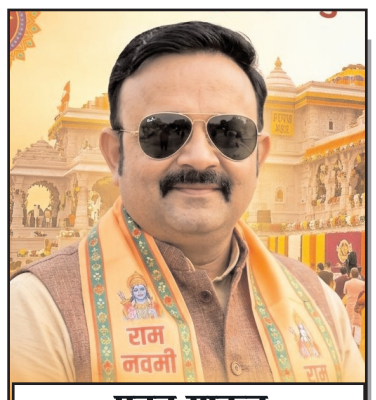

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

ममता बनर्जी की बढ़ती परेशानियों की वजह ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस अपने 28 साल के इतिहास के सबसे बड़े आंतरिक संकट से जूझ रही है। पार्टी के 58 विधायकों ने बागी रुख अपनाते हुए निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुन लिया है, जिसे विधानसभा स्पीकर ने मंजूरी भी दे दी है। इसके साथ ही, लगभग 20 से अधिक टीएमसी सांसदों के भी भाजपा के संपर्क में होने की खबरें सामने आ रही हैं।

आपने एक पुरानी कहावत तो जरूर सुनी होगी कंगाली में आटा गीला। यह ममता बनर्जी के साथ बिल्कुल खरी साबित हो रही है एक ओर वह सत्ता से बाहर हो गयीं हैं दूसरे ओर उनके अपने ही उनके खिलाफ मुखर हो गएं हैं।

आपको बता दें पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की राजनीतिक और कानूनी परेशानियां मई 2026 में हुए विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद से लगातार बढ़ रही हैं। पार्टी के भीतर बड़ी बगावत और कानूनी मुकदमों ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

ममता बनर्जी की बढ़ती परेशानियों की वजह ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस अपने 28 साल के इतिहास के सबसे बड़े आंतरिक संकट से जूझ रही है। पार्टी के 58 विधायकों ने बागी रुख अपनाते हुए निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुन लिया है, जिसे विधानसभा स्पीकर ने मंजूरी भी दे दी है। इसके साथ ही, लगभग 20 से अधिक टीएमसी सांसदों के भी भाजपा के संपर्क में होने की खबरें सामने आ रही हैं।

पार्टी पर पकड़ ढीली होने का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि संकट के बीच ममता बनर्जी द्वारा बुलाई गई हाई-लेवल बैठक में 80 में से केवल 8 विधायक और 41 में से सिर्फ 6 सांसद ही शामिल हुए। ज्यादातर निर्वाचित प्रतिनिधियों ने इस बैठक से दूरी बना ली, जो उनके नेतृत्व को एक सीधा चैलेंज माना जा रहा है।

राजनीतिक मोर्चे के साथ-साथ ममता बनर्जी अब कानूनी पचड़े में भी फंस गई हैं। चुनाव के दौरान दिए गए उनके बयानों और बांग्लादेश में हुई राजनीतिक हत्या के मामले को केंद्र सरकार से जोड़ने को लेकर उनके खिलाफ सिलीगुड़ी और कोलकाता में राजद्रोह और हेट स्पीच की शिकायतें व पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराई गई हैं। याचिकाकताओं ने इसे देश की संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है।

सत्ता हाथ से जाने के बाद जमीनी स्तर पर भी भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण भगदड़ मची हुई है। उनके बेहद करीबी माने जाने वाले कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम और बिधाननगर की मेयर कृष्णा चक्रवर्ती ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। इसके अलावा राज्यभर में 100 से ज्यादा टीएमसी पार्षदों और स्थानीय नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है।

ममता बनर्जी को अपने ही गढ़ भवानीपुर सीट से भाजपा के सुवेंदु अधिकारी के हाथों 15,105 वोटों से हार का सामना करना पड़ा। राज्य में 15 साल पुराने टीएमसी शासन का अंत हो गया है और सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा की नई

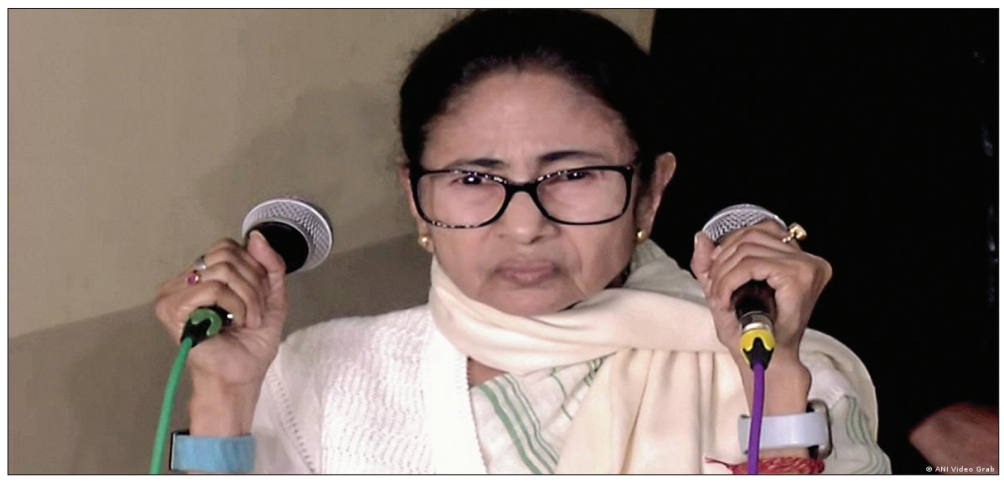

सरकार का गठन हो चुका है।

ममता बनर्जी इन सभी विपरीत हालातों के खिलाफ सड़कों से लेकर हाइकोर्ट तक कानूनी और राजनीतिक लड़ाई लड़ रही हैं।

आपको पता है कि पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव के परिणाम एक माह पूर्व 4 मई को सामने आए थे। इनमें ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को निराशा का मुंह देखना पड़ा था। 294 सीटों वाली इस विधानसभा में उसे 80 सीटें ही मिली थीं। इस तरह 15 वर्ष तक प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं ममता का शासन खत्म हो गया था। ममता ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत कांग्रेस से की थी। लम्बी अवधि तक वह इसके साथ जुड़ी रहीं, परन्तु 28 वर्ष पूर्व 1998 में उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) का गठन किया था और कम्युनिस्ट पार्टियों के तीन दशकों से भी अधिक प्रदेश में चले आ रहे लम्बे शासन को खत्म करने के लिए बड़ी दिलेरी और दृढ़ता से उसका मुकाबला किया था। इस समय लोकसभा में इनके 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं, परन्तु विगत लम्बी अवधि से इस पार्टी के भीतर ममता की तानाशाही और टकराव वाली नीतियों के कारण असंतोष और असहमति चल रही थी, परन्तु उनकी प्रशासन पर सख्त पकड़ और कठोर फैसलों से यह बगावत अंदर-अंदर ही सुलगती रही थी।

ममता ने अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को अपने साथ राजनीति में लाकर उसे अधिक शक्तियां दे दी थीं। बनर्जी के काम करने के ढंग-तरीके से भी पार्टी गलियारों में असंतोष था, जिसके संबंध में ममता को लगातार उनकी पार्टी के नेताओं द्वारा अवगत करवाया जाता रहा था परन्तु ममता ने इस बात की ओर ध्यान नहीं दिया। अपनी ताकत के दम पर उन्होंने बड़ी राष्ट्रीय नेता होने का भ्रम भी पाल लिया था, जिस कारण राष्ट्रीय स्तर पर दर्जनों ही पार्टियों द्वारा बनाए गए इंडिया गठबंधन की वह सदस्य जरूर बनी रही थीं, परन्तु इसमें शामिल अलग-अलग पार्टियों के सभी नेताओं से ऊंचा कद होने का भ्रम उन्होंने पाल रखा था। इसलिए विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने अपनी किसी भी सहयोगी पार्टी के साथ गठबंधन करने से इन्कार कर दिया था। उनके शासन के समय प्रदेश की आर्थिकता भी बेहद कमजोर हो गई थी और यह पूरी तरह कर्ज में डूब चुका था। केन्द्र के साथ लगातार टकराव रहने के कारण और उद्योग को समर्थन न मिलने के कारण प्रदेश की आर्थिकता डावांडोल हो गई थी। इसके साथ ही बेरोजगारी की दर भी बढ़ चुकी थी, परन्तु पिछला पूरा समय केन्द्र और अन्य पार्टियों के साथ टकराव बने रहने के कारण भी उनकी प्रशासनिक तौर पर पकड़ ढीली पड़ चुकी थी। ऐसी स्थिति लोगों के भीतर निराशा में बदलती गई। लगातार सरकार विरोधी भावनाओं के बढ़ने का अनुमान लगाने में वह असमर्थ रहीं और न ही वह दीवार पर लिखे को पढ़ सकीं, जिस कारण उन्हें चुनाव में निराशा का मुंह देखना पड़ा। हार के बाद भी उन्होंने खुले मन से आत्म-मंथन करने की बजाए अपनी पार्टी के भीतर असंतोष को अनदेखा किए रखा जो अंत में उनके लिए हानिकारक सिद्ध हुई। आंतरिक यह चिंगारी उस समय लपटें बन गई, जब उन्होंने ज्यादातर पार्टी नेताओं को अनदेखा करके अभिषेक बनर्जी के कहने पर विधानसभा में विपक्ष के नेता के लिए सैमन देव का नाम स्पीकर को भेज दिया, परन्तु ज्यादातर विधायक इस पद के लिए रिताव्रता बनर्जी के पक्ष में थे, परन्तु ममता ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया और इस पद के लिए स्पीकर को विधायकों के हस्ताक्षर वाला एक पत्र भेज दिया, जिस कारण ज्यादातर नेताओं ने बगावत का मार्ग अपना लिया। इस मामले को लेकर ही बुधवार को पार्टी के 80 विधायकों में से 59 विधायकों ने विधानसभा के स्पीकर से सम्पर्क किया। अपने हस्ताक्षरों वाला पत्र उन्हें सौंपा और अपने गुट को असली तृणमूल कांग्रेस बताया। पार्टी के 28 वर्ष के के इतिहास में ममता पर पहली बार इतना बड़ा हमला हुआ है। इसकी उदाहरण महाराष्ट्र से मिलती है, जब 20 जून, 2022 को वहां शिव सेना के 55 में से 40 विधायकों ने एकनाथ शिंदे का उस समय साथ दिया था, जब उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री थे। उसके सप्ताह भर बाद ही शिंदे वहां भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बन गए थे। अब दो तिहाई सदस्यों के एकजुट होने से विधानसभा में ममता के समर्थक सदस्य 2 दर्जन से भी कम रह गए हैं, जिससे उनकी राजनीतिक हालत और भी दयनीय हो गई प्रतीत होती है।

दूसरी तरफ भाजपा को बड़ी जीत प्राप्त होने के कारण उसके नेताओं ने तृणमूल कांग्रेस के बागियों के साथ कोई भी समझौता करने से इंकार कर दिया है। रिताव्रता बनर्जी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत वामपंथी विद्यार्थी संगठन से की थी। 34 वर्ष की उम्र में वह राज्यसभा के सदस्य बन गए थे और बाद में वह टी.एम.सी. में शामिल हो गए थे। ममता ने ही उन्हें वर्ष 2024 में राज्यसभा में भेजा था। विधानसभा चुनाव में वह उलबेरिया सीट से विधायक चुने गए हैं। चाहे ममता ने इस बड़ी चुनौती के समक्ष भी अपना हौसला कायम रखते हुए इन बागियों और भाजपा को ललकारा है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा विरोधी पार्टियों से सम्पर्क करने की बात भी की है, परन्तु अब यह देखना शेष होगा, कि वह निकट भविष्य में प्रदेश और देश की राजनीति में किस तरह विचरण करेंगी।स्पष्ट है कि आज की राजनीति में साम दाम दंड भेद सब का चलन बढ़ गया है सत्ता में सबको समेट रखने की ताकत है लेकिन सत्ता से बाहर होते ही अपने सगे साथियों की हकीकत सामने आ जाती है कि उनके दिल में कितना खार छुपाए बैठे थे यह बदलते दौर की राजनीति की नंगी तस्वीर है इस को स्वीकार करना ही होगा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

युद्ध खत्म होगा या नहीं?

युद्धविराम और समझौते की कथित बातचीत के बावजूद राष्ट्रपति ट्रंप ने हुंकार भरी है कि ईरान 21 दिन में खत्म हो जाएगा। वह सब कुछ तबाह कर देंगे। फिर ट्रंप युद्धविराम की नई परिभाषा देते हुए कहते हैं कि सीमित और संयमित गोलीबारी युद्धविराम ही है। कमोबेश बमबारी, मिसाइलों की बौछार और विनाशक हमले तो बंद हैं। अमरीकी राष्ट्रपति किन 21 दिनों की बात कर रहे हैं? 8 अप्रैल से तो कथित युद्धविराम है। अब शांति-समझौता करना चाहते हैं अथवा युद्ध आगे भी जारी रह सकता है? दूसरी तरफ ईरान के आईआरजीसी ने कुवैत और बहरीन के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर हमले कर तबाही मचा दी है। इन्हें अमरीकी सैन्य ठिकाने भी माना जाता है। कुवैत हवाई अड्डे का टर्मिनल-1 तो विनष्ट हो गया। वहां एक भारतीय (उज्जैन निवासी) मारा गया और 13 घायल हुए हैं। अन्य घायलों का आंकड़ा बहुत ज्यादा है। ईरान ने एक ही रात में चार देशों पर हमले कर अमरीकी पक्ष को थर्रा दिया है। ईरानी नौसेना ने ओमान खाड़ी में अमरीकी युद्धपोत पर हमला कर उसे क्षतिग्रस्त किया है। अमरीका के कान खड़े हो गए होंगे! युद्ध के सायरन बजने लगे हैं। लड़ाकू विमान आसमान में मंडराने, गरजने लगे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप एक तरफ समझौते को लेकर उम्मीद जताते हैं, तो दूसरी तरफ तबाही की धमकियां देते हैं! यह युद्धविराम कैसा है अथवा ईरान युद्ध का दूसरा चरण शुरू हो चुका है? इसी बीच अमरीकी कांग्रेस (संसद) की प्रतिनिधि सभा ने प्रस्ताव पारित किया है कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान रोका जाए और सैनिकों की वापसी शुरू की जाए। प्रस्ताव में यह निर्देश भी है कि यदि भविष्य में युद्ध की कार्रवाई अपरिहार्य हो, तो पहले कांग्रेस (संसद) की मंजूरी ली जाए। प्रस्ताव के पक्ष में 215 और उसके खिलाफ 208 वोट आए। राष्ट्रपति ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के 4 सांसदों ने भी क्रॉस वोटिंग की और डेमोक्रेट्स का समर्थन किया। इससे पहले सीनेट में भी ट्रंप-समर्थक सांसदों ने उनके खिलाफ वोट दिए थे। संसद में पारित प्रस्ताव के जरिए राष्ट्रपति की निरंकुश युद्ध-शक्तियों को भी सीमित किया गया है। यह घटनाक्रम और परिदृश्य राष्ट्रपति ट्रंप के लिए राजनीतिक और संसदीय आघात से कम नहीं है। फिर भी राष्ट्रपति ट्रंप पारित प्रस्ताव को 'असंवैधानिक' करार देते हुए 'वीटो' कर सकते हैं, लेकिन वह राष्ट्रपति और संसद के बीच टकराव की नौबत से बचना चाहेंगे।

चिंतन-मनन

मृत्यु के उपरांत शरीर नष्ट हो जाता है

अष्टावप्र गीता में आचार्य अष्टावक्र कहते हैं कि मनुष्य शरीर मात्र शरीर नहीं है। वह चैतन्य आत्मा है। आत्मा ही इस शरीर की पोषक है। जैसे ही आत्मा इस शरीर से बाहर निकलती है, शरीर विकृत होने लगता है। बुद्धि, कर्म, भोग, अहंकार, लोभ, मोह शरीर और मन के धर्म हैं, आत्मा के नहीं। आत्मज्ञान के अभाव में ऐसी भ्रांति हुआ करती है कि मैं एक शरीर हूं, आत्मा नहीं। यही तो अज्ञान है। पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश इन पांच तत्वों से मिलकर शरीर बनता है, जो भौतिक, अनित्य और नष्ट होने वाला है।

मृत्यु के उपरांत शरीर नष्ट हो जाता है, पर हम शरीर के नष्ट हो जाने के बाद भी अगली यात्र पर निकल जाते हैं। जैसे पुराने वस्त्रों को छोड़कर नया वस्त्र धारण कर लेते हैं। यह शरीर हमारा वस्त्र मात्र है, जो भौतिक पदार्थों से मिलकर बना है। हम सब घर नहीं, बल्कि इसमें रहने वाले मालिक हैं। हम बार-बार यह कहते हैं कि हम शरीर नहीं आत्मा हैं, जो चैतन्य है। आत्मा का कोई वर्ण नहीं होता, वह ब्राण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र नहीं होती। वह तो चैतन्य-शक्ति मात्र है, जो समस्त प्रकार के जीवों में समान रूप से व्याप्त है। यह आत्मा न किसी वर्ण वाली है और न आश्रम वाली है। आत्मा की न कोई जाति होती है और न ही कोई धर्म होता है। ये चार आश्रम-ब्राचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास वाली भी नहीं है। आत्मा न कर्ता है और न भोक्ता है और न ही भोग्य विषय है। इन तीनों से परे असंग, निराकार और साक्षी मात्र है। 1कुछ लोग कहते हैं कि यह घोर कलयुग है, यह पंचम काल है। इसमें तो मुक्ति हो ही नहीं सकती। इस संदर्भ में आचार्य अष्टावप्र कहते हैं कि तुम अपने को चैतन्य में स्थिर कर लो तो अभी मुक्ति को प्राप्त हो सकते हो। जैसे दीपक जलते ही अंधेरा गायब हो जाता है, उसी तरह क्या आत्मज्ञान के प्रकाश से अज्ञान रूपी अंधकार गायब नहीं हो सकता। अज्ञान के मिटते ही जीव की सभी भ्रांतियां मिट जाती हैं। आत्मा चैतन्य है, मुक्ति है, सर्वत्र व्यापक है, वह किसी बंधन में बंधी नहीं है। आत्मा का कोई रूप नहीं है, वह निराकार है। उसी निराकार का रूप सृष्टि है। आकार बनते हैं, बिगड़ते हैं, किंतु मूल तत्व वही रहता है। जैसे सोने से विभिन्न आभूषण बनते हैं, बिगड़ते हैं, किंतु मूल तत्व सोना वही रहता है। इस तरह से हम कह सकते हैं, आत्मा ही सत्य है और आत्मा ही पुरातन है, आत्मा ही सनातन है।

समंदर रो रहा है और हम सो रहे हैं...

दिलीप कुमार पाठक

शायद ही कोई ऐसा इंसान होगा जिसे समंदर किनारे बैठना अच्छा न लगता हो। पानी की उठती-गिरती लहरें, ठंडी हवा और दूर तक फैला नीला पानी हर किसी का मन मोह लेता है। लेकिन क्या कभी हम यह सोचते हैं कि जिस समंदर को हम सिर्फ घूमने-फिरने की जगह समझते हैं, वो असल में हमारी हर सांस से जुड़ा हुआ है? आज 8 जून को पूरी दुनिया विश्व महासागर दिवस मना रही है। यह दिन सिर्फ अखबारों में बधाई देने या भाषण झाड़ने का दिन नहीं है। यह दिन एक चेतावनी है उस समंदर की तरफ से, जो इंसानों की गलतियों की वजह से अब धीरे-धीरे बीमार पड़ रहा है।

संयुक्त राष्ट्र ने इस बार रीइमेजिन यानी फिर से सोचने की बात कही है, जो हमें याद दिलाती है कि अगर समंदर नहीं बचा, तो हमारा वजूद भी नहीं बचेगा। किताबों में तो लिख दिया जाता है कि धरती पर सत्तर प्रतिशत पानी है। लेकिन आसान भाषा में समझें तो यह समंदर हमारे ग्रह के फेफड़े हैं। हम जो सांस लेते हैं, उसकी आधी से ज्यादा ऑक्सीजन समंदर के छोटे-छोटे पौधों से आती है, न कि सिर्फ जंगलों से। दुनिया का मौसम बदलना, टाइम पर बारिश होना और धरती का तापमान काबू में रहना, यह सब इसी नीले समंदर के दम पर मुमकिन हो पाता है। लेकिन इसके बदले में हम इंसान समंदर को क्या दे रहे हैं? सिर्फ और सिर्फ अपना कचरा! हमारे घरों, नालों और फैक्ट्रियों का सारा गंदा पानी और केमिकल आखिरकार समंदर में ही जाकर मिलता है। इससे भी बड़ा दुश्मन है प्लास्टिक। हर साल लाखों टन प्लास्टिक की बोतलें, थैलियां और चिप्स के पैकेट समंदर में फेंक दिए जाते हैं। आज हालत यह है कि समंदर के बीचों-बीच प्लास्टिक के तैरते हुए बड़े-बड़े पहाड़ बन चुके हैं। इस इंसानी लापरवाही की सबसे भारी कीमत बेजुबान समुद्री जीव चुका रहे हैं। कछुओं के मुंह में प्लास्टिक की स्ट्रॉ फंस जाती है, तो मछलियों के पेट से टनों प्लास्टिक की थैलियां निकल रही हैं। और नुकसान सिर्फ उनका नहीं हो रहा। जो मछलियां इस प्लास्टिक को खाती हैं, जब वही मछलियां इंसानों की थाली तक पहुंचती हैं, तो वो जहर घूम-फिरकर हमारे खुद के शरीर में आ जाता है। अगर हम भारत की बात करें, तो हमारी तटीय सीमा बहुत बड़ी है। करोड़ों मछुआरों के परिवारों की रोटी-रोटी इसी समंदर से चलती है। लेकिन पिछले कुछ सालों में आपने भी ध्यान दिया होगा कि समुद्री तूफानों की गिनती अचानक बढ़ गई है। आए दिन चक्रवात तबाही मचाते हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि हमारी गलतियों से समंदर गर्म हो रहा है और उसका गुस्सा इन तूफानों के रूप में हमारे शहरों पर फूट रहा है। हम प्रकृति को जो दे रहे हैं, वही लौटकर हमारे पास आ रहा है। अब सवाल यह है कि एक आम आदमी क्या कर सकता है? हमें कोई बहुत बड़ा काम नहीं करना है, बस अपनी छोटी-छोटी आदतें बदलनी हैं। जब भी हम किसी बीच या नदी किनारे घूमने जाएं, तो वहां कचरा न फैलाएं। सिंगल-यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद कर दें। आज हमारे हाथ से छूटी एक प्लास्टिक की बोतल कल किसी मासूम जीव की जान ले सकती है।

रही बात सरकारों और नेताओं की, तो बड़े-बड़े वादे और कागजी नियम बहुत बन चुके। अब जरूरत इस बात की है कि फैक्ट्रियों के मालिक और नगर निगम वाले शहर का गंदा नाला सीधे नदियों और समंदर में गिराना बंद करें। जब तक इन पर तगड़ा जुमार्ना नहीं लगेगा और कैमरे लगाकर निगरानी नहीं होगी, तब तक कुछ बदलने वाला नहीं है। आखिर में बात बस इतनी सी है कि समंदर हमें चुपचाप जीवन दे रहा है और हम बदले में उसे धीरे-धीरे मार रहे हैं। अगर हम आज भी नहीं सुधरे, तो आने वाले समय में समंदर किनारे सिर्फ कचरे के ढेर और बदबू ही मिलेगी, सुकून नहीं। इसलिए, इस 8 जून को मोबाइल पर केवल फोटो और स्टेटस लगाने का दिखावा करने के बजाय, खुद से एक छोटा सा वादा करें कि हम अपनी तरफ से गंदगी नहीं फैलाएंगे।

(लेखक पत्रकार हैं)

पाकिस्तान के बाद अब बांग्लादेश से रक्षा संबंध बना रहा तुर्किये, भारत को दो तरफ से घेरने की रणनीति!

नीरज कुमार दुबे

दक्षिण एशिया की बदलती भू राजनीतिक बिसात पर अब एक नया और बेहद खतरनाक समीकरण तेजी से उभर रहा है। भारत विरोधी रवैये के लिए लंबे समय से चर्चित तुर्किये अब केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसने बांग्लादेश के साथ भी अपने रक्षा और सामरिक रिश्तों को तेजी से विस्तार देना शुरू कर दिया है। ढाका पहुंचे तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने जिस तरह बांग्लादेश को दक्षिण एशिया की सुरक्षा संरचना का महत्वपूर्ण स्तंभ बताया, उसने नई दिल्ली की चिंता और गहरा दी है। इस बयान को भारत के चारों ओर रणनीतिक दबाव बनाने की सुनियोजित चाल के रूप में देखा जा रहा है।

तुर्किये ने साफ संकेत दे दिया है कि वह दक्षिण एशिया में अपनी मौजूदगी केवल व्यापार या मानवीय सहायता तक सीमित नहीं रखना चाहता। ढाका में हुई उच्च स्तरीय वार्ता में रक्षा सहयोग, रक्षा उत्पादन, सामरिक साझेदारी और आर्थिक विस्तार पर जिस गंभीरता से चर्चा हुई, वह भारत के लिए साधारण घटना नहीं है। बांग्लादेश ने तुर्किये को रक्षा सामग्री निर्माण में निवेश का खुला न्योता दिया है। दोनों देशों ने पारंपरिक सहयोग से आगे बढ़कर रणनीतिक साझेदारी की दिशा में कदम बढ़ाने की बात कही है। यह वही तुर्किये है जिसने पाकिस्तान के साथ मिलकर वर्षों तक भारत विरोधी मोचेबंदी की, कश्मीर मुद्दे पर खुलकर इस्लामाबाद का साथ दिया और इस्लामी सहयोग संगठन के मंचों पर भारत के खिलाफ माहौल बनाने का प्रयास किया।

उधर, दिल्ली की सबसे बड़ी चिंता यह है कि तुर्किये अब भारत के पश्चिमी मोर्चे पर पाकिस्तान और पूर्वी मोर्चे पर बांग्लादेश के साथ समानांतर सामरिक रिश्ते बना रहा है। यह दो तरफा दबाव की रणनीति जैसी दिखाई देती है। पाकिस्तान पहले से ही तुर्किये के रक्षा उद्योग, ड्रोन तकनीक और सैन्य प्रशिक्षण का लाभ उठा रहा है। अब यदि वही ढांचा बांग्लादेश तक पहुंचता है, तो भारत के लिए सुरक्षा समीकरण और जटिल हो जाएंगे। खास तौर पर तब, जब बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार अपनी विदेश नीति को नए ढंग से गढ़ने की कोशिश कर रही है।

इसके अलावा, तुर्किये और बांग्लादेश के बीच केवल रक्षा सहयोग ही नहीं, बल्कि आर्थिक और संस्थागत साझेदारी भी तेजी से बढ़ रही है। दोनों देश व्यापार को तेरह अरब डॉलर से बढ़ाकर बीस अरब डॉलर तक ले जाने की तैयारी में हैं। विशेष आर्थिक क्षेत्रों में तुर्किये को निवेश का निमंत्रण दिया गया है। वस्त्र, दवा निर्माण, जहाज निर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाया जा रहा है। ढाका में अंतरराष्ट्रीय स्तर का अस्पताल और नर्सिंग संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव भी दिया गया है। यह साफ दिखाता है कि तुर्किये केवल सैन्य साझेदारी नहीं, बल्कि दीर्घकालिक प्रभाव स्थापित करने की नीति पर काम कर रहा है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि तुर्किये दक्षिण एशिया में खुद को मुस्लिम दुनिया के प्रभावशाली संरक्षक के रूप में स्थापित करना चाहता है। रोहिंग्या मुद्दे पर उसकी सक्रियता, गाजा पर आक्रामक बयानबाजी और बांग्लादेश के साथ मानवीय सहयोग इसी रणनीति का हिस्सा हैं। लेकिन इसके पीछे छिपा बड़ा उद्देश्य क्षेत्रीय प्रभाव विस्तार और भारत की सामरिक चुनौती को बढ़ाना है।

वैसे तो तुर्किये लगातार यह कह रहा है कि भारत को उसके पाकिस्तान से रिश्तों की वजह से उससे दूरी नहीं बनानी चाहिए। लेकिन असली सवाल भरोसे का है। राष्ट्रपति एर्दोआन कई बार खुलकर कश्मीर पर पाकिस्तान के समर्थन में बयान दे चुके हैं। तुर्किये ने पाकिस्तान के साथ अपने रक्षा रिश्ते भी काफी मजबूत कर लिए हैं। इतना ही नहीं, पिछले साल भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के दौरान तुर्किये ने पाकिस्तान को रक्षा उपकरण और ड्रोन तक मुहैया कराए थे। भारत ने पाकिस्तान की तरफ से आए जिन कई ड्रोनों को मार गिराया था, उनमें तुर्किये में बने ड्रोन भी शामिल थे। ऐसे में तुर्किये का भारत से दोस्ती और संतुलन की बात करना नई दिल्ली को एक सोची समझी रणनीतिक चाल जैसा लगता है। यही वजह है कि भारत भी अब तुर्किये को उसी की भाषा में जवाब दे रहा है।

दरअसल, भारत ने हाल के वर्षों में साइप्रस और ऑर्मेनिया के साथ अपने रक्षा संबंधों को तेजी से मजबूत किया है। ऑर्मेनिया अब भारतीय हथियारों का बड़ा खरीदार बन चुका है। साइप्रस के साथ भी भारत रणनीतिक और रक्षा सहयोग बढ़ा रहा है। यह सीधे-सीधे तुर्किये को संदेश है कि यदि अंकारा भारत के पड़ोस में दखल बढ़ाएगा, तो नई दिल्ली भी तुर्किये के सामरिक क्षेत्र में जवाबी दबाव बनाएगी। जिस तरह तुर्किये पाकिस्तान और अब बांग्लादेश के जरिए भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है, उसी तरह भारत भी तुर्किये के विरोधी या प्रतिस्पर्धी देशों के साथ संबंध मजबूत कर रहा है। यह नई शीत प्रतिद्वंद्विता का संकेत है।

उधर, बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की विदेश नीति भी इस समय भारत के लिए गहरी चिंता का विषय बनती जा रही है। भारत की ओर से सबसे पहले आधिकारिक यात्रा का निमंत्रण मिलने के बावजूद रहमान ने पहले मलेशिया और फिर चीन जाने का फैसला किया। ढाका ने साफ तौर पर यह संदेश देने की कोशिश की कि वह अब केवल भारत पर निर्भर रहने वाली नीति से आगे बढ़ना चाहता है। खास बात यह है कि चीन यात्रा के दौरान तीस्ता परियोजना समेत कई बड़े रणनीतिक मुद्दों पर बातचीत की संभावना जताई जा रही है। साथ ही तारिक रहमान की मलेशिया यात्रा को केवल एक सामान्य विदेश दौरे के तौर पर नहीं देखा जा रहा है। इसके पीछे साफ रणनीतिक सोच दिखाई दे रही है। बांग्लादेश नहीं चाहता था कि नई सरकार की पहली विदेश यात्रा सीधे भारत या चीन में से किसी एक देश की तरफ झुकाव का संकेत दे। यही वजह है कि ढाका ने मलेशिया को पहले पड़ाव के तौर पर चुना, ताकि वह खुद को तटस्थ दिखा सके और भारत, चीन प्रतिस्पर्धा से दूरी बनाने का संदेश दे सके। लेकिन इसके राजनीतिक और सामरिक मायने काफी बड़े हैं। मलेशिया यात्रा के बाद चीन जाने की तैयारी यह संकेत देती है कि बांग्लादेश अब अपनी विदेश नीति को नए संतुलन के साथ आगे बढ़ाना चाहता है। इससे भारत की चिंता इसलिए बढ़ रही है क्योंकि ढाका अब एक साथ चीन, तुर्किये, पाकिस्तान और अन्य इस्लामी देशों के साथ अपने रिश्ते मजबूत करने की दिशा में बढ़ता दिख रहा है। यह आने वाले समय में भारत के लिए कूटनीतिक और रणनीतिक चुनौती को और कठिन बना सकता है। देखा जाये तो भारत के लिए यह समय बेहद सतर्क रहने का है। पाकिस्तान के साथ तुर्किये की साझेदारी पहले ही चिंता का कारण थी, लेकिन अब यदि बांग्लादेश भी उसी धुरी का हिस्सा बनने लगता है, तो यह भारत की पूर्वी सुरक्षा संरचना के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। हालांकि भारत को कम करके आंकना ढाका, इस्लामाबाद और अंकारा तीनों की सबसे बड़ी भूल साबित हो सकती है। भले ही बांग्लादेश चीन, पाकिस्तान और तुर्किये के साथ मिलकर नए समीकरण बनाने की कोशिश करे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति बेहद दूरदर्शी और बहुस्तरीय मानी जाती है। कभी कभार ऐसा लग सकता है कि भारत चुप क्यों है, लेकिन इतिहास गवाह है कि सही समय आने पर प्रधानमंत्री मोदी का जवाब बेहद सटीक और ताकतवर होता है। कूटनीति का जवाब कूटनीति से और रणनीतिक चालों का जवाब उससे भी बड़ी चाल से देना ही मोदी की कार्यशैली रही है। यही वजह है कि आज भारत केवल अपने विरोधियों की गतिविधियों पर नजर नहीं रख रहा, बल्कि उनके हर कदम का जवाब देने के लिए समानांतर रणनीतिक मोर्चे भी तैयार कर रहा है।

शहर के 5 प्रमुख चौराहों पर शुरू हुआ इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम, मेयर ने किया शुभारंभ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। नगर निगम ने यातायात व्यवस्था को आधुनिक और सुगम बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब शहर के पांच प्रमुख चौराहों पर इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) का संचालन शुरू कर दिया गया है। इससे यातायात नियंत्रण अधिक व्यवस्थित होगा और नागरिकों को रेड एवं ग्रीन सिग्नल के अनुसार सुरक्षित आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी।

शनिवार को आईटीएमएस प्रणाली का शुभारंभ मेयर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने जलकल परिसर स्थित आईटीएमएस कार्यालय से किया। नगर निगम ने रिकाबगंज चौराहे पर पहले से संचालित आईटीएमएस प्रणाली के अतिरिक्त शांति चौक (नाका), गुदड़ी बाजार चौराहा, पोस्ट ऑफिस चौराहा तथा पुलिस लाइन स्थित पुष्पराज चौराहा पर भी यह व्यवस्था लागू कर दी गई है। मेयर त्रिपाठी ने कहा कि अयोध्या को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आगामी एक सप्ताह के भीतर धर्मपथ पर हनुमान गुफा, सिविल लाइन चौराहा, देवकाली बाईपास एवं मनूचा चौराहा सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों पर भी आईटीएमएस प्रणाली लागू कर दी जाएगी। इससे यातायात संचालन और अधिक सुचारु होगा तथा आमजन को जाम की समस्या से राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि नगर निगम ने 20 चौराहों पर सीबी इमरजेंसी कॉल बॉक्स भी स्थापित किए हैं। इन स्थानों पर जागरूकता के लिए विशेष स्टीकर लगाए गए हैं। किसी भी आपातकालीन स्थिति, सड़क दुर्घटना, चोरी अथवा अन्य संकट की स्थिति में नागरिक एसओएस बटन दबाकर तत्काल सूचना नगर निगम और पुलिस प्रशासन तक पहुंचा सकेंगे।

आईटीएमएस सुविधा शुरू करने की योजना

मेयर ने बताया कि शहर के 15 अन्य स्थानों पर भी आईटीएमएस सुविधा शुरू करने की योजना बनाई गई है। इनमें निषाद राज चौराहा (टेढ़ी बाजार), श्रीराम हॉस्पिटल तिराहा, लता चौक, हनुमान गुफा चौक, साकेत पेट्रोलियम, देवकाली बाईपास, देवकाली तिराहा, अग्रसेन तिराहा, रायबरेली बाईपास, सहादतगंज बाईपास, नाका हनुमानगढ़ी, डीएम आवास चौराहा, गुरु गोविंद सिंह चौक एवं सिविल लाइन तिराहा प्रमुख हैं।

10 फीट गहरे निर्माण कुंड में गिरा एक साल का मासूम, पुलिस की सूझबूझ से बची जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा जिले के गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। घर के आंगन में खेल रहा एक वर्षीय मासूम मकान निर्माण के लिए तैयार किए गए करीब 10 फीट गहरे निर्माण कुंड में गिर गया। बच्चे के गिरते ही परिवार में हड़कंप मच गया और पूरे गांव की सांसें थम गईं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और करीब दो घंटे तक चले चुनौतीपूर्ण रेस्क्यू अभियान के बाद मासूम को सकुशल बाहर निकाल लिया। जानकारी के अनुसार ग्राम चुआ निवासी बाबू केवट का एक वर्षीय पुत्र शिवेंद्र केवट शनिवार सुबह करीब 6 बजे अपने घर के आंगन में खेल रहा था। इसी दौरान वह मकान निर्माण के लिए तैयार किए गए संकरे निर्माण कुंड के पास पहुंच गया और अचानक उसमें गिर पड़ा। कुछ देर बाद जब बच्चा दिखाई नहीं दिया और भीतर से रोने की आवाज सुनाई दी, तब परिजनों को घटना का पता चला। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। परिजनों ने तत्काल गोविंदगढ़ थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अरविंद सिंह राठौड़ पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। निर्माण कुंड बेहद संकरा होने के कारण बच्चे को सीधे ऊपर खींचना संभव नहीं था। ऐसे में पुलिस ने त्वरित निर्णय लेते हुए ग्रामीणों की सहायता से उसके समानांतर एक अन्य मार्ग तैयार करने के लिए खुदाई शुरू करवाई। रेस्क्यू अभियान के दौरान हर कदम बेहद सावधानी से उठाया गया ताकि बच्चे को किसी प्रकार की चोट न पहुंचे। करीब दो घंटे तक लगातार चले प्रयासों के बाद पुलिस और ग्रामीणों की टीम बच्चे तक पहुंचने में सफल रही। इसके बाद मासूम शिवेंद्र को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। बच्चे के बाहर आते ही मौके पर मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली और परिजनों की आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े। रेस्क्यू के तुरंत बाद बच्चे को पुलिस सुरक्षा में नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम ने उसका विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया। चिकित्सकों ने बच्चे को पूरी तरह स्वस्थ और सुरक्षित बताया। इसके बाद उसे उसके माता-पिता को सौंप दिया गया। गोविंदगढ़ थाना प्रभारी अरविंद सिंह राठौड़ ने बताया कि पुलिस और ग्रामीणों के सामूहिक प्रयास से बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

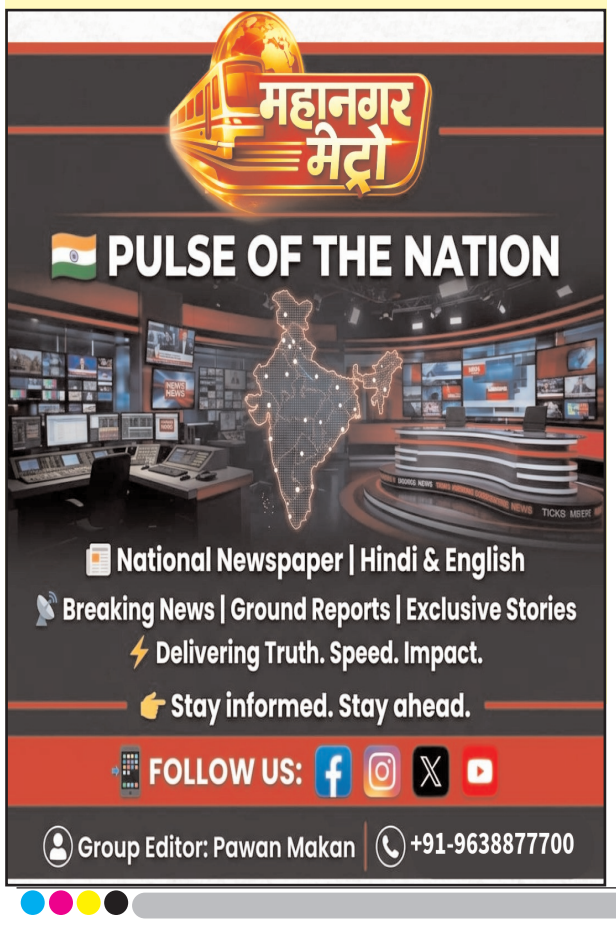

'एसी ठीक करने आए और 50 लाख का सामान लूट लिए', 24 घंटे में ही प्रेग्नेंट भाभी की साजिश का पर्दाफाश,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में हुई 50 लाख की सनसनीखेज लूट का पुलिस ने 24 घंटे के अंदर खुलासा कर माल बरामद कर लिया। लूट की साजिश किसी और ने नहीं, बल्कि गर्भवती फरियादी पिंकी श्रीवास्तव ने अपने पति शुभम और दो अन्य लोगों के साथ मिलकर रची थी।

ननद के घर में प्रेग्नेंट भाभी ने रची साजिश

दरअसल, डबरा थाना के सचदेवा कॉलोनी में 4 जून को दिनदहाड़े हुई लूट की वारदात से हड़कंप मच गया था। यहां मोनिका श्रीवास्तव के घर उनकी गर्भवती भाभी पिंकी श्रीवास्तव अपने बेटे के साथ थी। मोनिका अपनी ड्यूटी पर गई थी। इसी दौरान बाइक से दो युवक आए, जिनमें एक ने चेहरे पर कपड़ा बांध रखा था, दूसरा हेलमेट लगाए हुए था। वे एयर कंडीशनर सुधारने का कहकर आए थे और उन्हीं ने लूट की वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस को सुनाई झूठी कहानी

गर्भवती पिंकी ने ग्वालियर पुलिस को जो कहानी बताई, उसके मुताबिक दोनों युवक एसी ठीक करने आए हैं। उन्होंने बताया कि मोनिका ने बुलाया है। इसके बाद पिंकी उसे पूछने के लिए अंदर फोन लेने के लिए चली गई। इसी दौरान दोनों बदमाश घर में घुस आए । एक ने पिंकी की कनपटी पर हथियार लगा दिया। फिर हाथ-पैर और मुंह बांधकर मारपीट की। आरोपी तीन से चार लाख रुपए नगद और करीब 46 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवर समेटकर भाग निकले। यह वारदात पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन गई थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस के हाथ कुछ सीसीटीवी फुटेज लगे, इसके बाद पुलिस को शुभम श्रीवास्तव और सोनू की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। धर्मवीर सिंह यादव, एसपी ग्वालियर वहीं, ग्वालियर एसपी ने कहा कि जब पुलिस ने दोनों से कड़ाई से पूछताछ की तो डबरा लूटकांड का पर्दाफाश हो गया। इसके बाद जो कहानी सामने निकल कर आई उसके मुताबिक मोनिका (रानू), पिंकी के पति शुभम की सगी बहन है। शुभम और उसकी पत्नी पिंकी आर्थिक तंगी के चलते अपनी बहन रानू के घर रह रहे थे। एक दिन पिंकी ने अपनी ननद रानू को घर की अलमारी में रुपए और जेवरात रखते देख लिया था। इसके बाद पिंकी ने अपनी ननद रानू के घर ही वारदात करने का प्लान बना डाला। पिंकी ने साजिश रची कि जब ननद रानू अपने जॉब पर चली जाएगी, तब वह पूरे लूटकांड को अंजाम देगी।

बजरंगगढ़ ओवरब्रिज से रेलवे ट्रैक पर गिरी नीट की छात्रा, 5 दिनों से नहीं गई थी कोचिंग, देखकर भी गुजरते रहे लोग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना। मध्य प्रदेश के गुना शहर में सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बजरंगगढ़ ओवरब्रिज पर शनिवार को एक गंभीर मामला सामने आया है। यहां एक 19 वर्षीय युवती ओवरब्रिज के ऊपर से सीधे नीचे रेलवे पटरियों पर जा गिरी। युवती सीधे ट्रैक पर खड़े एक रेल इंजन के आगे गिरी, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, इस हादसे के बाद युवती काफी देर तक गंभीर हालत में पटरियों पर तड़पती रही, लेकिन वहां से गुजरने वाले राहगीर मूकदर्शक बने रहे। यहां तक कि पास की पटरी पर रुके एक अन्य इंजन के लोको पायलट ने भी तत्काल कोई नागरिक सहायता नहीं दी।

आरक्षक की बेटी है घायल छात्रा

शुरुआती जानकारी के अनुसार, गंभीर रूप से घायल हुई युवती की पहचान सोनम खांडे (19) के रूप में हुई है, जो आरोन थाने में पदस्थ पुलिस आरक्षक कमलेश खांडे की बेटी है। वह लंबे समय से गुना में अपने परिवार के साथ रहकर नीट परीक्षा की तैयारी कर रही थी। जांच में एक चौंकाने वाली बात यह भी सामने आई है कि वह पिछले पांच-छह दिनों से अपनी कोचिंग क्लास नहीं जा रही थी। इस घटना के बाद से ही सहमे हुए परिजनों ने अभी इस मामले पर कुछ भी कहने से पूरी तरह दूरी बना रखी है।इस पूरे मामले को लेकर सिटी कोतवाली थाना प्रभारी (टीआई) राजकुमार शर्मा ने बताया कि पुलिस को कंट्रोल रूम के माध्यम से इस घटना की सूचना मिली थी। टीआई शर्मा के अनुसार, यह पूरा मामला अभी बेहद संदिग्ध है। वह खुद ब्रिज से कूदी है या दुर्घटनावश नीचे गिरी है, इस पर अभी कुछ भी स्पष्ट कहना जल्दबाजी होगी। पुलिस टीम अस्पताल में युवती के बयान दर्ज करने पहुंची थी, लेकिन डॉक्टरों के मुताबिक उसकी हालत स्थिर न होने के कारण वह अभी कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं है। पुलिस ने मामले की बारीकी से जांच शुरू कर दी है और युवती के होश में आने के बाद ही असली वजह सामने आ पाएगी।

महिला को सोना-चांदी और नकदी के साथ रील बनाना पड़ा भारी, चोरों ने रातों-रात कर दिया घर खाली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिवपुरी। मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले के ग्राम मोहनी में चोरों ने एक महिला के घर लाखों रुपये की चोरी को अंजाम दिया. बदमाश दीवार पर लगे तार काटकर और सीढ़ी की मदद से घर में घुसे. उन्होंने सीसीटीवी कैमरे को ऊपर की ओर मोड़कर अलमारी का ताला तोड़ा और सोने-चांदी के जेवरात व नकदी चुरा ली. सोशल मीडिया पर अपनी संपत्ति, सोने-चांदी के जेवरात और नकदी दिखाना आपको भी भारी पड़ सकता है. ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में एक ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जहां सोशल मीडिया पर सोने-चांदी के जेवर, नकदी और लग्जरी गाड़ी के साथ तस्वीरें साझा करने वाली एक महिला के घर चोरों ने लाखों रुपये की चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया. घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है. जानकारी के अनुसार, यह घटना शिवपुरी जिले के ग्राम मोहनी की है. यहां रहने वाली रचना गुर्जर के घर देर रात अज्ञात चोरों ने सुनियोजित तरीके से चोरी की वारदात को अंजाम दिया. चोर पहले घर के बाहर पहुंचे और दीवार पर लगे तारों को काट दिया. इसके बाद वे सीढ़ी (नसेनी) की मदद से घर के अंदर दाखिल हुए. घर में प्रवेश करने के बाद बदमाशों ने सबसे पहले वहां लगे सीसीटीवी कैमरे को डंडे की सहायता से ऊपर की ओर मोड़ दिया, ताकि उनकी गतिविधियां कैमरे में साफ तौर पर रिकॉर्ड न हो सकें. हालांकि, कैमरे को मोड़ने से पहले और बाद की कुछ गतिविधियां सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गईं. फुटेज में देखा जा सकता है कि चोर बड़ी सावधानी और तैयारी के साथ घर में दाखिल हुए थे. घर के अंदर पहुंचने के बाद उन्होंने अलमारी का ताला तोड़ा और उसमें रखे सोने-चांदी के जेवरात व नकदी चोरी कर ली. चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी उसी सीढ़ी की मदद से वापस बाहर निकल गए और मौके से फरार हो गए. घटना का पता तब चला जब सुबह परिवार के लोगों ने घर का सामान बिखरा हुआ देखा. अलमारी टूटी हुई थी और उसमें रखा कीमती सामान गायब था. इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई. सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया. पुलिस ने घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है. पीड़िता रचना गुर्जर ने बताया कि उनके घर से लाखों रुपये मूल्य के जेवरात और नकदी चोरी हुई है. उन्होंने आशंका जताई कि सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों के कारण अपराधियों को उनके घर में रखे कीमती सामान की जानकारी मिली होगी. पुलिस भी इस पहलू को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है. एडिशनल एसपी संजीव मूल ने बताया कि पीड़ित परिवार की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है. सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है. पुलिस का कहना है.

'पेपर लीक' का झांसा, 2000 की वसूली टेलीग्राम पर ऐसे चल रहा था छात्रों को ठगने का खेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ । यूपी STF ने लखनऊ से एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो टेलीग्राम पर 'पेपर लीक' के नाम से फर्जी चैनल चलाकर छात्रों से ठगी करता था. आरोपी परीक्षा से एक दिन पहले प्रश्नपत्र और उत्तर पुस्तिका देने का झांसा देकर हर छात्र से करीब 2 हजार रुपये वसूलता था. प्रतियोगी परीक्षा का पेपर लीक कराने का दावा कर छात्रों से पैसे वसूलने वाले एक फर्जी रैकेट का खुलासा हुआ है. यूपी STF ने लखनऊ से ओम कुमार नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया है. आरोप है कि वह टेलीग्राम पर 'पेपर लीक' जैसे चैनल बनाकर परीक्षा से एक दिन पहले प्रश्नपत्र और उत्तर पुस्तिका देने का झांसा देता था. इसके बदले हर परीक्षार्थी से करीब 2 हजार रुपये लिए जाते थे. सरकारी नौकरी की तैयारी करने वाले लाखों छात्र हर साल प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठते हैं. इसी भरोसे का फायदा उठाकर कुछ लोग उन्हें आसान रास्ता दिखाने का लालच देते हैं. ऐसा ही एक मामला उत्तर प्रदेश में सामने आया है, जहां टेलीग्राम के जरिए कथित 'पेपर लीक' का खेल चलाया जा रहा था. यूपी STF के मुताबिक, आरोपी ओम कुमार को लखनऊ से गिरफ्तार किया गया. वह मूल रूप से बिहार के पटना जिले का रहने वाला बताया गया है. जांच एजेंसियों का कहना है कि आरोपी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं के नाम पर फर्जी दावा करता था कि उसके पास परीक्षा का प्रश्नपत्र पहले से मौजूद है. जानकारी के अनुसार, आरोपी ने टेलीग्राम पर कई चैनल बना रखे थे. इनमें 'पेपर लीक' जैसे नाम इस्तेमाल किए जाते थे ताकि छात्रों को भरोसा हो जाए. UP CNET परीक्षा को लेकर भी कुछ ऐसे चैनल चलाए जा रहे थे. दावा किया जाता था कि परीक्षा से एक दिन पहले असली प्रश्नपत्र और उसके जवाब दिए जाएंगे. इस काम के लिए आरोपी छात्रों से 2 हजार रुपये लेता था. टेलीग्राम चैनल पर क्यूआर कोड भेजे जाते थे, जिन पर पैसे ट्रांसफर कराए जाते थे. STF का कहना है कि कम रकम होने की वजह से कई छात्र जल्दी भरोसा कर लेते थे और शिकायत भी कम करते थे. जांच में सामने आया कि परीक्षा वाले दिन चैनल बंद कर दिए जाते थे. इसके बाद दूसरी परीक्षा के नाम पर नया चैनल बना लिया जाता था. पूछताछ में आरोपी ने माना कि वह साल 2022 से अपने कुछ साथियों के साथ ऐसा कर रहा था. इस मामले की जानकारी मिलने के बाद STF ने जांच शुरू की थी. अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ की ओर से शिकायत भी दर्ज कराई गई थी. इसके बाद पुलिस ने तकनीकी जांच और मोबाइल से मिले सबूतों के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया.

'जुल्म की इंतेहा हो गई...' मस्जिद पर चला बुलडोजर तो भड़के सपा सांसद बर्क

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तरप्रदेश। संभल के कसेरआ गांव में कब्रिस्तान के लिए आरक्षित सरकारी भूमि पर बनी मस्जिद पर बुलडोजर कार्रवाई को लेकर सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क और विधायक पिंकी यादव ने सरकार पर निशाना साधा है. बर्क ने इसे अन्यायपूर्ण बताते हुए कहा कि कानूनी प्रयासों के बावजूद मस्जिद को ध्वस्त कर दिया गया, जिससे लोगों में दुख और आक्रोश है. संभल में मस्जिद पर बुलडोजर एक्शन को लेकर सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क और विधायक पिंकी यादव ने सरकार को घेरा है. जिसको लेकर बर्क ने एक पोस्ट भी किया है. उन्होंने लिखा कि जुल्म की इंतेहा हो गई! लाख कोशिशों, गुज़ारिशों और कानूनी प्रयासों के बावजूद संभल प्रशासन द्वारा कसेरवा गांव में मस्जिद को शहीद कर दिया गया. ऐसा महसूस होता है अधिकारियों द्वारा आंखों पर पट्टी बांधकर एक तय निशाने के साथ कार्रवाई की जा रही है. यह कार्रवाई कई गंभीर सवाल खड़े करती है. जब लोगों की फरियाद, कानूनी दलीलें भी न सुनी जाएं, तो इंसाफ़ पर भरोसा कमजोर पड़ने लगता है. याद रखिए, भारत का संविधान किसी को भी कानून से ऊपर होने की इजाज़त नहीं देता. यह मुल्क किसी व्यक्ति, दल या सत्ता की जागीर नहीं है. मस्जिद के शहीद किए जाने के बाद पूरे गांव में ग़म, दर्द और मातम का माहौल है. मां-बहनों की आंखें अश्कबार हैं, बच्चे सहमे हुए हैं और हर दिल इस मंज़र को देखकर दुखी है. अगर किसी को यह लगता है कि ताकत के दम पर लोगों की आवाज़ दबा दी जाएगी, तो यह उसकी गलतफहमी है. नाइंसाफी के खिलाफ यह आवाज़ हर हाल में बुलंद होती रहेगी. पिंकी यादव ने एक्स पर किए एक पोस्ट में लिखा कि संभल में मस्जिद पर बुलडोजर चलाकर प्रदेश की वर्तमान बीजेपी सरकार ने जिस प्रकार प्रायोजित ढंग से एक विशेष समुदाय, खासकर एवं PDA समाज को निशाना बनाने व परेशान करने का वातावरण बनाया है, वह अत्यंत चिंताजनक है. मस्जिदों और दरगाहों पर आए दिन बुलडोज़र की कार्रवाई हो रही है. यह केवल भवनों पर कार्रवाई नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास और सद्भाव पर भी आघात है.

हजारा नहर में नहाने गए 3 सगे भाई डूबे, एक तैरकर आया बाहर, 3 लापता, सर्च ऑपरेशन जारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कासगंज। कासगंज जिले के नदरई की हजारा नहर में दर्दनाक हादसा देखने को मिला है। जहां हाथरस जिले के रहने वाले चार युवक नहर में नहाने गए थे,इसी दौरान चार युवकों में से तीन सगे भाई गहरे पानी में डूबकर लापता हो गए, जबकि उनका एक साथी किसी तरह तैरकर बाहर निकल आया। युवकों के नदी में डूबने की घटना की सूचना मिलते ही इलाका पुलिस, गोताखोरों और पीएसी की फ्लड यूनिट की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस द्वारा लापता युवकों की तलाश के लिए सर्च अभियान चलाया जा रहा है। लेकिन अभी तक पुलिस को कोई सफलता हाथ नहीं लगी है। जानकारी के मुताबिक, कासगंज कोतवाली क्षेत्र के नदरई स्थित हजारा नहर में शनिवार को चार युवक नहाने के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान 3 युवक अचानक गहरे पानी की तरफ बह गए। किसी तरह तैर कर एक युवक बाहर आ गए, लेकिन तीनों सगे भाई गहरे पानी में डूब गए। घटना की सूचना मिलने पर इलाका पुलिस और गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंच गई। हादसे को देख मौके पर लोगो की भीड़ जुट गई। हजारा नहर में लापता हुए तीनो सगे भाइयों की तलाश शुरू कर दी। वहीं उनके परिजनों को इसकी सूचना दे दी गई। हादसे की सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंच गए और तीनों बेटों की मां का रो रोकर बुरा हाल है। मामला जानिएबताया जा रहा है कि लापता युवक हाथरस जिले के गांव नगला टिकरी के रहने वाले है। जोकि शनिवार को बाइक से हाजरा नहर में नहाने के लिए आए थे। जिसमें छोटू, अजय और जय प्रकाश सगे भाई है।

चाकू से अपना गला रेतकर सिरफिरा पहुंचा थाने, हालत देखकर पुलिसवालों के भी हाथ-पांव फूले, फिर क्या हुआ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोरखपुर। यूपी के गोरखपुर में एक युवक अचानक थाने में पहुंच गया। पुलिस ने जब उसके आने का कारण पूछा तो उसने अपने गले में लपेटा हुआ गमछा हटाया जिसे देखकर एक बार तो पुलिस के भी होश उड़ गए। युवक का गला कटा हुआ था। आनन-फानन इसकी सूचना परिजनों को दी गई और घायल युवक को स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। वहां डॉक्टरों ने उसकी स्थिति गंभीर देखते हुए गोरखपुर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया है। चौरी-चोरा थाना क्षेत्र के चौरा गांव का रहने वाला 28 वर्षीय लालू शनिवार की दोपहर 1:30 बजे के आसपास अचानक थाने पहुंच गया। वहां उपस्थित पुलिस वालों ने जब उसके आने का कारण पूछा, तो उसने अपने गले में लपेटा हुआ गमछा हटाया। जैसे ही पुलिस वालों ने उसका कटा हुआ गला देखा तो एक बार उनके भी होश उड़ गए। तत?काल इसकी सूचना उसके परिजनों को दी गई और युवक को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां डॉक्टरों ने उसकी स्थिति गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने भी युवक को मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर किया, लेकिन परिजन उसे निजी अस्पताल में ले गए जहां उसका इलाज जारी है।

मां ने कहा- बेटा नशे का आदी है

घायल की मां श्रीजावती देवी का कहना है कि बेटा नशे का आदी है। पिछले 10 दिनों से उसका इलाज कस्बे के डॉक्टर से कराया जा रहा था। शनिवार की सुबह वह दवा लेकर घर वापस लौटा था और खाना खाकर ऊपर वाले कमरे में आराम करने के लिए चला गया। न जाने कब उसने इस घटना को अंजाम दिया , और सीधे थाने पहुंच गया। इसकी जानकारी उन्हें भी नहीं है। हालांकि पुलिस का कहना है कि युवक के कमरे से एक धारदार चाकू भी बरामद किया गया है। आशंका है कि इसी से युवक ने अपना गला रेतने की कोशिश की है। कमरे में स्थित बेड पर खून के निशान भी मिले हैं।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

पायलट की गलती या तकनीकी खराबी? कब आएगी अहमदाबाद प्लेन क्रैश की फाइनल जांच रिपोर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। 12 जून, 2025 का वह काला दिन, जब एयर इंडिया के बी-787-8 ड्रीमलाइनर प्लेन ने फ्लाइट नंबर एआई-171 के रूप में अहमदाबाद से लंदन के गैटविक के लिए टेकऑफ किया था। उड़ान भरने के चंद सेकंड बाद ही प्लेन क्रैश हो गया था। प्लेन में सवार एक यात्री को छोड़कर सभी 241 यात्री और क्रू मेंबर के अलावा नीचे जमीन पर भी कई लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी।

प्लेन में सवार 241 यात्रियों की चली गई थी जान

हादसे को बीते एक साल होने को है। लेकिन अभी तक नागर विमानन मंत्रालय के तहत आने वाले एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो की इस मामले में जांच पूरी नहीं हो सकी है। हादसे में मारे गए लोगों के परिवारों को अभी तक यह भी साफ नहीं हो सका है कि आखिर हादसा पायलट की गलती से हुआ या फिर बोइंग के इस एयरक्राफ्ट में ही कोई तकनीकी खराबी आई थी?

बोइंग के प्लेन में आई खराबी की वजह से हुई थी घटना

मामले में एविएशन एक्सपर्ट और सेफ्टी मैटर्स फाउंडेशन के संस्थापक कैप्टन अमित सिंह कई बार कह चुके हैं यह दुर्घटना बोइंग के प्लेन में आई खराबी की वजह से हुई थी। इस मामले में पिछले महीने 20 मई को ही नागर विमानन मंत्री ने जल्द ही फाइनल रिपोर्ट आने की बात कही थी। दोनो इजन फेल हो गए और प्लेन शुरूआती जांच में कहा गया था कि हादसे की मुख्य वजह प्लेन के फ्यूल कंट्रोल स्विच का रन से कट ऑफ हो जाना रहा। जिससे प्लेन के एक के बाद एक करके क्रैश कर गया।

दिल्ली में ट्रैफिक पुलिसकर्मियों से रुपये वसूलने वाले गिरोह पर शिकंजा, सरगना की पत्नी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में ट्रैफिक पुलिसकर्मियों से जबरन वसूली करने वाले संगठित अपराध सिंडिकेट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच ने गैंग के सरगना राज कुमार उर्फ राकेश की पत्नी सुरेखा रानी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसे मकोको के तहत गिरफ्तार कर चार दिन की रिमांड के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि सुरेखा रानी के नाम पर वर्ष 2022 से 2025 के बीच कई करोड़ रुपये की सात अचल संपत्तियां खरीदी गईं। आयकर रिटर्न के अनुसार उसकी वार्षिक आय पांच लाख रुपये से भी कम थी, जबकि 2022-24 के दौरान उसने 1.3 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संपत्तियां अर्जित कीं।

सुरेखा रानी के पास करोड़ों की संपत्ति

डीसीपी अपराध संजीव यादव के नेतृत्व में जांच कर रही पुलिस टीम ने अपनी ध्यान उसके वित्तीय नेटवर्क पर फोकस किया, जहां से उसे अवैध गतिविधियों को संचालित करने के लिए फंड मिल रहा था। स्थानीय मुखबिरों और निवासियों की मदद से पुलिस ने मीणा की कई अवैध संपत्तियों के बारे में पता किया है। दिल्ली पुलिस ने अदालत में कहा, 'स्वामित्व दस्तावेजों, उपयोगिता रिकॉर्डों के सत्यापन और मौजूदा किरायेदारों से पूछताछ में चौंकाने वाली संपत्तियों के बारे में जानकारी मिली है। पुलिस जांच में सामने आया कि सुरेखा रानी के नाम पर वर्ष 2022 से 2025 के बीच कई करोड़ रुपये की सात अचल संपत्तियां खरीदी गईं। आयकर रिटर्न के अनुसार उसकी वार्षिक आय पांच लाख रुपये से भी कम थी, जबकि 2022-24 के दौरान उसने 1.3 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संपत्तियां अर्जित कीं। क्राइम ब्रांच के अनुसार, इन संपत्तियों से मिलने वाला किराया भी सुरेखा रानी ही वसूल रही थी, जिससे वह केवल नाममात्र की मालिक नहीं बल्कि गैंग की अवैध कमाई की सक्रिय लाभार्थी साबित हुई। पुलिस ने उसके मोबाइल फोन को भी फॉरेंसिक जांच के लिए जब्त कर लिया है। जांच एजेंसियों का दावा है कि यह सिंडिकेट राजधानी में ट्रैफिक नियमों के समानांतर एक अवैध व्यवस्था चला रहा था .

आलीशान बंगले में चल रही रेव पार्टी पर पुलिस का एक्शन, हिरासत में 156 लोग, ड्रग्स और शराब जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। पुलिस ने आलंदी-तुलापूर रोड पर स्थित एक आलीशान बंगले में चल रही कथित हाई-प्रोफाइल रेव पार्टी का भंडाफोड़ किया है. रविवार देर रात हुई इस बड़ी छापेमारी में पुलिस ने मौके से 156 लोगों को हिरासत में लिया है और लाखों रुपये की प्रतिबंधित सामग्री जब्त की है. पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई में टीम ने मौके से कुल 156 लोगों को हिरासत में लिया, जिनमें 107 पुरुष और 49 महिलाएं शामिल हैं. जानकारी के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि बंगले में देर रात तक तेज गाने, शराब और अन्य प्रतिबंधित गतिविधियों के साथ एक हाई-प्रोफाइल पार्टी आयोजित की गई है. सूचना मिलते ही पुलिस की टीम ने बंगले को चारों तरफ से घेर लिया और छापेमारी की. पुलिस की कार्रवाई से पार्टी में मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई. कुछ लोगों ने मौके से भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें दबोच लिया. शुरुआती जांच में ये भी सामने आया है कि पार्टी के लिए आयोजकों को जो लिकर परमिट (शराब परोसने की अनुमति) मिला था, वह 6 जून 2026 की रात 11:30 बजे तक ही वैध था. इसके बावजूद नियमों को ताक पर रखकर कार्यक्रम को आगे जारी रखा गया था. पुलिस ने छापेमारी के दौरान करीब 3 ग्राम गांजा भी बरामद किया है. इसके अलावा तीन हुक्का पॉट और 10 प्रतिबंधित हुक्का फ्लेवर भी जब्त किए गए हैं. कार्रवाई के दौरान पुलिस ने बंगले के अंदर से भारी मात्रा में लिकर बरामद की है, जिसकी कीमत करीब 9.22 लाख रुपये आंकी गई है. पुलिस के मुताबिक इस छापेमारी में जब्त की गई सभी सामग्रियों की कुल कीमत लगभग 85 लाख रुपये है. जांच अधिकारी ने बरामद संदिग्ध मादक पदार्थ, शराब और अन्य हुक्का सामग्री को जांच के लिए प्रयोगशाला (लैब) भेज दिया है. पुलिस की पड़ताल में एक और अहम खुलासा हुआ है कि इस कथित रेव पार्टी में शामिल लोगों में तीन व्यक्ति ऐसे थे, जिनकी उम्र 21 वर्ष से कम थी. ऐसे में कानून के उल्लंघन और इतनी कम उम्र के युवाओं या नाबालिगों की इस संदिग्ध प्रोफाइल वाले कार्यक्रम में मौजूदगी को लेकर पुलिस अब बेहद गंभीरता से एक अलग कोण से जांच कर रही है.

पुणे में देर रात चल रही Project X पार्टी पर पुलिस का बड़ा छापा! 156 लोग हिरासत में

महाराष्ट्र के पुणे के तुलापुर स्थित एक बंगले में चल रही 'प्रोजेक्ट एक्स' पार्टी पर पुलिस छापे में 156 लोगों को हिरासत में लिया गया, जिनमें 3 नाबालिग भी शामिल थे.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

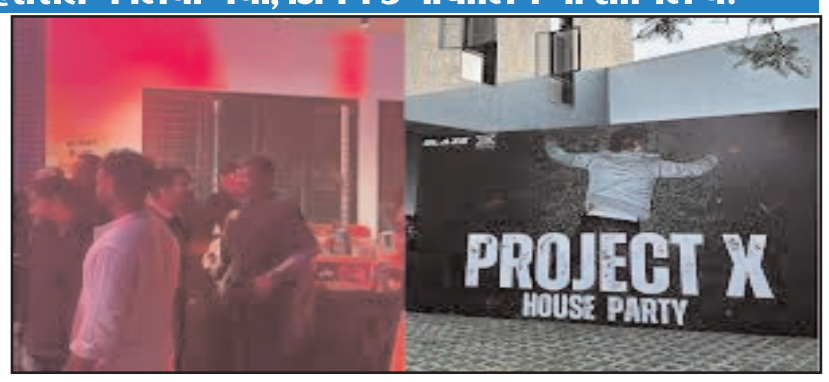

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में एक बार फिर अवैध पार्टी और नशीले पदार्थों के इस्तेमाल का मामला सामने आया है. शनिवार देर रात पुणे पुलिस की अपराध शाखा ने आलंदी मारकल रोड स्थित तुलापुर इलाके के एक बंगले में चल रही हाई-प्रोफाइल पार्टी पर छापा मारकर 156 लोगों को हिरासत में लिया. इस पार्टी को 'प्रोजेक्ट एक्स' नाम दिया गया था. पुलिस के अनुसार, मौके पर करीब 107 पुरुष और 49 महिलाएं मौजूद थीं. इनमें 3 नाबालिग भी शामिल पाए गए. यह कार्रवाई लोणीकंद पुलिस स्टेशन के क्षेत्र में की गई.

गोपनीय सूचना के बाद हुई बड़ी कार्रवाई

पुणे क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि तुलापुर के एक बंगले में बड़ी संख्या में युवक-युवतियां एकत्र हैं और वहां नशीले पदार्थों का सेवन किया जा रहा है. जानकारी मिलते ही क्राइम ब्रांच के 15 अधिकारियों और 65 हवलदारों की टीम ने आधी रात के करीब बंगले को घेर लिया और अचानक छापा मारा.

मुंबई: NSCI वर्ली डोम में सनसनीखेज घटना, लाइव इवेंट के दौरान युवक की मौत; जांच में जुटी पुलिस जांच में सामने आया कि पार्टी के लिए जरूरी पुलिस और आबकारी विभाग की अनुमति नहीं ली गई थी. इसके बावजूद देर रात तक हाई-डेसिबल साउंड में संगीत और शराब पार्टी जारी थी. नशीले पदार्थ और शराब बरामद पुलिस को मौके से करीब 3 ग्राम गांजा, प्रतिबंधित हुक्का फ्लेवर और अनुमानित 9.22 लाख रुपये की शराब जब्त की. कुछ लोग कथित तौर पर नशे की हालत में भी पाए गए. जब्त किए गए संदिग्ध पदार्थों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया गया है. पुलिस का मानना है कि पार्टी में बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों का इस्तेमाल किया गया हो सकता है. इसी को ध्यान में रखते हुए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है. शुरुआती जांच में आयमान शेख और यश चौधरी पार्टी के मुख्य आयोजक के रूप में सामने आए हैं.

वसई के स्कायवॉक पर हाई वोल्टेज ड्रामा! शादी से इनकार के बाद युवक ने उठाया खौफनाक कदम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। वसई के स्कायवॉक पर हाई वोल्टेज ड्रामा! शादी से इनकार के बाद युवक ने उठाया खौफनाक कदम, पुलिस ने ऐसे बचाई जान शादी से इनकार के बाद युवक ने की आत्महत्या की कोशिश महाराष्ट्र के वसई से एक बेहद दिलचस्प और भावुक कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां प्रेमिका के माता-पिता द्वारा शादी से इनकार किए जाने के बाद एक युवक डिप्रेशन में चला गया था. डिप्रेशन के कारण युवक ने आत्महत्या करने का प्रयास किया, लेकिन समय रहते पुलिस की सूझबूझ और तत्परता से उसकी जान बचा ली गई. घटना शुक्रवार रात करीब 8 बजे की बताई जा रही है. जानकारी के अनुसार, युवक प्रेमिका के माता-पिता द्वारा रिश्ते को मंजूरी न मिलने से परेशान था. इसी डिप्रेशन में उसने अपनी जान देने का फैसला कर लिया और रेलवे स्टेशन के पास स्थित स्काईवॉक की ओर दौड़ पड़ा और वहां पहुंचकर रेलिंग पर चढ़ गया. उसके दोस्तों ने उसे समझाने की कोशिश की, लेकिन वह किसी की बात सुनने को तैयार नहीं था. दोस्तों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस स्थिति गंभीर होती देख दोस्तों ने तुरंत माणिकपुर पुलिस स्टेशन से संपर्क किया और दोस्त को बचाने के लिए मदद मांगी. सूचना मिलते ही एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और दो पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे. पुलिस ने बेहद धैर्य और समझदारी से युवक से बातचीत शुरू की और उसे बातों में उलझाए रखा. इसी दौरान एक पुलिसकर्मी पीछे से उसके पास पहुंचा और सही मौका देखकर उसे सुरक्षित पकड़कर रेलिंग से नीचे उतार लिया.

सौंपा गया युवक

युवक को सुरक्षित बचाने के बाद पुलिस उसे माणिकपुर पुलिस स्टेशन ले गई. वहां उसके माता-पिता को बुलाया गया और युवक की काउंसलिंग कराई गई. बाद में उसे परिवार के सुपुर्द कर दिया गया. पुलिस की तत्परता, संयम और समझदारी के कारण एक बड़ा हादसा टल गया. इस कार्रवाई की स्थानीय लोगों और परिजनों ने सराहना की है.

काउंसलिंग के बाद परिजनों को

गोरेगांव-मुलुंड लिंक रोड पर बड़ा अपडेट, जून मध्य में शुरू होगा ट्विन टनल का निर्माण, प्रोजेक्ट की समय सीमा क्या?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। गोरेगांव-मुलुंड लिंक रोड के तीसरे चरण के लिए ट्विन टनल का निर्माण जल्द ही शुरू होने वाला है। ये टनल दादासाहेब फाल्के चित्र नगरी फिल्म सिटी कॉम्प्लेक्स के नीचे बनाई जाएंगी। जो कि चरण 3-B का हिस्सा हैं। इसके लिए एक शाफ्ट पहले ही तैयार किया जा चुका है और टनल बोरिंग मशीन को अभी उसके अंदर असेंबल किया जा रहा है। म्युनिसिपल कमिश्नर (प्रोजेक्ट्स) अभिजीत बांगर ने हाल ही में काम की प्रगति का जायजा लेने के लिए साइट का दौरा किया।

खुदाई कब शुरू होगी?

जब टनल बोरिंग मशीन के सभी पार्ट्स असेंबल हो जाएंगे, तो साइट पर एक सेफ्टी टेस्ट किया जाएगा। मशीन के निरीक्षण और सभी सिस्टम के सही ढंग से काम करने की पुष्टि के बाद ही खुदाई का काम शुरू होगा। उम्मीद है कि इस मशीन को असेंबल करने का काम जून के मध्य तक पूरा हो जाएगा। इसके साथ ही दूसरी टनल बोरिंग मशीन को असेंबल करने का काम भी शुरू हो गया है।

कब पूरा होगा गोरेगांव-मुलुंड लिंक रोड का काम

आने वाले महीनों में टनलिंग का काम शुरू हो जाएगा। अभी काम चल रहा है और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का लक्ष्य अक्टूबर 2026 तक ट्विन टनल को चालू करना है। उम्मीद है कि पूरा गोरेगांव-मुलुंड लिंक रोड दिसंबर 2028 तक खुल जाएगा। यह लिंक रोड कुल 12.20 किलोमीटर लंबा है और इससे मुंबई के पूर्वी और पश्चिमी उपनगरों के बीच यात्रा का समय कम हो जाएगा। लिंक रोड प्रोजेक्ट का सबसे महत्वाकांक्षी चरण संजय गांधी नेशनल पार्क के नीचे से गुजरने वाली ट्विन टनल का निर्माण है। ये सुरंगें 4.70 किलोमीटर लंबी होंगी और हर सुरंग में तीन लेन होंगी। इस प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 14,000 करोड़ रुपये है। यह मुंबई का चौथा ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर होगा, जो वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे और ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे के बीच सीधा संपर्क बनाएगा। यात्री सीधे पूर्व से पश्चिम की ओर यात्रा कर सकेंगे और जोगेश्वरी-विक्रोली लिंक रोड और पवई जैसे ट्रैफिक जाम वाले इलाकों से बच सकेंगे। इस रूट से यात्रा का समय 75 मिनट से घटकर 20 से 25 मिनट के बीच रह जाएगा। पहले दो चरणों में मौजूदा सड़कों को चौड़ा करना और कुछ जगहों पर पुल बनाना शामिल है।

बारामती में दर्दनाक हादसा, टेम्पो-स्कूटी टक्कर में तीन भाई-बहनों की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बारामती। पुणे के बारामती में आयशर टेम्पो और स्कूटी के बीच हुए दर्दनाक हादसे में तीन भाई-बहनों की मौके पर ही मौत हो गई. बताया जाता है कि यह हादसा मोरगांव नीरा राज्य मार्ग पर चौधरी गांव के पास हुआ. जिसमें इसमें दो बहनों और एक भाई की मौत हो गई, जबकि उनके साथ मौजूद एक छोटा लड़का गंभीर रूप से घायल हो गया. इस घटना से इलाके में दहशत फैल गई और स्टेट रोड पर कुछ देर के लिए ट्रैफिक भी बाधित हो गया. मिली जानकारी के अनुसार शाम करीब 7 बजे नीरा-मोरगांव राज्य मार्ग पर गुलूंचे से दो किलोमीटर दूर सोमेश्वर देवस्थान जाने वाली सड़क पर एक आयशर टेम्पो और एक इलेक्ट्रिक स्कूटी की आमने-सामने टक्कर हो गई. हादसा इतना भयानक था कि स्कूटी पूरी तरह चकनाचूर हो गई. वहीं आयशर टेम्पो, स्कूटी को 150 फीट दूर तक घसीटता ले गया. जिससे स्कूटी पर सवार दो लड़कियों के हाथ, पैर और सिर में गंभीर चोटें आईं. जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई.

150 मीटर तक स्कूटी को घसीटते लेकर चला गया टेम्पो

हालांकि उनका भाई हादसे में गंभीर रूप से घायल हुआ. जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया. जहां उसने भी दम तोड़ दिया. एक्सीडेंट के बाद घायल हुए एक छोटे बच्चे को गांव वालों ने तुरंत इलाज के लिए हॉस्पिटल में भर्ती कराया. वहीं, एक्सीडेंट के बाद आयशर टेम्पो ड्राइवर गाड़ी लेकर भागने की कोशिश कर रहा था. लेकिन, गांव वालों ने उसका पीछा करके उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया. गांव वाले पिछले कई सालों से इसी जगह पर स्पीड ब्रेकर की मांग कर रहे हैं. पिछले कुछ सालों में यहां चार से पांच एक्सीडेंट हो चुके हैं. जिससे हादसे के शिकार कुछ लोग दिव्यांग भी हो चुके हैं. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा किया.

'भारत में पड़ोसी देशों से सस्ती है LPG', विपक्ष बेवजह मचा रहा शोर, घरेलू गैस महंगी होने पर BJP नेता की दो टूक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने घरेलू रसोई गैस की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी को लेकर विपक्ष के आरोपों का जवाब दिया है। पार्टी का कहना है कि भारत में आज भी लोगों को दुनिया के कई देशों के मुकाबले सस्ती रसोई गैस उपलब्ध कराई जा रही है। दरअसल, घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम में 29 रुपये की बढ़ोतरी के बाद विपक्ष ने सरकार की आलोचना की है, जिस पर बीजेपी ने यह प्रतिक्रिया दी।

तीन महीनों में दूसरी बार बढ़ोतरी

यह पिछले तीन महीनों में दूसरी बार कीमतों में वृद्धि है, जबकि सरकारी तेल विपणन कंपनियां बढ़ी हुई वैश्विक ऊर्जा लागत के दबाव का सामना कर रही हैं। भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि वैश्विक ऊर्जा संकट के बावजूद सरकार ने रसोई गैस को बेहद सस्ता बनाए रखा है।

विपक्ष शोर मचा रहा है

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि हर बार जब एलपीजी की कीमतों में थोड़ा बदलाव होता है, विपक्ष शोर मचाता है। वे यह नजरअंदाज करते हैं कि भारतीय घरों को अभी भी दुनिया में सबसे कम कीमतों पर रसोई गैस मिल रही है।

आपूर्ति लागत अब 1600 रुपए से अधिक

उन्होंने आगे बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थी को 14.2 किलो सिलेंडर प्रभावी रूप से 642 रुपए में मिलता है, जबकि सामान्य उपभोक्ता 942 रुपए देता है, जो बाजार से जुड़ी वास्तविक लागत से लगभग 700 रुपए कम है, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी आपूर्ति लागत अब 1600 रुपए से अधिक हो गई है।

1400 KM दूर आकर कत्ल... DU की महिला प्रोफेसर हत्याकांड में बड़ा खुलासा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। अशोक नगर में दिल्ली यूनिवर्सिटी की एक महिला असिस्टेंट प्रोफेसर की हत्या के मामले में पुलिस ने एक महिला और एक पुरुष आरोपी को पश्चिम बंगाल के वर्धमान से गिरफ्तार किया है. शुरुआती जांच में हत्या की वजह प्रॉपर्टी विवाद बताई जा रही है. आरोपियों ने लोगों का शक दूर करने के लिए अपने साथ एक बच्चे को भी रखा था. दिल्ली के न्यू अशोक नगर इलाके में हुई दिल्ली यूनिवर्सिटी की एक महिला असिस्टेंट प्रोफेसर की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है. इस सनसनीखेज हत्याकांड में शामिल एक महिला और एक पुरुष आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है. पुलिस के अनुसार हत्या के पीछे प्रॉपर्टी विवाद प्रमुख वजह के रूप में सामने आया है. जानकारी के मुताबिक प्रोफेसर की हत्या के बाद दिल्ली पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कई टीमों का गठन किया था. पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी और तकनीकी साक्ष्यों के साथ-साथ सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही थी. जांच के दौरान मिले महत्वपूर्ण सुरागों के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंचने में सफल रही दिल्ली पुलिस की टीम ने पश्चिम बंगाल के वर्धमान जिले में छापेमारी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया. पुलिस अधिकारियों के मुताबिक गिरफ्तारी से बचने और लोगों का शक दूर करने के लिए आरोपी अपने साथ एक बच्चे को भी लेकर आए थे. पुलिस का मानना है कि यह उनकी पहचान छिपाने की सोची-समझी रणनीति थी, ताकि किसी को उन पर संदेह न हो. सबसे बड़ी बात आरोपियों ने 1400 किलोमीटर दूर आकर बड़े ही शातिर तरीके से इस हत्याकांड को अंजाम दिया था.

सुप्रीम कोर्ट ने TET पर पुनर्विचार अर्जियां खारिज की, 2 साल का वक्त मिला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षक पात्रता परीक्षा की जरूरत को लेकर दायर पुनर्विचार याचिकाओं को खारिज कर दिया है। इसके साथ ही सेवा में कार्यरत शिक्षकों को टीईटी की योग्यता हासिल करने के लिए 31 अगस्त 2028 तक का समय मिल गया है। याचिकाकर्ताओं ने एनसीटीई अधिनियम और 2010 की अधिसूचना का हवाला देते हुए तर्क दिया था कि मौजूदा शिक्षकों को टीईटी से छूट मिलनी चाहिए।

प्रमोशन पाने के लिए TET पास करना जरूरी

शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को 2025 के फैसले अंजुमन इशात ए तालीम ट्रस्ट बनाम महाराष्ट्र राज्य के खिलाफ दायर रिव्यू पिटिशनों के समूह को खारिज कर दिया। अपने मूल फैसले में अदालत ने कहा था कि सेवा में कार्यरत स्कूल शिक्षकों के लिए नौकरी जारी रखने और प्रमोशन पाने के लिए टीईटी पास करना जरूरी है। हालांकि, संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत विशेष अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए अदालत ने इन-सर्विस शिक्षकों को राहत दी और टीईटी योग्यता प्राप्त करने की समय-सीमा एक साल बढ़ाकर 31 अगस्त 2028 कर दी। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने 30 मई को राज्यों और शिक्षक संगठनों की दलीलों को खारिज कर दिया। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि RTE अधिनियम, 2009 और 2017 के संशोधन का असर उन शिक्षकों पर नहीं डाला जा सकता, जिनकी नियुक्ति इन कानूनों के लागू होने से पहले हुई थी। याचिकाकर्ताओं ने एनसीटीई अधिनियम और 2010 की अधिसूचना का हवाला देते हुए तर्क दिया था कि मौजूदा शिक्षकों को टीईटी से छूट मिलनी चाहिए।

राज्यसभा में मजबूत हो सकता है एनडीए, बदले राजनीतिक समीकरणों पर नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की स्थिति आने वाले महीनों में और मजबूत हो सकती है। हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों और विभिन्न दलों में बदलते समीकरणों के बाद भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए उच्च सदन में दो-तिहाई बहुमत जुटाने की संभावनाओं पर चर्चा तेज हो गई है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार पश्चिम बंगाल में टीएमसी की टूट, आम आदमी पार्टी के कुछ सांसदों के भाजपा खेमे में जाने और विभिन्न राज्यों में बदलते राजनीतिक समीकरणों ने एनडीए की स्थिति को मजबूत किया है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु की राजनीति में लगातार संभावित बदलावों पर भी नजर रखी जा रही है। संविधान संशोधन जैसे महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने के लिए संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है। ऐसे में राज्यसभा में संख्या बल बढ़ाना केंद्र सरकार के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि विपक्षी दल इन दावों को राजनीतिक अटकलें बताते हुए कहते हैं कि आगामी चुनाव और क्षेत्रीय दलों की रणनीतियां ही भविष्य की तस्वीर स्पष्ट करेंगी। फिलहाल राज्यसभा के बदलते समीकरण राष्ट्रीय राजनीति का महत्वपूर्ण विषय बने हुए हैं।

ऑटोमेटिक सिग्नलिंग कार्य से 21 ट्रेनें प्रभावित, कई मार्ग बदले गए

बरेली (एजेंसी)। मुरादाबाद-गाजियाबाद रेलखंड के पिलखुआ-कुचेसर रोड सेक्शन में ऑटोमेटिक ब्लॉक सिग्नलिंग कमीशनिंग कार्य के चलते रेलवे ने 21 ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया है। इसके तहत कई ट्रेनों के मार्ग परिवर्तित किए गए हैं, जबकि कुछ को पुनर्निर्धारित और नियंत्रित कर चलाया जाएगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार लालकुआं-आनंद विहार एक्सप्रेस, छपरा-दिल्ली एक्सप्रेस, न्यू जलपाईगुड़ी-उधना एक्सप्रेस, लखनऊ-आनंद विहार एक्सप्रेस और सहरसा-अमृतसर एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों को वैकल्पिक मार्गों से चलाया जाएगा। कुछ ट्रेनों का बरेली, मुरादाबाद, अमरोहा और हापुड़ जैसे स्टेशनों पर ठहराव भी अस्थायी रूप से समाप्त रहेगा। इसके अलावा सहरसा-आनंद विहार, मुजफ्फरपुर-पोरबंदर और लालकुआं-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस समेत आठ ट्रेनों को निर्धारित समय से देरी से रवाना किया जाएगा। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति जांचने की अपील की है।

पुर्तगाल में फायरिंग के बाद विदेशी धरती पर गैंगवार की चर्चा तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुर्तगाल में हुई एक कथित फायरिंग घटना के बाद विदेशों में सक्रिय भारतीय मूल के आपराधिक गिरोहों के बीच गैंगवार की चर्चाएं तेज हो गई हैं। सोशल मीडिया पर वायरल पोस्टों में राहुल आर.के. मीणा और सुनील मीणा गैंग का नाम सामने आया है, हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वायरल पोस्टों में दावा किया गया है कि पुर्तगाल के विला नोवा डी मिलफोंटेस क्षेत्र में एक कथित प्रतिद्वंद्वी गिरोह के ठिकाने पर कई राउंड फायरिंग की गई। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो और ऑडियो संदेशों में कुछ लोगों ने घटना की जिम्मेदारी लेने का भी दावा किया है। पोस्ट में इसे प्रतिद्वंद्वी गिरोहों के लिए चेतावनी बताया गया है और भविष्य में गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई है। हालांकि स्थानीय पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशों में सक्रिय भारतीय मूल के अपराधी नेटवर्क और उनके बीच बढ़ते टकराव चिंता का विषय हैं। फिलहाल वायरल सामग्री की सत्यता और घटना की परिस्थितियों की जांच की जा रही है।

दिल्ली के अयप्पा मंदिर में सबरीसम भवन का उद्घाटन करेंगे शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह रविवार को नई दिल्ली के आरके पुरम स्थित प्रसिद्ध अयप्पा मंदिर परिसर में नवनिर्मित सबरीसम भवन का उद्घाटन करेंगे। यह उद्घाटन समारोह शाम 5:30 बजे आयोजित किया जाएगा, जहां गृह मंत्री शाह औपचारिक रूप से इस नवनिर्मित भवन को श्रद्धालुओं और मंदिर समुदाय को समर्पित करेंगे। इस नई सुविधा का मुख्य उद्देश्य मंदिर के बुनियादी ढांचे का विस्तार करना तथा उसकी धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों को और अधिक सशक्त बनाना है। मंदिर प्रशासन के अधिकारियों के अनुसार, सबरीसम भवन वर्षभर आयोजित होने वाले विभिन्न आध्यात्मिक समारोहों, सामुदायिक कार्यक्रमों, धर्मार्थ पहलों और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य करेगा। इस उद्घाटन कार्यक्रम की महत्ता को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री के कार्यालय ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए लिखा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह नई दिल्ली के अयप्पा मंदिर परिसर में नवनिर्मित सबरीसम भवन का उद्घाटन करेंगे। नई दिल्ली के आरके पुरम में स्थित अयप्पा मंदिर को पूरे उत्तर भारत में भगवान अयप्पा के सबसे प्रमुख और पूजनीय मंदिरों में से एक माना जाता है। वर्ष 1980 में स्थापित किया गया यह भव्य मंदिर अपनी पारंपरिक केरल शैली की उत्कृष्ट वास्तुकला के लिए देश भर में प्रसिद्ध है। यह मंदिर दिल्ली-एनसीआर के साथ-साथ आसपास के पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए गहरी आस्था का केंद्र है। समय के साथ यह राष्ट्रीय राजधानी में रह रहे मलयाली समुदाय और भगवान अयप्पा के भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक मंच के रूप में विकसित हुआ है।इस मंदिर में नियमित रूप से पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठान, भजन, विशेष पूजा, सांस्कृतिक उत्सव तथा जनसेवा से जुड़े अनेक कार्य आयोजित किए जाते हैं। इसकी भूमिका केवल पूजा-अर्चना तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यहां सामाजिक कल्याण और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने वाले कई बड़े सेवा कार्य भी संचालित किए जाते हैं।

कैप्टन अमरिंदर सिंह शाह-नड्डा से मिले, कांग्रेस वापसी की अटकलें खारिज

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के वरिष्ठ नेता जे.पी. नड्डा से मुलाकात की। इस उच्च-स्तरीय बैठक ने न केवल उनके कांग्रेस में लौटने की तमाम अटकलों पर विराम लगा दिया, बल्कि 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में भाजपा की रणनीति और संगठन विस्तार के लिए इसे बेहद अहम माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, कैप्टन ने पंजाब की मौजूदा राजनीतिक स्थिति, भाजपा के जनाधार को मजबूत करने और पार्टी के सामने मौजूद चुनौतियों को लेकर अपने अनुभव साझा किए।

जंतर-मंतर के प्रदर्शन को बताया ट्रेलर और दे दिया सरकार को अल्टीमेटम

-कॉकरोच जनता पार्टी ने कहा- मांग नहीं मानी गई तो 7 दिन बाद फिर लौटेंगे

-शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन तेज करने की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। परीक्षा प्रणाली में कथित अनियमितताओं, पेपर लीक की घटनाओं और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद रविवार को पार्टी ने सोशल मीडिया पर कार्यक्रम का वीडियो साझा करते हुए केंद्र सरकार को सात दिन का अल्टीमेटम दिया है और चेतावनी दी है कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा।

कॉकरोच जनता पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए वीडियो के साथ लिखा कि शिक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया गया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई गई। पार्टी ने दावा किया कि यह केवल शुरुआत है और यदि जवाबदेही तय नहीं की गई तो आंदोलन का दायरा और बड़ा होगा। प्रदर्शन के दौरान सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले एक महीने से शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की जा रही है, लेकिन इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि परीक्षा प्रणाली में लगातार सामने आ रही समस्याओं के बावजूद सरकार छात्रों और युवाओं की चिंताओं को गंभीरता से नहीं ले रही है।

आंदोलन को दिया जाएगा देशव्यापी स्वरूप

कॉकरोच जनता पार्टी ने अपने बयान में कहा है कि यदि सात दिनों के भीतर केंद्रीय शिक्षा मंत्री को पद से नहीं हटाया गया तो अगले शनिवार को फिर से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। साथ ही आंदोलन को देशव्यापी स्वरूप देने की भी चेतावनी दी गई है। अभिजीत दीपके ने कहा कि मौजूदा प्रदर्शन आंदोलन का अंत नहीं, बल्कि शुरुआत है। उन्होंने दावा किया कि यदि मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो छात्रों और युवाओं की आवाज को देश के हर राज्य और शहर तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा और रोजगार से जुड़े मुद्दों पर युवाओं में बढ़ती नाराजगी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

अनेक संगठन और समूह आए समर्थन में

प्रदर्शन को विभिन्न छात्र संगठनों और राजनीतिक समूहों का भी समर्थन मिला। आंदोलन स्थल पर कई छात्र नेता मौजूद रहे। सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षा सुधार के पक्षधर सोनम वांगचुक ने भी कार्यक्रम में पहुंचकर आंदोलन के प्रति समर्थन जताया। उन्होंने कहा कि जब न्याय और जवाबदेही की मांगों को अनसुना किया जाता है, तब लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाना आवश्यक हो जाता है। सीजेपी का यह प्रदर्शन ऐसे समय हुआ है जब देश में परीक्षा प्रणाली, पेपर लीक और शिक्षा सुधार जैसे मुद्दों को लेकर युवाओं और अभिभावकों में सरकार के प्रति नाराजगी जारी है।

मुंबई एयरपोर्ट पर सोना तस्करी का बड़ा खुलासा, भाजपा से जुड़े पदाधिकारी समेत 5 गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोना तस्करी के खिलाफ राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भाजपा से जुड़े एक पदाधिकारी सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने आरोपियों के कब्जे से 5 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का सोना और अन्य सामान बरामद किया है। डीआरआई द्वारा की गई इस कार्रवाई में गिरफ्तार आरोपियों में अजित आचरेकर का नाम प्रमुख रूप से सामने आया है। जानकारी के अनुसार, आचरेकर भाजपा की एक श्रमिक (कामगार) संगठन में सचिव के पद पर कार्यरत हैं। उनके अलावा रोहित कुमार सिंह, संतोष सुभाष, समीमुल्ला शाह, हमीद लेबेरीफखान और फलिल मोहम्मद कासिम को भी हिरासत में लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, डीआरआई की टीम ने मुंबई एयरपोर्ट परिसर में संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर इन लोगों को रोका और पूछताछ शुरू की। जांच के दौरान अधिकारियों को सोना तस्करी से जुड़े महत्वपूर्ण सबूत मिले, जिसके बाद सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। प्रारंभिक जांच में बरामद सोने की कीमत 5 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। अधिकारियों का मानना है कि यह मामला केवल एक तस्करी की घटना नहीं, बल्कि किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है। जानकारी के अनुसार, अजित आचरेकर ने कुछ महीने पहले ही भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। उनका पार्टी में प्रवेश महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण की मौजूदगी में आयोजित एक कार्यक्रम में हुआ था। इसके बाद उन्हें पार्टी की श्रमिक इकाई में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई थी। डीआरआई अब इस बात की जांच कर रही है कि इस तस्करी के पीछे कोई अंतरराष्ट्रीय सोना तस्करी गिरोह सक्रिय था या नहीं। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि विदेशों में मौजूद किन व्यक्तियों या संगठनों के नेटवर्क का इस्तेमाल इस अवैध कारोबार के लिए किया गया। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आने वाले दिनों में इस तस्करी रैकेट से जुड़े अन्य लोगों के नाम भी सामने आ सकते हैं। फिलहाल सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और बरामद सोने के स्रोत तथा उसके अंतिम गंतव्य का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

अब हरिद्वार में बिरयानी नाम पर ऐतराज, संतों ने वेज पुलाव कहने को कहा

-अखाड़ा के सदस्य बोले-इससे सनातनी समुदाय की धार्मिक भावनाओं का सम्मान होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरिद्वार,(ईएमएस)। हरिद्वार के अखंड परशुराम अखाड़ा ने भोजनालयों से अपने साइनबोर्ड और मेनू से बिरयानी शब्द हटाने का आग्रह किया है। उनका प्रस्ताव है कि पवित्र शहर की धार्मिक पवित्रता बनाए रखने के लिए वेज बिरयानी का नाम बदलकर वेज पुलाव कर दिया जाए। संतों ने हरिद्वार भर में कई खाद्य विक्रेताओं का दौरा किया और दावा किया कि चूंकि बिरयानी पारंपरिक रूप से मांसाहारी भोजन से जुड़ी है, इसलिए इस पवित्र धार्मिक स्थल पर इसका इस्तेमाल अनुचित है और इससे स्थानीय लोगों और आने वाले श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हो सकती हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अखंड परशुराम अखाड़ा के सदस्यों ने कहा कि प्रस्तावित बदलाव से विक्रेताओं के व्यवसाय पर कोई असर नहीं पड़ेगा, बल्कि इससे सनातनी समुदाय की धार्मिक भावनाओं का सम्मान होगा। अखाड़ा के एक सदस्य ने कहा कि हरिद्वार एक पवित्र नगर है। हमने दुकानदारों से आग्रह किया है कि मांस से बने व्यंजनों के पर्याय माने जाने वाले इस पकवान को यहां 'बिरयानी' के नाम से न बेचा जाए। हमने उनसे इसे 'वेज पुलाव' के नाम से बेचने को कहा है। सभी दुकानदारों से अनुरोध किया है कि वे अपने मेनू और साइनबोर्ड पर बिरयानी शब्द के स्थान पर वेज पुलाव लिखें। यदि कोई इसके बाद भी बिरयानी शब्द का प्रयोग करता रहेगा, तो हम उसके खिलाफ औपचारिक विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। हमारा उद्देश्य शहर की पवित्रता और धार्मिक वातावरण को बनाए रखना है। हम सभी विक्रेताओं से अनुरोध करते हैं कि वे इस अनुरोध में सहयोग करें ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार का विवाद न हो।

इंडिया ब्लॉक की बैठक से डीएमके-आप ने बनाई दूरी, जेएमएम भी नाराज

-सीपीआई-एम ने कहा- बीजेपी से 'डील' के आरोप गठबंधन की मूल भावना के खिलाफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया ब्लॉक की सोमवार को होने वाली बैठक से पहले मतभेद सामने आ गए हैं। डीएमके द्वारा कांग्रेस की मौजूदगी के कारण इस बैठक से दूर रहने की घोषणा के बाद अब सीपीआई-एम ने भी कांग्रेस की कार्यशैली पर नाराजगी जताई है। सीपीआई-एम ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि केरल में उसके नेताओं द्वारा लगाए गए बीजेपी के साथ 'डील' के आरोप गठबंधन की मूल भावना के खिलाफ हैं। सूत्रों का कहना है कि झारखंड राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस द्वारा उम्मीदवार उतारे जाने से बाद से हेमंत सोरेन की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा भी नाखुश है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीपीआई-एम महासचिव एम ए बेबी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही इस पत्र की कई कॉपियां गठबंधन के अन्य सहयोगी दलों को भी भेजी हैं। बेबी ने पत्र में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के बयानों पर ऐतराज जताया है। उन्होंने कहा कि केरल विधानसभा चुनाव अभियान में कांग्रेस ने बार-बार ये प्रचार किया कि सीपीआई-एम और बीजेपी के बीच राजनीतिक समझौता है और तत्कालीन सीएम पिनराई विजयन और पीएम मोदी के बीच खास डील हुई है। सीपीआई-एम ने इसे विपक्षी गठबंधन की भावना के खिलाफ बताया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक माकपा नेता ने इन आरोपों को पूरी तरह से मनगढ़ंत करार दिया है जिसे वो किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं कर सकते! उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व को याद दिलाया कि केरल की धरती पर आरएसएस और बीजेपी के खिलाफ सीधे राजनीतिक लड़ाई लड़ते हुए माकपा ने अपने सैकड़ों समर्पित कार्यकर्ताओं को खोया है। बेबी ने अपने पत्र में कहा कि इंडिया ब्लॉक बीजेपी के खिलाफ राजनीतिक लड़ाई के लिए बना था और ऐसे वक्त में सहयोगी दलों पर ही संदेह जताना गठबंधन की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इन आरोपों पर स्थिति स्पष्ट नहीं की गई तो 8 जून यानी सोमवार की गठबंधन बैठक से पहले ही एकता पर सवाल खड़े हो जाएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस के रवैये पर कड़े सवाल उठाने के बावजूद सीपीआई-एम ने विपक्षी एकजुटता और समन्वय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। बेबी ने साफ किया कि उनकी पार्टी संसद के अंदर मोदी सरकार की तानाशाही, सांप्रदायिक और जनविरोधी नीतियों का मजबूती से विरोध करने के लिए अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर काम करती रहेगी। वहीं, दिल्ली में होने वाली इस रणनीतिक बैठक में ममता बनर्जी, अभिषेक बनर्जी, उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव और राहुल गांधी जैसे शीर्ष नेताओं के शामिल होने की संभावना है। हालांकि, कांग्रेस के साथ मतभेदों के चलते डीएमके के इस बैठक में शामिल होने की उम्मीद कम है। दूसरी ओर आम आदमी पार्टी ने भी इस बैठक से दूरी बना ली है, जिससे विपक्षी गठबंधन की एकजुटता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

उधर, झारखंड में आगामी राज्यसभा चुनावों में दो राज्यसभा सीटों में से एक पर कांग्रेस द्वारा अपने उम्मीदवार प्रणव झा की घोषणा करने पर जेएमएम भी कांग्रेस से नाराज है। सूत्रों का कहना है कि सीएम हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ जेएमएम राज्य की दोनों सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारना चाहती थी, क्योंकि जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन के पास दोनों सीटें जीतने के लिए पर्याप्त संख्या बल है। इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने गठबंधन में किसी भी तरह की फूट या बिखराव के दावों को खारिज किया है। राउत ने कहा कि भले ही डीएमके ने इस बैठक से दूरी बना ली हो, लेकिन विपक्ष को तमिलनाडु में टीवीके के रूप में एक मजबूत वैकल्पिक मित्र मिल गया है।

कर्नाटक में रामलिंगा रेड्डी ने लिया इस्तीफा वापस, विपक्ष की रणनीति को झटका

-सुरजेवाला बोले- रेड्डी का व्यापक प्रशासनिक अनुभव पार्टी संरचना के लिए अमूल्य

बेंगलुरु (एजेंसी)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कर्नाटक राज्य प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने घोषणा की है कि वरिष्ठ नेता रामलिंगा रेड्डी ने आधिकारिक तौर पर अपना इस्तीफा वापस ले लिया है। सुरजेवाला ने इस बात पर जोर दिया कि रेड्डी का व्यापक प्रशासनिक अनुभव पार्टी संरचना के लिए अमूल्य बना है और पुष्टि की कि अनुभवी राजनेता संगठन के एक निष्ठावान सिपाही के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते रहेंगे और अपना मंत्री पद बरकरार रखेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस समाधान ने विपक्ष की रणनीतियों को झकझोर दिया है, क्योंकि कांग्रेस नेतृत्व का कहना है कि आंतरिक परिवर्तन के सुचारू प्रबंधन को लेकर बीजेपी अभी भी स्तब्ध है। केंद्रीय नेतृत्व और रेड्डी के बीच संगठनात्मक शिकायतों के समाधान के लिए गहन चर्चा के बाद इस्तीफे को वापस लेने का फैसला लिया। मतभेद को एक संक्षिप्त गलतफहमी बताते हुए, सुरजेवाला ने राज्य इकाई में रामलिंगा रेड्डी के गहरे संस्थागत महत्व को दोहराया। गतिरोध को शीघ्रता से हल करके, पार्टी ने अपने मंत्रिमंडल की स्थिरता को बनाए रखने और एक अहम विधायी मोड़ पर एकजुट होकर सामने आने में सफलता प्राप्त की है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि समाधान ने गुटबाजी की संभावित कमजोरियों को समाप्त कर दिया है, जिससे उच्च कमान को अपना पूरा ध्यान अपने मुख्य विधायी और शासन संबंधी एजेंडों पर केंद्रित करने का अवसर मिला है।

रिपोर्ट के मुताबिक नेतृत्व संकट को सुलझाने के साथ-साथ, कांग्रेस ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अपनी रणनीतिक तैयारियों को सफलतापूर्वक सुव्यवस्थित कर लिया है। वरिष्ठ नेता बी के हरिप्रसाद ने अपने सहयोगियों के साथ राज्यसभा और राज्य विधान परिषद दोनों की अहम सीटों के लिए औपचारिक रूप से नामांकन दाखिल किया है। यह समन्वित नामांकन दाखिल करना पार्टी के राज्य तंत्र द्वारा अपनी विधायी शक्ति को मजबूत करने के लिए किए जा रहे उच्चस्तरीय समन्वित प्रयास को दर्शाता है। यह प्रक्रिया कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की उपस्थिति में किए गए हाई-प्रोफाइल नामांकन दाखिल करने के बाद हुई है, जो राज्य इकाई के दीर्घकालिक विकास के लिए केंद्र के मजबूत समर्थन का संकेत है।

युवा भविष्य को सुरक्षित करने में विश्वास रखते हैं, वे कठपुतली नहीं बनेंगे

बीजेपी अध्यक्ष नवीन ने बिना नाम लिए सीजेपी के संस्थापक पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने आरोप लगाया है कि कुछ ताकतें देश के युवाओं को नकारात्मक राजनीति की ओर धकेलने का कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत के युवा राष्ट्र निर्माण और अपने भविष्य को सुरक्षित करने में विश्वास रखते हैं। वे किसी के हाथ की कठपुतली नहीं बनेंगे। झारखंड के रांची में बुद्धिजीवियों के साथ संवाद करते हुए नितिन नबीन ने कहा कि कुछ लोग विदेश में बैठकर यह सोचते हैं कि वे भारत के युवाओं को दिशा दे सकते हैं। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनका यह बयान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके के संदर्भ में माना जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आज का युवा नवाचार, सृजन और राष्ट्र निर्माण की सोच के साथ आगे बढ़ रहा है। देश में करीब दो लाख स्टार्टअप युवाओं की मेहनत और प्रतिभा का परिणाम हैं। भारत वैश्विक सूचना प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नबीन ने कहा कि विरोध करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन यह लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अंदर होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जो लोग युवाओं को व्यवस्था विरोधी राजनीति की ओर धकेलना चाहते हैं, उन्हें समझ लेना चाहिए कि भारत का युवा सकारात्मक राजनीति का ही चयन करेगा। बीजेपी अध्यक्ष ने पीएम मोदी के विकसित भारत 2047 विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले 12 सालों में देश में बड़े बदलाव हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर आए हैं, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है और 54 करोड़ जनधन खाते खोले गए हैं। उन्होंने महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण, स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और स्वच्छता अभियान जैसी योजनाओं का भी उल्लेख किया। नबीन दो दिवसीय झारखंड दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने पार्टी नेताओं के साथ संगठनात्मक बैठकों में हिस्सा लिया और पार्टी को मजबूत करने पर चर्चा की। उनका यह दौरा झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों के चुनाव से पहले अहम माना जा रहा है।

नाम बदलने की राजनीतिः सांस्कृतिक पुनर्जागरण या राजनीतिक रणनीति?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार और विभिन्न राज्यों में भाजपा की सरकारों ने स्थलों, इमारतों के नाम परिवर्तन का जो दौर चलाया उसे लेकर अब सवाल खड़े होने लगे हैं। देश में शहरों, गली-मोहल्ले, सड़कों, रेलवे स्टेशनों और अब विश्वविद्यालयों के नाम बदलने का सिलसिला लगातार तेज होता जा रहा है। हाल ही में भोपाल स्थित बरकतुल्ला विश्वविद्यालय का नाम बदलकर मां वाग्देवी भोजपाल विश्वविद्यालय किए जाने के प्रस्ताव पास होने के बाद यह बहस फिर तेज हो गई है कि नाम परिवर्तन के पीछे वास्तविक उद्देश्य क्या है।

अनावश्यक तौर पर किए जा रहे नाम परिवर्तन की आलोचना करने वालों का तर्क है कि यह प्रक्रिया राजनीतिक लाभ और भाजपा के वैचारिक एजेंडे का हिस्सा है। उनका कहना है कि नाम बदलने से रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और महंगाई जैसी मूलभूत समस्याओं का समाधान नहीं होता। विशेषज्ञों के अनुसार नाम परिवर्तन किए जाने से सरकार पर आर्थिक प्रभाव भी पड़ता है। सरकारी दस्तावेजों, साइनबोर्ड, वेबसाइटों और रिकॉर्ड को अपडेट करने में भारी खर्च आता है। इसके साथ ही सदियों की पहचान बने स्मारक अपनी असली पहचान भी खोते चले जाते हैं। उनकी पहचान कायम करने के लिए अलग से प्रयास किए जाते हैं, जिसमें काफी समय लग जाता है, जबकि दुनियाभर में ऐसे कार्यों की आलोचना ही होती है, कोई इसकी प्रशंसा नहीं करता दिखता। हालांकि समर्थकों का मानना है कि यह एक बार का निवेश है, जबकि सांस्कृतिक पहचान का लाभ लंबे समय तक बना रहता है।

विवाद को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी के नेता भी मुखर हुए हैं उन्होंने कहा है, कि यह कदम देश को औपनिवेशिक और विदेशी शासकों की विरासत से मुक्त कर भारतीय सांस्कृतिक पहचान को पुनर्स्थापित करने के लिए उठाए जा रहे हैं। पार्टी के अनुसार, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व वाले पुराने नामों को वापस लाकर राष्ट्रीय गौरव को मजबूत किया जा रहा है। इस पर विरोधी खेमा कहता देखा जाता है कि बरकतुल्ला भोपाली जैसे स्वतंत्रता सेनानी के नाम की जगह कोई और नाम रखा जाना औपनिवेशिक और विदेशी शासकों की विरासत से मुक्त करने जैसी सोच से जोड़कर कैसे देखा जा सकता है? अब इस तरह के नाम परिवर्तन को लेकर सोशल मीडिया पर विरोध दर्ज कराया जाने लगा है। विरोध करने वालों का कहना है कि नाम परिवर्तन करने की जगह मूलभूत समस्याओं पर ध्यान दिया जाए तो बेहतर होगा।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (सोमवार)
08 जून 2026

टाटा ग्रुप की 7 कंपनियां इस हफ्ते ट्रेड करेंगी एक्स-डिविडेंड

जानिए किन कंपनियों ने घोषित किया कितना लाभांश और रिकॉर्ड डेट

मुंबई ।

निवेशकों के लिए अच्छी खबर है, इस हफ्ते टाटा ग्रुप की कुल सात कंपनियां एक्स-डिविडेंड के तौर पर ट्रेड करेंगी। इसका मतलब है कि इन कंपनियों के शेयर खरीदने वाले योग्य निवेशकों को लाभांश का भुगतान किया जाएगा। टाटा मोटर्स, वोल्टास, टाटा स्टील जैसी दिग्गज कंपनियां इस सूची में शामिल हैं, जिनकी रिकॉर्ड डेट 10 और 12 जून तय की गई है। इस सप्ताह टाटा समूह के शेयरधारकों को लाभांश का लाभ मिलने वाला है। कुल सात कंपनियां एक्स-डिविडेंड ट्रेडिंग के लिए तैयार हैं। इनमें टाटा स्टील लिमिटेड, वोल्टास लिमिटेड और टाटा मोटर्स लिमिटेड शामिल हैं, जिन्होंने प्रति शेयर 4 रुपये का लाभांश घोषित किया है। इन तीनों कंपनियों के लिए रिकॉर्ड डेट 12 जून तय की गई है। वहीं टाटा केमिकल्स लिमिटेड ने प्रति शेयर 11 रुपये का बड़ा लाभांश देने का ऐलान किया है, जबकि टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड प्रति शेयर 3.40 रुपये का भुगतान करेगी। टाटा एलेक्सी लिमिटेड सबसे बड़ा लाभांश, प्रति शेयर 75 रुपये देने जा रही है। इन तीनों कंपनियों के लिए रिकॉर्ड डेट 10 जून निर्धारित की गई है। इसके अतिरिक्त, ट्रेंट लिमिटेड भी इस हफ्ते एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेगी और अपने निवेशकों को प्रति शेयर 6 रुपये का लाभांश देगी। निवेशकों को रिकॉर्ड डेट से पहले इन शेयरों को खरीदने पर ही लाभांश का लाभ मिलेगा।

सेमीकंडक्टर क्रांति- भारत में बनेंगे करोड़ों चिप्स, 2035 तक आधी जरूरतें होंगी पूरी

इसी साल शुरू होगा उत्पादन, आयात पर निर्भरता घटाने की दिशा में बड़ी छलांग

मुंबई ।

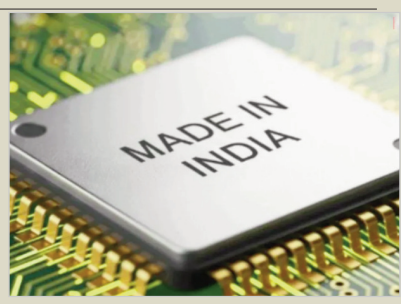

भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी छलांग लगाने को तैयार है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुमानों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2035 तक भारत अपनी कुल सेमीकंडक्टर मांग का आधा हिस्सा (50 फीसदी) खुद देश में ही तैयार करने लगेगा। सबसे अच्छी बात यह है कि कुछ फैक्ट्रियों में तो इसी साल से उत्पादन भी शुरू होने जा रहा है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ने वाला भारी बोझ काफी हद तक कम हो जाएगा। फिलहाल भारत अपनी सेमीकंडक्टर जरूरतों का 90 फीसदी विदेशों से आयात करता है। सेमीकंडक्टर आयात बिल लगातार बढ़ रहा है; वित्त वर्ष 2019 में जहां यह 11.9 अरब डॉलर था, वहीं वित्त वर्ष 2025 तक इसके 30.3 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इस बढ़ती निर्भरता और घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग की बढ़ती मांग को देखते हुए, भारत सेमीकंडक्टर मिशन (ढ्ढस्रू) की प्रोत्साहन योजना के तहत अब तक 12 परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इनमें से कम से कम चार प्रोजेक्ट्स में इसी साल से कमर्शियल उत्पादन शुरू हो जाएगा। सरकार इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 लेकर आ रही है, जिसका बजट 1,00,000 करोड़ रुपये होने की उम्मीद है। इसका लक्ष्य सिर्फ चिप बनाना ही नहीं, बल्कि उससे जुड़े केमिकल, मशीनें और गैसें तैयार करने का पूरा ढांचा विकसित करना है। नीति आयोग का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026 में भारत की सेमीकंडक्टर मांग करीब 44 अरब डॉलर रहेगी, जो 2035 तक पांच गुना बढ़कर 206 अरब डॉलर पर पहुंच जाएगी। आयोग का यह भी मानना है कि साल 2035 तक भारत करीब 120 अरब डॉलर का एक मजबूत सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम खड़ा कर लेगा। शुरुआती दौर में टाटा ग्रुप, सीजी पावर और कायन्स के तीन प्लांट इसी साल चालू हो जाएंगे, जो मिलकर हर दिन करीब 6.9 करोड़ (69 मिलियन) चिप बनाएंगे।

इसके अलावा, देश में माइक्रो-एलईडी तकनीक लाने के प्रोजेक्ट को भी मंजूरी मिल गई है, जिसके तहत अगले 22 महीनों में देश के पहले माइक्रो-एलईडी चिप बनकर तैयार हो जाएंगे। यह पहल भारत को सेमीकंडक्टर उत्पादन में वैश्विक मानचित्र पर एक मजबूत स्थिति में स्थापित करेगी, जैसा कि चीन और जर्मनी जैसे देश भी अपनी आत्मनिर्भरता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

टॉप कंपनियों को 1.25 लाख करोड़ का नुकसान, आरआईएल सबसे बड़ा लूजर

एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई की बाजार हैसियत बढ़ी

नई दिल्ली।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से करीब 1.25 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे अधिक नुकसान हुआ। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। वहीं एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत बढ़ गई।समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 39,718 करोड़ रुपये घटकर 17,47,321.40 करोड़ रुपये रह गया। टीसीएस के मूल्यांकन में 20,134.66 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 7,95,346.09 करोड़ रुपये पर आ गया।भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 18,736.04 करोड़ रुपये घटकर 10,96,150.49 करोड़ रुपये रह गई। एलएंडटी का मूल्यांकन 16,880.20 करोड़ रुपये की कमी के साथ 5,43,956.44 करोड़ रुपये पर आ गया।इसके अलावा एलआईसी का बाजार मूल्य 14,610.74 करोड़ रुपये घटकर 5,05,873.32 करोड़ रुपये रहा। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 9,681.36 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 5,53,580.97 रुपये रह गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 5,909.23 करोड़ रुपये घटकर 4,98,301.31 करोड़ रुपये पर आ गया।इस रुख के उलट एसबीआई का मूल्यांकन 12,692.09 करोड़ रुपये बढ़कर 9,02,523.63 करोड़ रुपये रहा।आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 4,484.86 करोड़ रुपये बढ़कर 9,05,074.77 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 4,101.47 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 11,50,743.31 करोड़ रुपये रहा।शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

अल्फाग्रेप का एमएफ बाजार में प्रवेश, 30,000 करोड़ एयूएम का लक्ष्य

सेबी की हरी झंडी, 6 जुलाई को खुलेगा मल्टी-एसेट फंड

नई दिल्ली ।

अल्फाग्रेप इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट अगले महीने अपनी पहली म्यूचुअल फंड योजना के साथ भारतीय बाजार में प्रवेश कर रहा है। कंपनी ने अगले तीन से पांच वर्षों में 25,000 से 30,000 करोड़ रुपये की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। हाल ही में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी मिलने के बाद, अल्फाग्रेप औपचारिक रूप से भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग में प्रवेश कर रहा है। कंपनी के एक व रिष्ठ अ धिकारी के अनुसार उनकी पहली नई कोष पेशकश (एनएफओ) एक बहु-संपत्ति आवंटन कोष होगी, जो 6 से 20 जुलाई तक निवेशकों के लिए खुलेगी। यह कोष इक्विटी, बॉन्ड, मनी मार्केट और सोने, चांदी व अन्य अनुमत जिंस एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में निवेश करेगी। अंबानी ने बताया कि अल्फाग्रेप उन्नत गणितीय मॉडल, कृत्रिम मेधा (एआई) और मशीन लर्निंग पर आधारित 'क्वांटिटेटिव' निवेश रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करेगा। कंपनी का उद्देश्य निवेशकों को अलग व विशिष्ट उत्पाद देना है। बहु-संपत्ति कोष के बाद, एक ओपन-एंडेड डायनेमिक इक्विटी योजना भी पाइपलाइन में है, जो बड़े, मझोले और छोटे शेयरों में निवेश करेगी। 2010 में स्थापित अल्फाग्रेप एक वैश्विक क्वांटिटेटिव ट्रेडिंग और निवेश फर्म है।

सट्टेबाजों की सक्रियता, मजबूत रुपए से तेल-तिलहन बाजार में गिरावट रही

सरसों, मूंगफली, सोयाबीन समेत अधिकांश तेल-तिलहन के दाम लुढ़के; बिनौला में मामूली तेजी

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजारों में सट्टेबाजों की बढ़ती सक्रियता और डॉलर के मुकाबले रुपये के मजबूत होने से अधिकांश खाद्य तेलों के दाम में गिरावट दर्ज की गई। वैश्विक बाजारों की कमजोरी और आयात सस्ता होने का भी असर दिखा। बाजार में सटोरियों की सक्रियता, मजबूत होते रुपये और विदेशों में टूटते बाजारों के चलते बीते सप्ताह सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल जैसे अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम गिरे। रुपये के मजबूत होने से आयात सस्ता हो गया, जिससे आयातक लागत से नीचे दाम पर तेल बेच रहे हैं। गर्मी की फसल की आवक की चर्चा ने मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट लाई। सटोरियों ने सोयाबीन का दाम तोड़कर स्टॉक जमा करने और बाद में ऊंचा बोलने का प्रयास किया।

हालांकि, कम उपलब्धता और बढ़ती मांग के कारण बिनौला तेल के दाम में मामूली सुधार आया। विशेषज्ञों ने सरकार से अपील की है कि आयातकों द्वारा लागत से कम दाम पर तेल बेचकर विदेशी मुद्रा के नुकसान पर सख्त निगरानी रखे।

सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 125 रुपये की गिरावट के साथ 7,650-7,675 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,550 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 20-20 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,580-2,680 रुपये और 2,580-2,725 रुपये टिन (15 किलो) पर मजबूत बंद हुए।

समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 450-250 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,975-7,025 रुपये और 6,825-6,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,700 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,650 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 120 रुपये की गिरावट के साथ 12,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गर्मी की फसल आने की चर्चा के बीच बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 25 रुपये की गिरावट के साथ 6,600-7,175 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 300 रुपये की गिरावट के साथ 15,700 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 55 रुपये की गिरावट के साथ 2,490-2,790 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 150 रुपये की गिरावट के साथ 13,800 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,600 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 200 रुपये की गिरावट के साथ 14,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

कम उपलब्धता के बीच मांग बढ़ने से बिनौला तेल का दाम 25 रुपये के सुधार के साथ 15,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

झारखंड से ब्रिटेन को आम्रपाली आम का निर्यात

नई दिल्ली ।

भारत ने झारखंड से ब्रिटेन को 1.5 टन ताजा 'आम्रपाली' आम का निर्यात किया है। वाणिज्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। ये आम झारखंड के सिमडेगा जिले के बानो प्रखंड स्थित बेउरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से प्राप्त किए गए हैं। यह एक पूर्ण महिला किसान उत्पादक कंपनी (एफपीसी) है, जो स्थानीय महिला किसानों को संगठित कर कृषि उत्पादन और विपणन का कार्य करती है। आमों की यह खेप चार जून को कोलकाता से ब्रिटेन के लिए रवाना की गई। यह निर्यात झारखंड के कृषि उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने और महिला किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मौसम की मार से मालदा के हिमसागर आम के निर्यात पर संकट

लगातार बारिश और बढ़े तापमान से आमों पर उभरे काले धब्बे

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के प्रसिद्ध हिमसागर आम का निर्यात इस वर्ष मौसम की मार से संकट में है। लगातार बारिश और फिर बढ़े तापमान के कारण आमों पर काले धब्बे उभर आए हैं, जिससे बड़ी मात्रा में गुणवत्तापूर्ण फलों का निर्यात संभव नहीं हो पा रहा है। निर्यातकों के अनुसार ये धब्बे रोग संक्रमण के शुरुआती संकेत हैं। आमों को सुरक्षित रखने वाली बैगिंग तकनीक भी इस बार लगातार वर्षा और बाद में बढ़ी गर्मी के कारण अप्रभावी साबित हुई, जिससे फलों को भारी नुकसान पहुंचा। एक फूड प्रोडक्ट्स कंपनी ने बताया कि धब्बेदार फलों को विदेशी आयातक स्वीकार नहीं करते, जिसके चलते अमेरिका भेजी जाने वाली इस सीज़न की पहली खेप को रोकना पड़ा है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में निर्यात ऑर्डर होने के बावजूद गुणवत्तापूर्ण फल उपलब्ध कराना मुश्किल हो रहा है। हालांकि- उन्होंने आश्वस्त किया कि स्थिति पूरी तरह निराशाजनक नहीं है। उनके अनुसार केवल लगभग 15 प्रतिशत बैग किए गए फल प्रभावित हुए हैं, और लाखों अन्य आम अभी भी निर्यात योग्य हैं। विदेशी बाजारों में हिमसागर की मांग मजबूत बनी हुई है। निर्यातक अब अप्रभावित बागानों से उच्च गुणवत्ता वाले आमों की पहचान कर अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति बनाए रखने और निर्यात लक्ष्य का एक बड़ा हिस्सा हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

जीडीपी, ईरान वार्ता और बैंकिंग सेक्टर से तय होगी शेयर बाजार की चाल

वैश्विक संकेत और रुपए की मजबूती पर भी रहेगी निवेशकों की रहेगी नजर

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह गिरावट दर्ज किए जाने के बाद इस सप्ताह निवेशकों की नजर शुक्रवार को जारी हुए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों के असर पर टिकी रहेगी। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते, वैश्विक संकेतों और घरेलू बैंकिंग सेक्टर की चाल इस सप्ताह बाजार की दिशा निर्धारित करेगी। जीडीपी के आंकड़े शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद जारी किए गए थे, जिसके चलते इनका वास्तविक असर सोमवार को बाजार खुलने पर देखने को मिलेगा। विश्लेषकों के अनुसार इस सप्ताह बाजार की दिशा कई घरेलू और वैश्विक कारकों से तय होगी। सबसे पहले अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते पर निवेशकों की करीबी नजर रहेगी। यदि इस दिशा में कोई सकारात्मक प्रगति होती है, तो कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आ सकती है, जिसे भारतीय बाजार के लिए एक शुभ संकेत माना जाएगा। इसके अतिरिक्त अमेरिकी बाजारों की चाल व्यापक वैश्विक रुझान, रुपये की मजबूती और विदेशी निवेशकों का रुख भी बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एक सकारात्मक संकेत के रूप में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की हालिया नीति के बाद बैंकिंग शेयरों में मजबूती देखने को मिली है। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले दिनों में बैंक निफ्टी निफ्टी के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। उन्होंने बताया कि बैंक निफ्टी 54,400 के स्तर से ऊपर बंद हुआ है, जिसे तकनीकी रूप से एक महत्वपूर्ण ब्रेकआउट जोन माना जा रहा है। वहीं निफ्टी के लिए 23,100-23,150 का स्तर मजबूत सपोर्ट का काम कर सकता है। फिलहाल बाजार में बड़ी गिरावट की आशंका कम दिख रही है। विशेषज्ञों ने निवेशकों को सलाह दी है कि वे घबराने के बजाय गुणवत्ता वाले शेयरों में चरणबद्ध तरीके से खरीदारी के अवसर तलाशें। सरकार की तरफ से भी भविष्य में कुछ सकारात्मक कदम देखने को मिल सकते हैं, जो बाजार को और मजबूती प्रदान करेंगे।

टाटा स्टील ब्रिटेन परियोजना में देरी बिजली कनेक्शन बना रोड़ा

1.25 अरब की हरित इस्पात परियोजना छह से आठ महीने खिसकी

नई दिल्ली ।

टाटा स्टील की ब्रिटेन में 1.25 अरब की कम कॉर्बन उत्सर्जन वाली इस्पात परियोजना को बिजली कनेक्शन में देरी के कारण छह से आठ महीने का विलंब हो सकता है। पोर्ट टैलबोट संयंत्र में 32 लाख टन क्षमता वाला इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ) स्थापित करने की यह योजना अब तय समय से पीछे हो सकती है, क्योंकि राष्ट्रीय ग्रिड आवश्यक उच्च-वोल्टेज कनेक्शन उपलब्ध कराने में असमर्थ है। कंपनी के एक व रिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रिड की परियोजना में देरी से ईएएफ का परिचालन प्रभावित होगा। यह नया संयंत्र पुराने ब्लास्ट फर्नेस की जगह लेगा और टाटा स्टील की कार्बन उत्सर्जन में 90 प्रतिशत (सालाना करीब 50 लाख टन) कमी लाने की रणनीति का प्रमुख हिस्सा है। ब्रिटेन सरकार की 50 करोड़ पाउंड की सहायता वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना में टाटा स्टील, ब्रिटेन सरकार और राष्ट्रीय ग्रिड के साथ मिलकर देरी के प्रभाव को कम करने के लिए काम कर रही है। परियोजना स्थल पर प्रमुख ध्वस्तीकरण कार्य पूरे हो चुके हैं और उपकरणों का निर्माण व आपूर्ति जारी है। हालांकि, नए ईएएफ को संचालित करने के लिए उच्च क्षमता वाली बिजली आपूर्ति अनिवार्य है, जो अभी उपलब्ध नहीं है। कंपनी ने ऐसी बड़ी औद्योगिक परियोजनाओं में समय-सीमा में बदलाव को सामान्य बताया है। 3 जून को परियोजना स्थल पर आग लगने की एक घटना भी हुई थी, जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ।

प्याज पर ढील बेअसर, किसान बोले- एमएसपी 3000 रुपए प्रति क्विंटल हो

केंद्र द्वारा खरीद मानकों में ढील का स्वागत, पर 1580 प्र ति क्विंटल की मौजूदा दर नाकाफी

नासिक ।

महाराष्ट्र के प्याज किसानों ने केंद्र सरकार द्वारा प्याज खरीद के मानकों में दी गई ढील का स्वागत किया है, लेकिन इसे नाकाफी बताते हुए अधिक राहत की मांग की है। किसानों का कहना है कि असली समस्या खरीद मानकों की नहीं, बल्कि कम कीमतों की है और उन्होंने प्याज के लिए 3,000 रुपये प्रति क्विंटल का न्यूनतम खरीद मूल्य (एमएसपी) तय करने की मांग की है। भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) और भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) द्वारा लगभग 1,580 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही खरीद किसानों की औसत उत्पादन लागत (लगभग 1,800 रुपए प्रति क्विंटल) को भी पूरा नहीं करती। महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ के अनुसार, ढील के बावजूद किसान घाटे में हैं। किसानों ने खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी पर चिंता जताई है। उन्होंने नेफेड और एनसीसीएफ से प्रतिदिन खरीदे गए प्याज और किसानों की सूची सार्वजनिक करने, साथ ही खरीद कृषि उपज मंडी समितियों (एपीएमसी) के माध्यम से कराने की मांग की है। इसके अतिरिक्त, पिछले चार-पांच महीनों में कम कीमत पर प्याज बेचने वाले लाखों किसानों को 1,500 रुपए प्रति क्विंटल की सब्सिडी देने की भी मांग की गई है ताकि वे हुए नुकसान की भरपाई कर सकें। उधर, महाराष्ट्र सरकार ने नेफेड और एनसीसीएफ द्वारा की जाने वाली प्याज खरीद पर एपीएमसी शुल्क माफ कर दिया है, लेकिन किसान नेताओं का कहना है कि इसका लाभ मुख्य रूप से खरीद एजेंसियों को मिलेगा, किसानों को नहीं।

किसान संगठन ने चेतावनी दी है कि केवल मानकों में ढील देने से समस्या का समाधान नहीं होगा; इसके लिए लाभकारी मूल्य और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी।

एनसीएलएटी ने लिगेयर एविएशन की दिवाला प्रक्रिया रद्द की

राउंड-ट्रिपिंग को बताया असली कर्ज नहीं

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने लिगेयर एविएशन लिमिटेड के खिलाफ शुरू की गई दिवाला कार्यवाही को रद्द कर दिया है। एनसीएलएटी ने अपने फैसले में कहा कि यह वास्तविक वित्तीय ऋण का नहीं, बल्कि धन के केवल इधर-उधर स्थानांतरण (राउंड-ट्रिपिंग) का मामला था। न्यायाधिकरण ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के उस आदेश को भी खारिज कर दिया, जिसने रेलिगेयर एंटरप्राइजेज की याचिका स्वीकार की थी। एनसीएलएटी ने स्पष्ट किया कि किसी लेन-देन को वित्तीय ऋण मानने के लिए उसमें टाइम वैल्यू ऑफ मनी का तत्व होना आवश्यक है, जो इस मामले में अनुपस्थित था। रिकॉर्ड से पता चला कि लिगेयर एविएशन को कोई वास्तविक वित्तीय ऋण नहीं दिया गया था। पीठ ने कहा कि यह लेन-देन केवल अघोषित उद्देश्यों के लिए धन के घुमाव का एक उदाहरण था, जिसके आधार पर दिवाला प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकती थी। मामले की सुनवाई में सामने आया कि 31 मार्च, 2009 को रेलिगेयर आर्ट्स इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट लिमिटेड ने लिगेयर एविएशन को 3.6 करोड़ रुपये भेजे थे, पर यह राशि उसी दिन तुरंत रेलिगेयर फिनवेस्ट को स्थानांतरित कर दी गई। एनसीएलएटी ने पाया कि बैंक रिकॉर्ड भी समूह की विभिन्न कंपनियों के बीच धन के लगातार आदान-प्रदान को दर्शाते हैं। यह पुष्टि करता है कि यह वास्तविक ऋण नहीं था और राशि लिगेयर एविएशन के पास 24 घंटे भी नहीं रही थी। एनसीएलएटी ने अपने अंतिम आदेश में कहा कि जब कोई वास्तविक वित्तीय ऋण ही नहीं था, तो कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकती थी।

यह मामला सिंह बंधुओं से जुड़े कारोबारी समूह की कंपनियों से संबंधित है।

उज्बेकिस्तान का भारतीय फार्मा को न्योता, बनेगा क्षेत्रीय हब

– सब्सिडी, तकनीक हस्तांतरण से निवेश, द्विपक्षीय व्यापार में तेजी

नई दिल्ली ।

उज्बेकिस्तान भारतीय दवा कंपनियों को आकर्षित करने हेतु सब्सिडी, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण व सरल नियमन की पेशकश कर रहा है। देश का लक्ष्य खुद को क्षेत्रीय दवा विनिर्माण और आपूर्ति केंद्र के रूप में स्थापित करना है। एक अ धिकारी ने बताया कि स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने हेतु नियामक मंजूरियों को आसान बनाना, लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं को सरल करना और नौकरशाही बाधाएं कम करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्पष्ट व अनुमान लगाने योग्य नियामकीय समयसीमा से स्थानीय उत्पादन अधिक आकर्षक होगा। इसके अतिरिक्त, कर प्रोत्साहन, सब्सिडी, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण व औद्योगिक संकुलों में भागीदारी भी निवेश बढ़ाएगी। उन्होंने बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा व दीर्घकालिक नीतिगत स्थिरता को उच्च मूल्य वाले फार्मा निवेश के लिए अहम बताया। ये सुधार भारतीय कंपनियों को स्थानीय स्तर पर आवश्यक दवाओं के उत्पादन में मदद करेंगे, जो उज्बेकिस्तान में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुधारेगा और उसे क्षेत्रीय केंद्र के रूप में मजबूत करेगा। भारत-उज्बेकिस्तान व्यापार 2025 में 33.3 फीसदी बढ़कर 1.31 अरब डॉलर पहुंच गया।

अधिकतर हिन्दुओं के पास अपने ही धर्मग्रंथ को पढ़ने की फुरसत नहीं है। वेद, उपनिषद पढ़ना तो दूर, वे गीता तक को नहीं पढ़ते जबकि गीता को 1 घंटे में पढ़ा जा सकता है। हालांकि कई जगह वे भागवत पुराण सुनने या रामायण का अखंड पाठ करने के लिए समय निकाल लेते हैं या घर में सत्यनारायण की कथा करवा लेते हैं। लेकिन आपको यह जानकारी होना चाहिए कि पुराण, रामायण और महाभारत हिन्दुओं के धर्मग्रंथ नहीं हैं, धर्मग्रंथ तो वेद ही हैं।

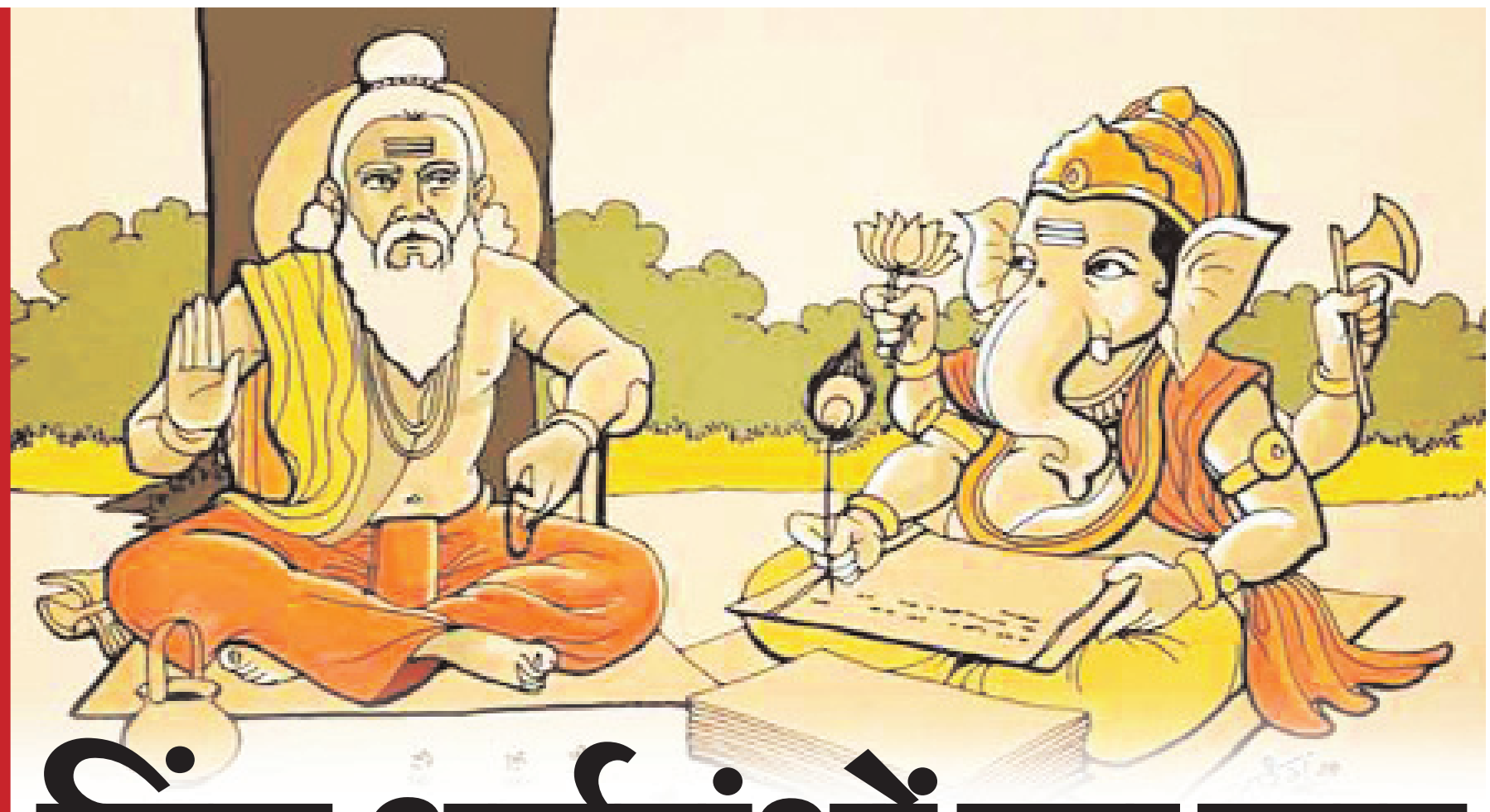

हिंदू धर्मग्रंथों का सार

जानिए किस ग्रंथ में क्या है?

शास्त्रों को 2 भागों में बांटा गया है- श्रुति और स्मृति। श्रुति के अंतर्गत धर्मग्रंथ वेद आते हैं और स्मृति के अंतर्गत इतिहास और वेदों की व्याख्या की पुस्तकें पुराण, महाभारत, रामायण, स्मृतियां आदि आते हैं। हिन्दुओं के धर्मग्रंथ तो वेद ही हैं। वेदों का सार उपनिषद है और उपनिषदों का सार गीता है। आओ जानते हैं कि उक्त ग्रंथों में क्या है।

वेदों में क्या है?

वेदों में ब्रह्म (ईश्वर), देवता, ब्रह्मांड, ज्योतिष, गणित, रसायन, औषधि, प्रकृति, खगोल, भूगोल, धार्मिक नियम, इतिहास, संस्कार, रीति-रिवाज आदि लगभग सभी विषयों से संबंधित ज्ञान भरा पड़ा है। वेद 4 हैं- ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद। ऋग्वेद का आयुर्वेद, यजुर्वेद का धनुर्वेद, सामवेद का गंधर्व वेद और अथर्ववेद का स्थापत्य वेद ये क्रमश: चारों वेदों के उपवेद बतलाए गए हैं।

ऋग्वेद : ऋक अर्थात स्थिति और ज्ञान। इसमें भौगोलिक स्थिति और देवताओं के आवाहन के मंत्रों के साथ बहुत कुछ है। ऋग्वेद की ऋचाओं में देवताओं की प्रार्थना, स्तुतियां और देवलोक में उनकी स्थिति का वर्णन है। इसमें जल चिकित्सा, वायु चिकित्सा, सौर चिकित्सा, मानस चिकित्सा और हवन द्वारा चिकित्सा आदि की भी जानकारी मिलती है।

यजुर्वेद : यजु अर्थात गतिशील आकाश एवं कर्म। यजुर्वेद में यज्ञ की विधियां और यज्ञों में प्रयोग किए जाने वाले मंत्र हैं। यज्ञ के अलावा तत्वज्ञान का वर्णन है। तत्वज्ञान अर्थात रहस्यमयी ज्ञान। ब्रम्हांड, आत्मा, ईश्वर और पदार्थ का ज्ञान। इस वेद की 2 शाखाएं हैं- शुक्ल और कृष्ण।

सामवेद : साम का अर्थ रूपांतरण और संगीत। सौम्यता और उपासना। इस वेद में ऋग्वेद की ऋचाओं का संगीतमय रूप है। इसमें सविता, अग्नि और इन्द्र देवताओं के बारे में जिक्र मिलता है। इसी से शास्त्रीय संगीत और नृत्य का जिक्र भी मिलता है। इस वेद को संगीत शास्त्र का मूल माना जाता है। इसमें संगीत के विज्ञान और मनोविज्ञान का वर्णन भी मिलता है।

अथर्ववेद : थर्व का अर्थ है कंपन और अथर्व का अर्थ अकंपन। इस वेद में रहस्यमयी विद्याओं, जड़ी-बूटियों, चमत्कार और आयुर्वेद आदि का जिक्र है। इसमें भारतीय परंपरा और ज्योतिष का ज्ञान भी मिलता है।

उपनिषद क्या है?

उपनिषद वेदों का सार है। सार अर्थात निचोड़ या संक्षिप्त। उपनिषद भारतीय आध्यात्मिक चिंतन के मूल आधार हैं, भारतीय आध्यात्मिक दर्शन के स्रोत हैं। ईश्वर है या नहीं, आत्मा है या नहीं, ब्रह्मांड कैसा है आदि सभी गंभीर, तत्वज्ञान, योग, ध्यान, समाधि, मोक्ष आदि की बातें उपनिषद में मिलेंगी। उपनिषदों को प्रत्येक हिन्दू को पढ़ना चाहिए। इन्हें पढ़ने से ईश्वर, आत्मा, मोक्ष और जगत के बारे में सच्चा ज्ञान मिलता है।

वेदों के अंतिम भाग को 'वेदांत' कहते हैं। वेदांतों को ही उपनिषद कहते हैं। उपनिषद में तत्वज्ञान की चर्चा है। उपनिषदों की संख्या वैसे तो 108 है, परंतु मुख्य 12 माने गए हैं, जैसे- 1.ईश, 2.केन, 3.कठ, 4.प्रश्न, 5.मुण्डक, 6.माण्डूक्य, 7.तैत्तिरीय, 8.ऐतरेय, 9.छांदोग्य, 10. बृहदारण्यक, 11.कौषीतकि और 12.श्वेताश्वतर।

षड्दर्शन क्या है?

गीता में क्या है?

महाभारत के 18 अध्यायों में से 1 भीष्म पर्व का हिस्सा है गीता। गीता में भी कुल 18 अध्याय हैं। 10 अध्यायों की कुल श्लोक संख्या 700 है। वेदों के ज्ञान को नए तरीके से किसी ने व्यवस्थित किया है तो वे हैं भगवान श्रीकृष्ण। अत: वेदों का पॉकेट संस्करण है गीता, जो हिन्दुओं का सर्वमान्य एकमात्र ग्रंथ है। किसी के पास इतना समय ही नहीं है कि वह वेद या उपनिषद पढ़े। उनके लिए गीता ही सबसे उत्तम धर्मग्रंथ है। गीता को बार-बार पढ़ने के बाद ही वह समझ में आने लगती है। गीता में भक्ति, ज्ञान और कर्म मार्ग की चर्चा की गई है। उसमें यम-नियम और धर्म-कर्म के बारे में भी बताया गया है। गीता ही कहती है कि ब्रह्म (ईश्वर) एक ही है। गीता को बार-बार पढ़ेंगे तो आपके समक्ष इसके ज्ञान का रहस्य खुलता जाएगा। गीता के प्रत्येक शब्द पर एक अलग ग्रंथ लिखा जा सकता है। गीता में सृष्टि उत्पत्ति, जीव विकास क्रम, हिन्दू संदेशवाहक क्रम, मानव उत्पत्ति, योग, धर्म-कर्म, ईश्वर, भगवान, देवी-देवता, उपासना, प्रार्थना, यम-नियम, राजनीति, युद्ध, मोक्ष, अंतरिक्ष, आकाश, धरती, संस्कार, वंश, कुल, नीति, अर्थ, पूर्व जन्म, जीवन प्रबंधन, राष्ट्र निर्माण, आत्मा, कर्मसिद्धांत, त्रिगुण की संकल्पना, सभी प्राणियों में मैत्रीभाव आदि सभी की जानकारी है। श्रीमद्भगवद्गीता योगेश्वर श्रीकृष्ण की वाणी है। इसके प्रत्येक श्लोक में ज्ञानरूपी प्रकाश है जिसके प्रस्फुटित होते ही अज्ञान का अंधकार नष्ट हो जाता है। ज्ञान-भक्ति-कर्म योग मार्गों की विस्तृत व्याख्या की गई है। इन मार्गों पर चलने से व्यक्ति निश्चित ही परम पद का अधिकारी बन जाता है। गीता को अर्जुन के अलावा और संजय ने सुना और उन्होंने धृतराष्ट्र को सुनाया। गीता में श्रीकृष्ण ने 574, अर्जुन ने 85, संजय ने 40 और धृतराष्ट्र ने 1 श्लोक कहा है। उपरोक्त ग्रंथों के ज्ञान का सार बिंदुवार :

ईश्वर के बारे में :

ब्रह्म (परमात्मा) एक ही है जिसे कुछ लोग सगुण (साकार) तो कुछ लोग निर्गुण (निराकार) कहते हैं। हालांकि वह अजन्मा, अप्रकट है। उसका न कोई पिता है और न ही कोई उसका पुत्र है। वह किसी के भाग्य या कर्म को नियंत्रित नहीं करता। न कि वह किसी को दंड या पुरस्कार देता है। उसका न तो कोई प्रारंभ है और न ही अंत। वह अनादि और अनंत है। उसकी उपस्थिति से ही संपूर्ण ब्रह्मांड चलायमान है। सभी कुछ उसी से उत्पन्न होकर अंत में उसी में लीन हो जाता है। ब्रह्मलीन।

ब्रह्मांड के बारे में :

यह दिखाई देने वाला जगत फैलता जा रहा है और दूसरी ओर से यह सिकुड़ता भी जा रहा है। लाखों सूर्य, तारे और धरतीयों का जन्म है, तो उसका अंत भी। जो जन्मा है वह मरेगा भी। सभी कुछ उसी ब्रह्म से जन्मे और उसी में लीन हो जाने वाले हैं। यह ब्रह्मांड परिवर्तनशील है। इस जगत का संचालन उसी की शक्ति से स्वत: ही होता है, जैसे कि सूर्य के आकर्षण से ही धरती अपनी धूरी पर टिकी हुई होकर चलायमान है। उसी तरह लाखों सूर्य और तारे एक महासूर्य के आकर्षण से टिके होकर संचालित हो रहे हैं। उसी तरह लाखों महासूर्य उस एक ब्रह्मा की शक्ति से ही जगत में विद्यमान हैं।

आत्मा के बारे में :

आत्मा का स्वरूप ब्रह्म (परमात्मा) के समान है। जैसे सूर्य और दीपक में जो फर्क है उसी तरह आत्मा और परमात्मा में फर्क है। आत्मा के शरीर में होने के कारण ही यह शरीर संचालित हो रहा है। ठीक उसी तरह जिस तरह कि संपूर्ण धरती, सूर्य, ग्रह-नक्षत्र और तारे भी उस एक परमपिता की उपस्थिति से ही संचालित हो रहे हैं। आत्मा का न जन्म होता है और न ही उसकी कोई मृत्यु होती है। आत्मा एक शरीर को छोड़कर दूसरा शरीर धारण करती है। यह आत्मा अजर और अमर है। आत्मा को प्रकृति द्वारा 3 शरीर मिलते हैं- एक, वह जो स्थूल आंखों से दिखाई देता है। दूसरा, वह जिसे सूक्ष्म शरीर कहते हैं, जो कि ध्यानी को ही दिखाई देता है और तीसरा, वह शरीर जिसके कारण शरीर कहते हैं, उसे देखना अत्यंत ही मुश्किल है। बस उसे वही आत्मा महसूस करती है, जो कि उसमें रहती है। आप और हम दोनों ही आत्मा हैं। हमारे नाम और शरीर अलग-अलग हैं लेकिन भीतरी स्वरूप एक ही हैं।

स्वर्ग और नरक के बारे में :

वेदों के अनुसार पुराणों के स्वर्ग या नर्क को गतियों से समझा जा सकता है। स्वर्ग और नर्क 2 गतियां हैं। आत्मा जब देह छोड़ती है तो मूलत: 2 तरह की गतियां होती हैं- 1.अगति और 2.गति।

1.अगति : अगति में व्यक्ति को मोक्ष नहीं मिलता है उसे फिर से जन्म लेना पड़ता है।

2.गति : गति में जीव को किसी लोक में जाना पड़ता है या वह अपने कर्मों से मोक्ष प्राप्त कर लेता है।

*अगति के 4 प्रकार हैं- 1.क्षिणोदर्क, 2.भूमोदर्क, 3.अगति और 4. दुर्गति।

*क्षिणोदर्क : क्षिणोदर्क अगति में जीव पुन: पुण्यात्मा के रूप में मृत्युलोक में आता है और संतों-सा जीवन जीता है।

*भूमोदर्क : भूमोदर्क में वह सुखी और ऐश्वर्यशाली जीवन पाता है।

*अगति : अगति में नीच या पशु जीवन में चला जाता है।

*दुर्गति : दुर्गति में वह कीट-कीड़ों जैसा जीवन पाता है।

* गति के भी 4 प्रकार- गति के अंतर्गत 4 लोक दिए गए हैं- 1. ब्रह्मलोक, 2.देवलोक, 3.पितृलोक और 4.नर्कलोक। जीव अपने कर्मों के अनुसार उक्त लोकों में जाता है।

तीन मार्गों से यात्रा :

जब भी कोई मनुष्य मरता है या आत्मा शरीर को त्यागकर यात्रा प्रारंभ करती है तो इस दौरान उसे 3 प्रकार के मार्ग मिलते हैं। ऐसा कहते हैं कि उस आत्मा को किस मार्ग पर चलाया जाएगा और यह केवल उसके कर्मों पर निर्भर करता है। ये 3 मार्ग हैं- अर्चि मार्ग, धूम मार्ग और उत्पत्ति-विनाश मार्ग। अर्चि मार्ग ब्रह्मलोक और देवलोक की यात्रा के लिए होता है, वहीं धूममार्ग पितृलोक की यात्रा पर ले जाता है और उत्पत्ति-विनाश मार्ग नर्क की यात्रा के लिए है।

धर्म और मोक्ष के बारे में :

धर्मग्रंथों के अनुसार धर्म का अर्थ है यम और नियम को समझकर उसका पालन करना। नियम ही धर्म है। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष में से मोक्ष ही अंतिम लक्ष्य होता है। हिन्दू धर्म के अनुसार व्यक्ति को मोक्ष के बारे में विचार करना चाहिए। मोक्ष क्या है? स्थितप्रज्ञ आत्मा को मोक्ष मिलता है। मोक्ष का भावार्थ यह कि आत्मा शरीर नहीं है, इस सत्य को पूर्णत: अनुभव करके ही अशरीरी होकर स्वयं के अस्तित्व को पुख?ता करना ही मोक्ष की प्रथम सीढ़ी है।

व्रत और त्योहार के बारे में :

हिन्दू धर्म के सभी व्रत, त्योहार या तीर्थ सिर्फ मोक्ष की प्राप्त हेतु ही निर्मित हुए हैं। मोक्ष तब मिलेगा जब व्यक्ति स्वस्थ रहकर प्रसन्नचित्त और खुशहाल जीवन जीएगा। व्रत से शरीर और मन स्वस्थ होता है। त्योहार से मन प्रसन्न होता है और तीर्थ से मन और मस्तिष्क में वैराग्य और अध्यात्म का जन्म होता है।

मौसम और ग्रह-नक्षत्रों की गतियों को ध्यान में रखकर बनाए गए व्रत और त्योहारों का महत्व अधिक है। व्रतों में चतुर्थी, एकादशी, प्रदोष, अमावस्या, पूर्णिमा, श्रावण मास और कार्तिक मास के दिन व्रत रखना श्रेष्ठ है। यदि उपरोक्त सभी नहीं रख सकते हैं तो श्रावण के पूरे महीने व्रत रखें। त्योहारों में मकर संक्रांति, महाशिवरात्रि, नवरात्रि, रामनवमी, कृष्ण जन्माष्टमी और हनुमान जन्मोत्सव ही मनाएं। पर्व में श्राद्ध और कुंभ का पर्व जरूर मनाएं।

व्रत करने से काया निरोगी और जीवन में शांति मिलती है। सूर्य की 12 और 12 चन्द्र की संक्रांतियां होती हैं। सूर्य संक्रांतियों में उत्सव का अधिक महत्व है, तो चन्द्र संक्रांति में व्रतों का अधिक महत्व है। चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक, अगहन, पौष, माघ और फाल्गुन। इसमें से श्रावण मास को व्रतों में सबसे श्रेष्ठ मास माना गया है। इसके अलावा प्रत्येक माह की एकादशी, चतुर्दशी, चतुर्थी, पूर्णिमा, अमावस्या और अधिकमास में व्रतों का अलग-अलग महत्व है। सौरमास और चान्द्रमास के बीच बढ़े हुए दिनों को मलमास या अधिकमास कहते हैं। साधुजन चातुर्मास अर्थात 4 महीने श्रावण, भाद्रपद, आश्विन और कार्तिक माह में व्रत रखते हैं।

उत्सव, पर्व और त्योहार सभी का अलग-अलग अर्थ और महत्व है। प्रत्येक ऋतु में एक उत्सव है। उन त्योहार, पर्व या उत्सव को मनाने का महत्व अधिक है जिनकी उत्पत्ति स्थानीय परंपरा या संस्कृति से न होकर जिनका उल्लेख वैदिक धर्मग्रंथ, धर्मसूत्र, स्मृति, पुराण और आचार संहिता में मिलता है। चन्द्र और सूर्य की संक्रांतियों के अनुसार कुछ त्योहार मनाए जाते हैं। 12 सूर्य संक्रांतियां होती हैं जिसमें 4 प्रमुख हैं- मकर, मेष, तुला और कर्क। इन 4 में मकर संक्रांति महत्वपूर्ण है। सूर्योपासना के लिए प्रसिद्ध पर्व है छठ, संक्रांति और कुंभ। पर्वों में रामनवमी, कृष्ण जन्माष्टमी, गुरुपूर्णिमा, वसंत पंचमी, हनुमान जयंती, नवरात्रि, शिवरात्रि, होली, ओणम, दीपावली, गणेश चतुर्थी और रक्षाबंधन प्रमुख हैं। हालांकि सभी में मकर संक्रांति और कुंभ को सर्वोच्च माना गया है।

तीर्थ के बारे में :

तीर्थ और तीर्थयात्रा का बहुत पुण्य है। जो मनमाने तीर्थ और तीर्थ पर जाने के समय हैं, उनकी यात्रा का सनातन धर्म से कोई संबंध नहीं। तीर्थों में 4 धाम ज्योतिर्लिंग, अमरनाथ, शक्तिपीठ और सप्तपुरी की यात्रा का ही महत्व है। अयोध्या, मथुरा, काशी और प्रयाग को तीर्थों का प्रमुख केंद्र माना जाता है जबकि कैलाश मानसरोवर को सर्वोच्च तीर्थ माना गया है। बद्रीनाथ, द्वारका, रामेश्वरम और जगन्नाथपुरी ये 4 धाम हैं। सोमनाथ, द्वारका, महाकालेश्वर, श्रीशैल, भीमाशंकर, ?कारेश्वर, केदारनाथ, विश्वनाथ, त्र्यंबकेश्वर, रामेश्वरम, घृष्णेश्वर और बैद्यनाथ ये द्वादश ज्योतिर्लिंग हैं। काशी, मथुरा, अयोध्या, द्वारका, माया, कांची और अवंति उज्जैन ये सप्तपुरियां हैं। उपरोक्त कहे गए तीर्थ की यात्रा ही धर्मसम्मत है।

संस्कार के बारे में :

संस्कारों के प्रमुख प्रकार 16 बताए गए हैं जिनका पालन करना हर हिन्दू का कर्तव्य है। इन संस्कारों के नाम है- गर्भाधान, पुंसवन, सीमंतोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, मुंडन, कर्णवेधन, विद्यारंभ, उपनयन, वेदारंभ, केशांत, सम्वर्तन, विवाह और अंत्येष्टि। प्रत्येक हिन्दू को उक्त संस्कार को अच्छे से नियमपूर्वक करना चाहिए। यह मनुष्य के सभ्य और हिन्दू होने की निशानी है। उक्त संस्कारों को वैदिक नियमों के द्वारा ही संपन्न किया जाना चाहिए।

पाठ करने के बारे में :

वेदों, उपनिषद या गीता का पाठ करना या सुनना प्रत्येक हिन्दू का कर्तव्य है। उपनिषद और गीता का स्वयं अध्ययन करना और उसकी बातों की किसी जिज्ञासु के समक्ष चर्चा करना पुण्य का कार्य है। लेकिन किसी बहसकर्ता या भ्रमित व्यक्ति के समक्ष वेद वचनों को कहना निषेध माना जाता है। प्रतिदिन धर्मग्रंथों का कुछ पाठ करने से देव शक्तियों की कृपा मिलती है। हिन्दू धर्म में वेद, उपनिषद और गीता के पाठ करने की परंपरा प्राचीनकाल से रही है। वक्त बदला तो लोगों ने पुराणों में उल्लेखित कथा की परंपरा शुरू कर दी, जबकि वेदपाठ और गीता पाठ का अधिक महत्व है।

धर्म, कर्म और सेवा के बारे में :

धर्म-कर्म और सेवा का अर्थ यह कि हम ऐसा कार्य करें जिससे हमारे मन और मस्तिष्क को शांति मिले और हम मोक्ष का द्वार खोल पाएं। साथ ही जिससे हमारे सामाजिक और राष्ट्रीय हित भी साधे जाते हों अर्थात ऐसा कार्य जिससे परिवार, समाज, राष्ट्र और स्वयं को लाभ मिले। धर्म-कर्म को कई तरीके से साधा जा सकता है, जैसे- 1.व्रत, 2. सेवा, 3.दान, 4.यज्ञ, 5.प्रायश्चित, दीक्षा देना और मंदिर जाना आदि।

सेवा का मतलब यह कि सर्वप्रथम माता-पिता, फिर बहन-बेटी, फिर भाई-बंधु की किसी भी प्रकार से सहायता करना ही धार्मिक सेवा है। इसके बाद अपंग, महिला, विद्यार्थी, संन्यासी, चिकित्सक और धर्म के रक्षकों की सेवा-सहायता करना पुण्य का कार्य माना गया है। इसके अलावा सभी प्राणियों, पक्षियों, गाय, कुत्ते, कौओं, चींटी आति को अन्न-जल देना- ये सभी यज्ञ कर्म में आते हैं।

दान के बारे में :

दान से इन्द्रिय भोगों के प्रति आसक्ति छूटती है। मन की ग्रंथियां खुलती हैं जिससे मृत्युकाल में लाभ मिलता है। देव आराधना का दान सबसे सरल और उत्तम उपाय है। वेदों में 3 प्रकार के दाता कहे गए हैं- 1.उक्तम, 2.मध्यम और 3. निकृष?टतम। धर्म की उन्नति, रूप, सत्य विद्या के लिए जो देता है, वह उत्तम। कीर्ति या स्वार्थ के लिए जो देता है वह मध्यम और जो वेश ?यागमनादि, भांड, भाटे, पंडे को देता वह निकृष्ट माना गया है। पुराणों में अन्नदान, वस्त्रदान, विद्यादान, अभयदान और धनदान को ही श्रेष्ठ माना गया है, यही पुण ?य भी है।

यज्ञ के बारे में :

यज्ञ के प्रमुख 5 प्रकार हैं- ब्रह्मयज्ञ, देवयज्ञ, पितृयज्ञ, वैश्वदेव यज्ञ और अतिथि यज्ञ। यज्ञ पालन से ऋषि ऋण, देव ऋण, पितृ ऋण, धर्म ऋण, प्रकृति ऋण और मातृ ऋण समाप्त होता है। नित्य संध्यावंदन, स्वाध्याय तथा वेदपाठ करने से ब्रह्म यज्ञ संपन्न होता है। देवयज्ञ सत्संग तथा अग्निहोत्र कर्म से संपन्न होता है। अग्नि जलाकर होम करना अग्निहोत्र यज्ञ है। पितृयज्ञ को श्राद्धकर्म भी कहा गया है। यह यज्ञ पिंडदान, तर्पण और संतानोत्पत्ति से संपन्न होता है। वैश्वदेव यज्ञ को भूत यज्ञ भी कहते हैं। सभी प्राणियों तथा वृक्षों के प्रति करुणा और कर्तव्य समझना व उन्हें अन्न-जल देना ही भूत यज्ञ कहलाता है।

अतिथि यज्ञ से अर्थ मेहमानों की सेवा करना। अपंग, महिला, विद्यार्थी, संन्यासी, चिकित्सक और धर्म के रक्षकों की सेवा-सहायता करना ही अतिथि यज्ञ है। इसके अलावा अग्निहोत्र, अश्वमेध, वाजपेय, सोमयज्ञ, राजसूय और अग्निचयन का वर्णन यजुर्वेद में मिलता है।

मंदिर जाने के बारे में :

प्रति गुरुवार को मंदिर जाना चाहिए। घर में मंदिर नहीं होना चाहिए। मंदिर में जाकर परिक्रमा करना चाहिए। भारत में मंदिरों, तीर्थों और यज्ञादि की परिक्रमा का प्रचलन प्राचीनकाल से ही रहा है। मंदिर की 7 बार (सप्तपदी) परिक्रमा करना बहुत ही महत्वपूर्ण है। यह 7 परिक्रमा विवाह के समय अग्नि के समक्ष भी की जाती है। इसी प्रदक्षिणा को इस्लाम धर्म ने परंपरा से अपनाया जिसे तवाफ कहते हैं। प्रदक्षिणा षोडशोपचार पूजा का एक अंग है। प्रदक्षिणा की प्रथा अतिप्राचीन है। हिन्दू सहित जैन, बौद्ध और सिख धर्म में भी परिक्रमा का महत्व है। इस्लाम में मक्का स्थित काबा की 7 परिक्रमा का प्रचलन है। पूजा-पाठ, तीर्थ परिक्रमा, यज्ञादि पवित्र कर्म के दौरान बिना सिले सफेद या पीत वस्त्र पहनने की परंपरा भी प्राचीनकाल से हिन्दुओं में प्रचलित रही है। मंदिर जाने या संध्यावंदन के पूर्व आचमन या शुद्धि करना जरूरी है। इसे इस्लाम में वुजू कहा जाता है।

संध्यावंदन के बारे में :

संध्यावंदन को संध्योपासना भी कहते हैं। मंदिर में जाकर संधिकाल में ही संध्यावंदन की जाती है। वैसे संधि 8 वक्त की मानी गई है। उसमें भी 5 महत्वपूर्ण हैं। 5 में से भी सूर्य उदय और अस्त अर्थात 2 वक्त की संधि महत्वपूर्ण है। इस समय मंदिर या एकांत में शौच, आचमन, प्राणायामादि कर गायत्री छंद से निराकार ईश्वर की प्रार्थना की जाती है। संध्योपासना के 4 प्रकार हैं- 1.प्रार्थना, 2.ध्यान, 3. कीर्तन और 4.पूजा-आरती। व्यक्ति की जिसमें जैसी श्रद्धा है, वह वैसा करता है।

धर्म की सेवा के बारे में :

धर्म की प्रशंसा करना और धर्म के बारे में सही जानकारी को लोगों तक पहुंचाना प्रत्येक हिन्दू का कर्तव्य होता है। धर्म प्रचार में वेद, उपनिषद और गीता के ज्ञान का प्रचार करना ही उत्तम माना गया है। धर्म प्रचारकों के कुछ प्रकार हैं। हिन्दू धर्म को पढ़ना और समझना जरूरी है। हिन्दू धर्म को समझकर ही उसका प्रचार और प्रसार करना जरूरी है। धर्म का सही ज्ञान होगा, तभी उस ज्ञान को दूसरे को बताना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को धर्म प्रचारक होना जरूरी है। इसके लिए भगवा वस्त्र धारण करने या संन्यासी होने की जरूरत नहीं। स्वयं के धर्म की तारीफ करना और बुराइयों को नहीं सुनना ही धर्म की सच्ची सेवा है।

मंत्र के बारे में :

वेदों में बहुत सारे मंत्रों का उल्लेख मिलता है, लेकिन जपने के लिए सिर्फ प्रणव और गायत्री मंत्र ही कहा गया है, बाकी मंत्र किसी विशेष अनुष्ठान और धार्मिक कार्यों के लिए है। वेदों में गायत्री नाम से छंद है जिसमें हजारों मंत्र हैं किंतु प्रथम मंत्र को ही गायत्री मंत्र माना जाता है। उक्त मंत्र के अलावा किसी अन्य मंत्र का जाप करते रहने से समय और ऊर्जा की बर्बादी है। गायत्री मंत्र की महिमा सर्वविदित है। दूसरा मंत्र है महामृत्युंजय मंत्र, लेकिन उक्त मंत्र के जप और नियम कठिन है इसे किसी जानकार से पूछकर ही जपना चाहिए।

प्रायश्चित के बारे में :

प्राचीनकाल से ही हिन्दुओं में मंदिर में जाकर अपने पापों के लिए प्रायश्चित करने की परंपरा रही है। प्रायश्चित करने के महत्व को स्मृति और पुराणों में विस्तार से समझाया गया है। गुरु और शिष्य परंपरा में गुरु अपने शिष्य को प्रायश्चित करने के अलग-अलग तरीके बताते हैं। दुष्कर्म के लिए प्रायश्चित करना तपस्या का एक दूसरा रूप है। यह मंदिर में देवता के समक्ष 108 बार साष्टांग प्रणाम, मंदिर के इर्द-गिर्द चलते हुए साष्टांग प्रणाम और कावडी अर्थात वह तपस्या, जो भगवान मुरुगन को अर्पित की जाती है, जैसे कृत्यों के माध्यम से की जाती है। मूलत: अपने पापों की क्षमा भगवान शिव और वरुणदेव से मांगी जाती है, क्योंकि क्षमा का अधिकार उनको ही है। जैन धर्म में 'क्षमा पर्व' प्रायश्चित करने का दिन है।

दीक्षा देने के बारे में :

दीक्षा देने का प्रचलन वैदिक ऋषियों ने प्रारंभ किया था। प्राचीनकाल में पहले शिष्य और ब्राह्मण बनाने के लिए दीक्षा दी जाती थी। माता-पिता अपने बच्चों को जब शिक्षा के लिए भेजते थे तब भी दीक्षा दी जाती थी। हिन्दू धर्मानुसार दिशाहीन जीवन को दिशा देना ही दीक्षा है। दीक्षा एक शपथ, एक अनुबंध और एक संकल्प है। दीक्षा के बाद व्यक्ति द्विज बन जाता है। द्विज का अर्थ दूसरा जन्म। दूसरा व्यक्तित्व। सिख धर्म में इसे अमृत संचार कहते हैं।

यह दीक्षा देने की परंपरा जैन धर्म में भी प्राचीनकाल से रही है, हालांकि दूसरे धर्मों में दीक्षा को अपने धर्म में धर्मांतरित करने के लिए प्रयुक्त किया जाने लगा। हिन्दू धर्म से इस परंपरा को ईसाई धर्म ने अपनाया जिसे वे बपस्तिमा कहते हैं। अलग-अलग धर्मों में दीक्षा देने के भिन्न-भिन्न तरीके हैं। यहूदी धर्म में खतना करके दीक्षा दी जाती है।

वेद से निकला षड्दर्शन

वेद और उपनिषद को पढ़कर ही 6 ऋषियों ने अपना दर्शन गढ़ा है। इसे भारत का षड्दर्शन कहते हैं। दरअसल, यह वेद के ज्ञान का श्रेणीकरण है। ये 6 दर्शन हैं- 1.न्याय, 2.वैशेषिक, 3.सांख्य, 4. योग, 5.मीमांसा और 6.वेदांत। वेदों के अनुसार सत्य या ईश्वर को किसी एक माध्यम से नहीं जाना जा सकता। इसीलिए वेदों ने कई मार्गों या माध्यमों की चर्चा की है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

अगले दो दशक तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दबदबा बनाना चाहते हैं वैभव

मुम्बई (एजेंसी)। 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भारतीय टी20 टीम में जगह मिलने पर बेहद खुश हैं। वैभव का कहना है कि उनका लक्ष्य अगले दो दशक तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलना है। इस बल्लेबाज ने एक राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर को दिए गए एक साक्षात्कार में कहा कि वह इस प्रारुप में दबदबा बनाना चाहते हैं। वैभव को घरेलू क्रिकेट के बाद आईपीएल में भी बेहतरीन प्रदर्शन के लिए आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 दौरों के साथ-साथ ही एशियाई खेलों के लिए शामिल किया गया है। अपने लक्ष्यों को लेकर वैभव ने कहा, मैं केवल खेलने नहीं आया हूं। मैं अगले 10 से 20 साल तक प्रभावी प्रदर्शन चाहता हूं। उन्होंने आईपीएल फाइनल के बाद पूर्व कप्तान विराट कोहली के साथ हुई मुलाकात को याद करते हुए कहा जब उन्होंने मेरे कंधे पर हाथ रखा, तो असल में मुझे लग रहा था कि मेरा सपना पूरा हो गया है। यह पल उनके लिए केवल एक मुलाकात से कहीं बढ़कर था, यह एक युवा खिलाड़ी के लिए किसी सपने के सही होने जैसा था।

आईपीएल 2026 के अपने प्रदर्शन को लेकर हुए, वैभव ने माना है कि व्यक्तिगत सफलता के बावजूद कुछ निराशा भी थी। उन्होंने कहा, अगर अंतिम मैच में हम जल्दी विकेट नहीं खोते तो हम आईपीएल 2026 का फाइनल खेल रहे होते। अपनी टीम राजस्थान रॉयल्स के भविष्य के लिए उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हम अधिक से अधिक बार ट्रॉफी जीतना चाहेंगे।साथ ही कहा कि उन्हें लाल गेंद क्रिकेट से भी प्यार है। उन्होंने कहा, मुझे लाल गेंदब वाला क्रिकेट खेलना है क्योंकि मैं इसे पसंद करता हूं। मेरा सपना तीनों प्रारुपों में खेलना है। वैभव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने को लेकर उत्साहित होने के साथ ही आत्मविश्वास से भरे दिखे।

सूर्यकुमार को बाहर नहीं किया गया बल्कि आराम दिया गया है: एमएसके प्रसाद

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व चयनकर्ता एमएसके प्रसाद का कहना है कि सूर्यकुमार यादव को भारतीय टी20 टीम से बाहर किये जाने की बातें गलत हैं। वास्तवकता ये है कि उन्हें आराम दिया गया है। वहीं इससे पहले शनिवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और - इंग्लैंड दौरे के अलावा एशियाई खेलों के लिए भी टीम घोषित कर दी थी पर इसमें सूर्यकुमार को शामिल नहीं किया गया। चयनकर्ताओं ने सूर्यकुमार की जग श्रेयस अय्यर को नया कप्तान भी बना दिया। इससे ये कहा जा रहा है कि सूर्यकुमार का अंतरराष्ट्रीय करियर अब समाप्त हो गया है। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने 2026 टी20 विश्व कप खिताब जीता था पर इस दौरान उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। इसी कारण इस बार उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। वहीं प्रसाद का कहना है कि सूर्यकुमार को जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या की तरह आराम दिया गया है और वह जल्द ही टीम में वापसी करेंगे।

प्रसाद ने कहा, आप अपने विश्वकप विजेता कैप्टन को ऐसे नहीं हटाते। जिस प्रकार से बुमराह और हार्दिक पांड्या को आराम दिया गया है। मेरा मानना है कि उसकी प्रकार से ही सूर्यकुमार को भी आराम दिया गया होगा। उन्होंने आगे कहा, ÷वह बहुत अच्छा और बहुत बड़ा खिलाड़ी है, उसे इस प्रकार से अचानक ही बाहर नहीं किया जा सकता।

दूसरी बोर बोर्ड ने सूर्या को किसी भी दौरे के लिए नहीं रखा है जबकि बुमराह का नाम एशियाई खेलों के लिए शामिल है। इससे साफ है कि चयनसमिति की भविष्य की योजनाओं में सूर्यकुमार शामिल नहीं हैं। इसका एक कारण उनका अनकी बढ़ती उम्र को भी माना जा रहा है।

शुभमन को टी20 टीम से बाहर रखने का कारण सामने आया

-बीसीसीआई चाहता है कि अभी एकदिवसीय विश्वकप पर ही ध्यान दें

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम के नये कप्तान की दौड़ में शुभमन गिल को प्रमुख दावेदार माना जा रहा था पर उनकी जगह पर श्रेयस अय्यर को कप्तानी मिल गयी। इस पर कई प्रशंसकों का हैरान भी हुई क्योंकि शुभमन ने हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल में 700 से अधिक रन बनाये थे। वहीं अब उन्हें टी20 टीम की कप्तानी नहीं दिये जाने का कारण सामने आया है।

चयन समिति ने शुभमन कहा दिया था कि अभी वह 2027 एकदिवसीय विश्व कप तक टेस्ट और एकदिवसीय मुकाबलों तक ही सीमित रहें। जिससे वह बड़े आईसीसी टूर्नामेंटों के लिए तरोताजा बने रहें। चयनकर्ताओं को लगता था कि अगर शुभमन तीनो प्रारुपों की कप्तानी करेंगे तो उन्हें थकान होने की आशंका है क्योंकि भारतीय टीम का अगले 18 महीने का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है।

गौरतलब है कि गिल को 2027 विश्व कप शुरू होने से पहले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के नौ टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी करनी है और करीब 35 एकदिवसीय भी खेलने हैं। इसके अतिरिक्त, वह आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के कप्तान भी हैं। ऐसे में उन्हें टेस्ट और एकदिवसीय विश्व कप के लिए पूरी तरह से फिट और केंद्रित रखना जरुरी है। इसी कारण चयनकर्ता उन्हें सभी प्रारूपों में एक साथ खेलने के बोझ से बचाना चाहते हैं जिससे उनकी फॉर्म और फिटनेस प्रभावित न हो और वह बड़े मुकाबलों में प्रभावी भूमिका निभा सकें।

इसके अलावा, वर्तमान टी20 टीम में शीर्ष क्रम में संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और पदार्पण करने जा रहे वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ी पहले से ही मौजूद हैं। ऐसे में किसी और बल्लेबाज को शीर्ष क्रम बल्लेबाज को शीर्ष क्रम में शामिल करना टीम संतुलन को बिगाड़ देगा। शुभमन की कमजोर आईपीएल फॉर्म को देखते हुए, उन्हें टी20 टीम से बाहर रखने का मुख्य कारण भविष्य को देखते हुए बनायी गयी रणनीतिक प्राथमिकता ही है, न कि प्रदर्शन।

इसी कारण शुभमन को टी20 प्रारुप में शामिल नहीं किया गया है पर माना जा रहा है कि साल 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक या ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उन्हें फिर से इस प्रारूप में शामिल किया जा सकता है। साल 2028 में होने वाले दो बड़े टी20 टूर्नामेंट के लिए अभी काफी समय है। ऐसे में शुभमन का ध्यान निकट भविष्य के मुकाबलों पर है।

भारत के पहली पारी के 564 रनों के जवाब में अफगानिस्तान ने 113 रनों पर ही पांच विकेट गंवाये

- राहुल के बाद शुभमन ने भी लगाया शतक

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। शुभमन गिल और केवल राहुल के शानदार शतकों और ऋषभ पंत के अर्धशतक की सहायता से भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी आठ विकेट पर 564 रनों पर घोषित कर दी। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहले पारी में पांच विकेट पर केवल 113 रन ही बनाये। दिन का खेल समाप्त होने के समय रहमत शाह 41 रनों पर खेल रहे थे। वहीं अन्य बल्लेबाज सस्ते में ही सिमट गये।

इस प्रकार अफगान टीम भारतीय टीम से पहली पारी के आधार पर 451 रनों से पीछे हैं। भारत की ओर से पदार्पण कर रहे गेंदबाज मानव सुथार ने केवल 21 रन देकर तीन खिलाड़ियों को आउट किया। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा ने दो विकेट लिए।

इससे पहले आज पूरे दिन भारतीय बल्लेबाज और गेंदबाज हावी रहे। भारत ने 368/3 से आगे खेलना शुरु किया।

भारतीय टीम की ओर से कप्तान शुभमन गिल ने 126 रन की बेहतरीन पारी खेली जबकि केएल राहुल ने 100 रन बनाए। वॉशिंगटन सुंदर 52 रन बनाकर नाबाद रहे।

पहले दिन की तरह ही भारतीय बल्लेबाजों ने दूसरे दिन भी जमकर रन बनाये। पहले दिन जहां केएल राहुल ने शतक लगाय था, वहीं दूसरे दिन कप्तान शुभमन ने कप्तानी पारी खेलकर 126 रन बनकार स्कोर आगे बढ़ाया। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे साई सुदर्शन ने भी 81 रन बनाए और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

दूसरे दिन आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ ने अपने स्वाभाविक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 81 रन बनाए। इसके अलावा मानव सुथार ने दो छक्के लगाकर 28 रन बनाये। वहीं जबकि मोहम्मद सिराज ने सिर्फ 12 गेंदों में 22 रन बना दिये। कुलदीप यादव 9 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे भारतीय टीम ने 564 रन का विशाल स्कोर बनाया।

वहीं अफगान टीम की ओर से सलीम सफी ने 140 रन देकर सबसे अधिक छह विकेट लिए। सफी ने नई गेंद से शानदार गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। वहीं हशमतुल्लाह शाहिदी ने एक विकेट लिया।

भारतीय टी20 टीम की कप्तानी मिलने से सम्मानित अनुभव कर रहा : श्रेयस अय्यर

मुम्बई । भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनाये जाने से श्रेयस अय्यर बेहद खुश है। श्रेयस ने कहा कि वह कप्तानी दिये जाने से सम्मानित अनुभव कर रहे हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समितिन ने शनिवार को हुई बैठक में सूर्यकुमार यादव की जगह पर अय्यर को नय कप्तान घोषित कर दिया था। कप्तानी की जिम्मेदारी मिलने से अय्यर ने कहा कि उन्हें गर्व का अनुभव हो रहा है। मुंबई टी20 लीग में सोबो मुंबई फाल्कन्स की ओर से खेल रहे श्रेयस ने कहा कहा, यह बहुत अच्छा एहसास है और इस स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करना और टीम की कप्तानी करना सम्मान की बात है। अय्यर ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए आगे कहा कि उन्होंने उसी दिन अपनी टीम के लिए महत्वपूर्ण रन बनाए और जीत दिलाई। इससे राष्ट्रीय टीम की कमान संभालने से पहले उनका आत्मविश्वास और बढ़ा है।

जब उनसे उन प्रशंसकों के लिए कोई संदेश देने को कहा गया जिन्होंने वर्षों से उनका समर्थन किया है, तो श्रेयस ने स्वीकार किया कि उन्हें प्रशंसकों से अपार प्यार मिला है। उन्होंने कहा, मुझे प्रशंसक बहुत पसंद हैं - जिस तरह से उन्होंने मेरा समर्थन किया है और इतने सालों में अपना योगदान दिया है। मुझे लगता है कि यह बहुत बड़ी बात है, और मैं उन पर अपना प्यार और सम्मान बरसाना चाहता हूं। उन्होंने अपने प्रशंसकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और उनके निरंतर समर्थन के महत्व पर जोर दिया। वहीं, कप्तानी में इस महत्वपूर्ण बदलाव की आधिकारिक घोषणा के बाद, निवर्तमान कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी उन्हें बधाई दी।। सूर्यकुमार ने इस घटनाक्रम को मुंबई क्रिकेट के लिए एक गर्व का क्षण भी बताया।

श्रेयस अय्यर सफल कप्तान साबित होंगे : रोहित

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 प्रारुप के लिए कप्तान बनाये गये श्रेयस अय्यर की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनमें वो सभी खूबियां है जो सफल कप्तान में होनी चाहिये। ऐसे में कप्तान के तौर पर उनका कार्यकाल सफल रहेगा। रोहित के अनुसार कप्तान के तौर पर उन्हें आईपीएल और घरू क्रिकेट में अच्छा अनुभव है जो उनके काम आयेगा। उन्होंने कहा है कि अय्यर भारतीय टीम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और देश के भावी कप्तान के रूप में एक शानदार कार्यकाल बिताएंगे। रोहित ने कहा कि श्रेयस को आईपीएल कप्तानी के अनुभवों का भी लाभ मिलेगा। रोहित ने कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स को 2024 का खिताब जिताने और फिर 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाने के उनके अच्छे रिकॉर्ड को देखते हुए, उन्हें पूरा विश्वास है कि वह भारतीय टीम की कप्तान संभालने के लिए तैयार हैं। टी20 मुंबई लीग के ब्रांड एंबेसडर बने रोहित ने कहा, मुझे भरोसा है कि पिछले कुछ साल में उन्होंने अपनी फ्रेंचाइजी के लिए जिस तरह से कप्तानी की है, उसे देखते हुए उनका समय अच्छा रहेगा। रोहित ने कहा कि मुंबई के क्रिकेटरों के लिए कुछ भी आसान नहीं होता क्योंकि मुकाबला कड़ा होता है। उन्होंने कहा, देखिए, मुंबई में खेलना और मुंबई का प्रतिनिधित्व करना आपको बहुत कुछ सिखाता है क्योंकि यहां कुछ भी आसानी से नहीं मिलता। रोहित ने स्पष्ट किया कि कप्तानी ऐसी चीज है जिसे हासिल करना पड़ता है और अपने आसपास के लोगों का सम्मान पाना होता है, और अय्यर के पास ये सभी खूबियां मौजूद हैं।

2027 विश्व कप हेतु विकेटकीपिंग को लेकर पठान ने रखा अपना पक्ष

नई दिल्ली । भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने 2027 क्रिकेट विश्व कप को लेकर भारतीय टीम की संभावित विकेटकीपिंग रणनीति पर अपने विचार साझा किए हैं। उनका मानना है कि आगामी विश्व कप के लिए केएल राहुल और ईशान किशन भारत की पहली पसंद के विकेटकीपर-बल्लेबाज हो सकते हैं। साथ ही उन्होंने संजू सैमसन को भी एक मजबूत विकल्प बताया है। दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे की संयुक्त मेजबानी में होने वाले 2027 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के पास विकेटकीपर की भूमिका निभाने वाले कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन के सामने चयन को लेकर दिलचस्प चुनौती रहने वाली है। एक बातचीत के दौरान इरफान पठान ने कहा कि उनकी प्राथमिकता सूची में केएल राहुल सबसे ऊपर हैं। उनके अनुसार राहुल एक ऐसे विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं जो मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने के साथ-साथ टीम की जरूरत के अनुसार विभिन्न भूमिकाएं निभा सकते हैं। पठान ने राहुल को बहुमुखी खिलाड़ी बताते हुए कहा कि वह टीम संतुलन के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण हैं। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर का मानना है कि ईशान किशन भी विश्व कप योजनाओं का अहम हिस्सा हो सकते हैं। उनके मुताबिक टीम को ऐसे बल्लेबाज की जरूरत होती है जो शीर्ष क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी कर सके और तेज गेंदबाजों की शॉर्ट गेंदों का प्रभावी ढंग से सामना कर सके। इस कारण ईशान किशन को भी मजबूत दावेदार माना जाना चाहिए। हालांकि पठान ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि टीम में अतिरिक्त स्थान उपलब्ध होता है तो संजू सैमसन को अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सैमसन ने जब भी वनडे क्रिकेट में मौका पाया है, उन्होंने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। उनके अनुसार संजू अब पहले की तुलना में अधिक परिपक्व बल्लेबाज बन चुके हैं और दबाव की परिस्थितियों में लंबी पारियां खेलने की क्षमता विकसित कर चुके हैं। संजू सैमसन का वनडे रिकॉर्ड भी उनके पक्ष में जाता है। उन्होंने अब तक 16 एकदिवसीय मुकाबलों में 56.66 की शानदार औसत और लगभग 100 के स्ट्राइक रेट से 510 रन बनाए हैं। सीमित अवसरों के बावजूद उनका प्रदर्शन लगातार प्रभावशाली रहा है। दूसरी ओर केएल राहुल पिछले कुछ वर्षों में भारत के प्रमुख विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में स्थापित हुए हैं।

गुलाबी गेंद के इस्तेमाल के पक्ष में गौतम गंभीर: बोले- मैच का नतीजा निकलना सबसे जरूरी

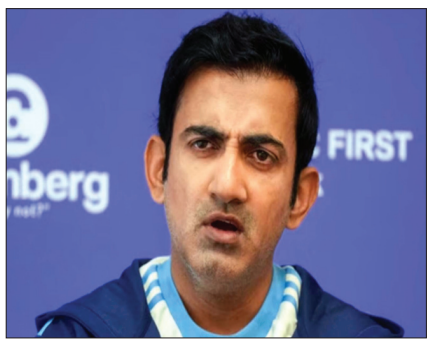

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट क्रिकेट में खराब रोशनी की स्थिति से निपटने के लिए गुलाबी गेंद के इस्तेमाल का समर्थन किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा हाल ही में लिए गए फैसले का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि यदि किसी मैच का परिणाम निकालने का अवसर मौजूद हो तो उसे हर हाल में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। टेस्ट क्रिकेट में अक्सर खराब रोशनी के कारण खेल रोकना पड़ता है, जिससे मैच का समय प्रभावित होता है और कई बार नतीजा भी नहीं निकल पाता। इसी समस्या के समाधान के लिए आईसीसी ने एक नया प्रयोग मंजूर किया है। इसके तहत पारंपरिक लाल गेंद से शुरू होने वाले टेस्ट मैचों में यदि रोशनी की समस्या पैदा होती है और दोनों टीमें सहमत हों, तो फ्लडलाइट की रोशनी में गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य खेल के अधिक से अधिक ओवर पूरे कराना और मैच को परिणाम तक पहुंचाने की संभावना बढ़ाना है।

आईसीसी बोर्ड की हालिया बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। नया नियम एक अक्टूबर से लागू होगा। इसके तहत लाल गेंद से खेल शुरू होगा, लेकिन रोशनी कम होने की स्थिति में गुलाबी गेंद का उपयोग कर मैच जारी रखा जा सकेगा। हालांकि इसके लिए दोनों टीमों की सहमति अनिवार्य होगी। अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच से पहले मीडिया से बातचीत में गौतम गंभीर ने कहा कि उन्हें यह फैसला बेहद पसंद आया है। उनके अनुसार क्रिकेट का उद्देश्य केवल खेलना नहीं बल्कि परिणाम तक पहुंचना भी है। उन्होंने कहा कि यदि परिस्थितियां अनुमति देती हैं और दोनों टीमें तैयार हैं तो मैच को बीच में रोकने के बजाय वैकल्पिक व्यवस्था अपनाई जानी चाहिए। गंभीर ने इस फैसले के पीछे व्यावहारिक पहलुओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत को अगले वर्ष फरवरी-मार्च में घरेलू मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेलनी है। इस श्रृंखला के कुछ मुकाबले पूर्वी भारत के शहरों में प्रस्तावित हैं, जहां सूर्यास्त अपेक्षाकृत जल्दी होता है। ऐसे में खराब रोशनी के कारण खेल प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि कोई टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में हो और आखिरी टेस्ट मैच खराब रोशनी के कारण बिना नतीजे के समाप्त हो जाए, तो यह खेल और टीम दोनों के लिए निराशाजनक स्थिति होगी। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि एक ही मैच में लाल गेंद से गुलाबी गेंद में बदलाव खिलाड़ियों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना भी जरूरी है।

श्रेयस की जगह शुभमन को बनाया जाना चाहिये था कप्तान : मांजरेकर

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि श्रेयस अय्यर की जगह पर शुभमन गिल को भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनाया जाता तो बेहतर रहता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने शनिवार को सूर्यकुमार यादव को हटाकर श्रेसस को कप्तानी सौंप दी थी। इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मांजरेकर ने कहा था कि शुभमन के पास अधिक काबिलियत और अनुभव है। वह 6 महीने पहले तक टी20 प्रारुप में शामिल थे पर अब उन्हें बाहर कर दिय गया है। श्रेयस को आयरलैंड के खिलाफ दो मैच, इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच और फिर एशियन गेम्स के लिए टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि श्रेयस ने करीब 3 साल से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने आईपीएल में 500 रन बनाये थे, वहीं शुभमन दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। उन्होंने 732 रन बनाए थे। मांजरेकर ने कहा है कि टी20 इस बार ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला जाएगा, जहां शुभमन का रिकार्ड काफी अच्छ रहा है। इसके अलवा उनका तकनीक भी इन देशों में सफल रहती। की टेक्निक अच्छी हो सकती है। मांजरेकर ने कहा, 'श्रेयस को कप्तानी दिया जाना हैरानी की बात है। उन्हें पिछले कुछ महीनों से टी20 दल में जगह तक नहीं मिल पा रही थी जबकि अब उन्हें सीधे तौर पर ही कप्तानी दे दी है। वहीं होता ये है कि किसी भी खिलाड़ी को पहले उपकप्तानी दी जाती है। वहीं जगह पक्के पर कप्तान बनाया जाता है। मुझे लगता है कि शुभमन में लंबे समय टी20 कप्तान बनने के लिए श्रेयस से बेहतर योग्यता है।' ऐसे में मेरा मानना है कि शुभमन को कप्तान बनाया जाता तो अधिक बेहतर होता।

वैभव सूर्यवंशी को टेस्ट खेलना चाहिए, लेकिन थोपना नहीं चाहिए : रविचंद्रन अश्विन

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट के भविष्य, युवा खिलाड़ियों की सोच और आधुनिक क्रिकेट की चुनौतियों पर खुलकर अपने विचार रखे हैं। अश्विन ने कहा कि युवा प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी को टेस्ट क्रिकेट जरूर खेलना चाहिए, लेकिन किसी खिलाड़ी पर इस प्रारूप को थोपना उचित नहीं होगा। अश्विन ने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर वह मानते हैं कि वैभव सूर्यवंशी जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को टेस्ट क्रिकेट में अपनी क्षमता आजमानी चाहिए क्योंकि यह खेल का सर्वोच्च प्रारूप है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि किसी युवा खिलाड़ी को वह रास्ता अपनाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता जिसे वह स्वयं नहीं चुनना चाहता। उनके अनुसार आज का क्रिकेट माहौल और बदलती प्राथमिकताएं खिलाड़ियों की सोच को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर कोचिंग के दौरान उन्होंने शायद ही किसी युवा क्रिकेटर को रेड बॉल क्रिकेट खेलने की तीव्र इच्छा के साथ आते देखा हो। अधिकांश खिलाड़ी जल्दी से आक्रामक शॉट सीखना चाहते हैं और सीमित ओवरों के क्रिकेट की ओर आकर्षित होते हैं। टेस्ट क्रिकेट के भविष्य को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए अश्विन ने कहा कि इस प्रारूप को समय के साथ विकसित होने की जरूरत है। उनका मानना है कि टेस्ट टीम में जगह बनाने का प्रमुख आधार प्रथम श्रेणी क्रिकेट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन कई उत्कृष्ट प्रथम श्रेणी खिलाड़ी अवसरों के अभाव में राष्ट्रीय टीम तक नहीं पहुंच पाते। ऐसे में सवाल यह है कि युवा खिलाड़ी वर्षों तक घरेलू क्रिकेट को समर्पित क्यों रहें, जब उन्हें पर्याप्त आर्थिक लाभ और अवसर नहीं मिलते। अश्विन के अनुसार टेस्ट क्रिकेट केवल भारत की नहीं बल्कि वैश्विक चुनौती बन चुका है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को लंबे दौरों, लगातार यात्रा, चार दिवसीय और पांच दिवसीय मैचों तथा शारीरिक दबाव का सामना करना पड़ता है, जबकि सीमित ओवरों के क्रिकेट में कम समय में अधिक कमाई की संभावना रहती है। इसके बावजूद उन्होंने कहा कि किसी रोमांचक टेस्ट मैच में जीत का जो संतोष मिलता है, उसकी तुलना किसी अन्य प्रारूप से नहीं की जा सकती। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि यदि क्रिकेट प्रशासक वास्तव में टेस्ट क्रिकेट को मजबूत बनाना चाहते हैं तो युवा खिलाड़ियों को ऐसे कोचों के मार्गदर्शन में तैयार किया जाना चाहिए जो पारंपरिक क्रिकेट मूल्यों को महत्व देते हों।

शमी ने बंगाल प्रो टी20 लीग में हैट्रिक लगाकर सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स को जीत दिलायी

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी करने में असफल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने बंगाल प्रो टी20 लीग में हैट्रिक लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। शमी ने इस लीग में सर्वोटेक सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स की ओर से खेलते हुए शमी ने टूर्नामेंट की पहली हैट्रिक लेकर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। उनके इस असाधारण प्रदर्शन से सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स ने श्राची राढ़ टाइगर्स को 24 रनों से हरा दिया। शमी ने लगातार तीन विकेट लेकरउनक प्रदर्शन, फॉर्म और फिटनेस पर सवाल उठाने वालों को करारा जवाब दिया है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सर्वोटेक सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स ने तेजी से खेलते हुए 20 ओवरों में केवल 4 विकेट के नुकसान पर 208 रन बना दिये। युवा बल्लेबाज विशाल भाटी ने केवल 46 गेंदों में 86 रन बना दिये। उनकी इस पारी में 5 चौके और 6 छक्के शामिल थे, जिसने। भाटी के अलावा करण लाल ने 39 रनों की पारी खेली। वहीं प्रमोद चंदीला ने केवल 16 गेंदों में नाबाद 36 रन बनाकर टीम को 200 रनों के ऊपर पहुंचाय। शमी ने दो गेंदों पर 8 रन बनाये। इसके बाद 209 रनों के कठिन लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्राची राढ़ टाइगर्स ने भी आक्रामक शुरुआत की। उसके सलामी बल्लेबाजों ने तेजी से रन बनाये। शुभम डे ने 25 गेंदों पर 48 रन जबकि राहुल प्रसाद ने भी 26 गेंदों में 44 रन बना दिय। टीम तेजी से लक्ष्य की ओर बढ़ रही थी तभी लगातार अंतराल पर विकेट गिरने से उनकी लय बिगड़ गयी। टीम बड़ी साझेदारियां बनाने में विफल रही और यही जिससे उसे हार का सामना करना पड़ा।

भारत के लिए खेलना सपना सच होने जैसा है, घरेलू क्रिकेट में की गई मेहनत रंग लाई:मानव सुथार

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवा मानव सुथार के लिए अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में पहली बार भारतीय टीम में जगह बनाना सपने के सच होने जैसा है जिन्होंने गली-मोहल्लों में क्रिकेट का ककहरा सीखा और लगातार हतोत्साहित किए जाने के बावजूद क्रिकेट को करियर के रूप में चुना। राजस्थान के इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने घरेलू क्रिकेट और भारत ए की तरफ से लगातार अच्छे प्रदर्शन के बलबूते पर भारतीय टीम में जगह बनाई।

सुथार ने जियोस्टार पर कहा, 'क्रिकेट हमेशा से मेरे परिवार का एक अहम हिस्सा रहा है। मेरे पिताजी को क्रिकेट बहुत पसंद है और घर में सभी लोग नियमित रूप से मैच देखते हैं। बचपन में मैं भी उनके साथ बैठकर मैच देखा करता था। यहीं से क्रिकेट के प्रति मेरी दिलचस्पी बढ़ी। मैंने अपने दोस्तों के साथ गलियों में खेलना शुरू किया। गली क्रिकेट में मैंने इस खेल का ककहरा सीखा जैसे बल्ला पकड़ना और गेंदबाजी करना।'

उन्होंने कहा, 'जब मैं 10 या 11 साल का था, तब मैंने एक अच्छी क्रिकेट अकादमी में प्रवेश लिया तथा कोच धीरज सर और विनोद सर के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेना शुरू किया। उन्होंने मुझे सही तकनीक सिखाई और मेरे खेल को बेहतर बनाने में मदद की।' सुथार ने कहा, 'मुझे पहली बड़ी सफलता तब मिली जब मैं अंडर-14 वर्ग में राजस्थान के लिए खेला। उससे मुझे काफी प्रेरणा मिली और मुझे लगा कि मैं क्रिकेट को अपना करियर बना सकता हूं।'

मानव के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने तक का सफर आसान नहीं रहा लेकिन टीम में एक स्थान के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए उन्होंने हौसला नहीं खोया और मेहनत करते रहे। उन्होंने कहा, 'भारत जैसे बड़ी जनसंख्या वाले देश में क्रिकेट में सफल होना कभी आसान नहीं होता। कुछ ही स्थान के लिए कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा करते हैं। मुझे भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। कई लोगों ने मुझे अपनी पढ़ाई पर ध्यान देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में कोई संभावना नहीं है और मैं अपना समय बर्बाद कर रहा हूं।'

मानव ने कहा, 'लेकिन मैंने हार नहीं मानी। मैं लगातार कड़ी मेहनत करता रहा। मुझे भारतीय टीम में चुने जाने की उम्मीद थी। यह इंतजार का खेल था और मैंने धैर्य बनाए रखा।' सुथार ने 2022-23 रणजी ट्रॉफी से ही लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने अब तक 29 प्रथम श्रेणी के मैचों में 129 विकेट लिए हैं। उन्होंने बल्लेबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया और खुद को एक ऑलराउंडर के रूप में स्थापित किया। उनके नाम पर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अभी तक एक शतक

और छह अर्धशतक दर्ज हैं।'

मानव ने 2024 में गुजरात टाइटन्स के साथ टी20 में पदार्पण किया, लेकिन उस सत्र में केवल एक मैच खेला। उन्हें 2025 में खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन 2026 में उन्होंने चार मैच खेले। उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम में जगह बनाकर अच्छा लग रहा है। घरेलू क्रिकेट और भारत ए के लिए की गई सारी मेहनत रंग लाई है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। सारी कुर्बानियों का आखिरकार फल मिल गया। मैं देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हूं।'

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (सोमवार)
08 जून 2026

इंडस्ट्री में मेरा शुरुआती दौर बहुत मुश्किलों भरा था

मनोरंजन जगत की चकाचौंध भरी दुनिया में नाम बनाना आसान नहीं है। किस्मत और मेहनत के दम पर काम तो मिल जाता है, लेकिन इंडस्ट्री की थका देने वाली भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी के कारण कई लोग यहां से दूरी बना लेते हैं। ऐसा ही कुछ अनुभव अभिनेत्री ईशा सिंह के साथ हुआ था। अभिनेत्री ईशा सिंह ने बातचीत में बताया कि उनका शुरुआती सफर बेहद मुश्किलों और चुनौतियों से भरा रहा था। अभिनेत्री ने शुरुआती दिनों के संघर्ष को याद करते हुए बताया, 'मेरा शुरुआती दौर यकीनन बहुत मुश्किलों भरा था। एक वक्त तो ऐसा भी था, जब परेशान होकर मैंने अपना पहला शो बीच में ही छोड़ दिया था और वापस अपने घर भोपाल चली गई थी, लेकिन मेरा मानना है कि भगवान ने मेरे लिए कुछ और ही सोच रखा था। उनकी कृपा और मेरी मेहनत की वजह से ही आज मैं इस मुकाम पर खड़ी हूं।' हालांकि, ईशा ने ये भी स्पष्ट किया कि इंडस्ट्री में उन्हें लोगों का भी बहुत साथ मिला और कभी आउटसाइडर जैसा महसूस नहीं हुआ। अभिनेत्री ईशा सिंह कई म्यूजिक वीडियोज और रियलिटी शो बिग-बॉस में भी नजर आ चुकी हैं, जहां उन्हें दर्शकों से प्यार मिला, तो कई बार ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा। ट्रोलिंग को लेकर अभिनेत्री का कहना है, 'रियलिटी शोज आपको जनता के सामने एक खुली किताब की तरह रख देते हैं। लोग लगातार आपकी आलोचना करते हैं, लेकिन अब मैंने सीख लिया है कि इन नकारात्मक बातों का खुद पर असर न होने दूं। आज मैं मानसिक और भावनात्मक, दोनों ही स्तर पर पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो चुकी हूं। जब अभिनेत्री ईशा सिंह से पूछा, 'खबरें हैं कि आप अपने आने वाले किसी प्रोजेक्ट में एक 'ऑटिस्टिक' किरदार निभाती हुई नजर आ सकती हैं।

आपको इस तरह के संवेदनशील विषयों की ओर क्या चीज आकर्षित करती है?

अभिनेत्री ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'यह एक बहुत ही खूबसूरत प्रोजेक्ट है और सही समय आने पर मैं इसके बारे में जरूर बात करूंगी, लेकिन अभी के लिए, मेरा पूरा ध्यान सिर्फ और सिर्फ अपनी फिल्म 'ऑब्सेस' पर ही केंद्रित है। यह एक इमोशनल और बेहद प्रभावशाली फिल्म है और मैं चाहती हूं कि दर्शक इसे सिनेमाघरों में जाकर जरूर देखें।'

मलयालम फिल्मों में काम नहीं करना चाहतीं जाह्नवी

हिंदी के साथ ही साउथ की फिल्मों में काम कर चुकीं जाह्नवी कपूर ने कहा कि वह दोबारा मलयालम सिनेमा में काम नहीं करना चाहती हैं। उन्होंने इसके पीछे की वजह भी बताई। हाल ही में फिल्म 'परम सुंदरी' में काम करने के बाद उन्होंने माना कि मलयालम भाषा उनके लिए काफी मुश्किल साबित हुई। जाह्नवी कपूर ने को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि साल 2024 में तेलुगु फिल्म 'देवराः पार्ट 1' से दक्षिण भारतीय सिनेमा में डेब्यू करने के बाद अब वे खुद को कई भाषा जानने वाली अभिनेत्री मानती हैं। उन्होंने बताया, 'सच कहूं तो मुझे सभी भाषाएं सीखनी हैं। लेकिन मलयालम भाषा की फोनेटिक्स (उच्चारण) मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रही। मुझे नहीं लगता कि मुझे दोबारा मलयालम में काम करना चाहिए क्योंकि यह मेरे लिए बहुत मुश्किल है। यह बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन तमिल और तेलुगु की आवाजों से मैं काफी हद तक परिचित हूं।' साल 2018 में फिल्म 'धड़क' से करियर की शुरुआत करने वाली जाह्नवी कपूर 'गुंजन सक्सेना', 'मिली' और 'देवराः पार्ट 1' जैसी फिल्में दे चुकी हैं। जाह्नवी तेलुगु फिल्मों का भरपूर आनंद ले रही हैं और तमिल सिनेमा में भी काम करने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा, 'मैं तेलुगु फिल्मों में काम करने का सच में आनंद ले रही हूं। मैं तमिल फिल्मों में भी काम करना चाहूंगी।' 'पेड्डी' एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। ट्रेलर में गांव की जिंदगी, मेहनत, संघर्ष और खेलों के प्रति जुनून साफ दिखाई दे रहा है। राम चरण एथलीट 'पेड्डी' की भूमिका में हैं, जो क्रिकेट, कुश्ती और दौड़ जैसे कई खेलों के लिए मैदान में उतरता है। वर्तमान में जाह्नवी तेलुगु फिल्म 'पेड्डी' की रिलीज की तैयारी में व्यस्त हैं। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी इस फिल्म में जाह्नवी के साथ राम चरण लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म में मजबूत सपोर्टिंग कास्ट भी है, जिसमें शिव राजकुमार, दिव्येंदु और बोमन ईरानी शामिल हैं। फिल्म गांव के माहौल, एक्शन और भावनात्मक कहानी का रोमांचक मिश्रण है।

5 जुलाई को गौरी स्प्रैट संग शादी कर सकते हैं आमिर खान!

बॉलीवुड के 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' आमिर खान एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आमिर खान अपनी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ तीसरी शादी करने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि दोनों 5 जुलाई को विवाह बंधन में बंध सकते हैं। आमिर के करीबी सूत्रों के अनुसार, यह शादी बेहद सादगीपूर्ण तरीके से की जाएगी। दोनों परिवार के सदस्यों और कुछ करीबी दोस्तों की मौजूदगी में घर पर ही रजिस्टर्ड मैरिज करेंगे। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि शादी के बाद फिल्म इंडस्ट्री के लिए किसी भव्य रिसेप्शन का आयोजन नहीं किया जाएगा। हालांकि, इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। रिश्ते को सार्वजनिक करने के बाद से गौरी स्प्रैट कई मौकों पर आमिर खान के साथ नजर आ चुकी हैं। गौरी एक सात वर्षीय बेटे की मां हैं। बताया जाता है कि आमिर और गौरी लगभग 25 वर्षों से एक-दूसरे को जानते हैं और लंबे समय तक दोस्त रहने के बाद दोनों ने अपने रिश्ते को नया नाम देने का फैसला किया। गौरतलब है कि मार्च 2025 में अपने 60वें जन्मदिन के अवसर पर आमिर खान ने मीडिया के सामने गौरी स्प्रैट को अपनी पार्टनर के रूप में परिचित कराया था। इस दौरान उन्होंने बताया था कि दोनों करीब 25 साल से दोस्त हैं, लेकिन कुछ समय पहले ही उनके बीच प्रेम संबंध की शुरुआत हुई। अगर आमिर और गौरी शादी करते हैं, तो यह अभिनेता की तीसरी शादी होगी। आमिर की पहली शादी रीना दत्ता से हुई थी, जिनसे उनके दो बच्चे जुनैद खान और ईरा खान हैं। वर्ष 2002 में दोनों का तलाक हो गया था। इसके बाद आमिर ने वर्ष 2005 में किरण राव से दूसरी शादी की। इस विवाह से उनका एक बेटा आजाद राव खान है। आमिर और किरण ने वर्ष 2021 में अलग होने का फैसला किया था। हालांकि, आमिर और गौरी की शादी को लेकर आधिकारिक पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है।

बाबिल खान ने मलयालम फिल्म इंडस्ट्री को बताया बेमिसाल

अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान मलयालम सिनेमा में कदम रखने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अपनी पहली मलयालम फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन जाने-माने फिल्ममेकर बाबू जनार्दन कर रहे हैं। यह बाबिल खान के अभिनय करियर में एक नए दौर की शुरुआत है। अपकमिंग फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' में अपर्णा बालमुरली, दीपक परंबोल, निखिल नायर, जॉनी एंटनी, जगदीश, सुधीर करमना, आथमिया राजन और जयशंकर जैसे कलाकार होंगे। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के बारे में बात करते हुए, बाबिल ने बताया कि वह हमेशा से मलयालम सिनेमा और उसकी कहानी कहने के अंदाज से प्रभावित हैं। बाबिल ने की मलयालम सिनेमा की तारीफ उन्होंने कहा 'मलयालम सिनेमा ने हमेशा मेरे दिल में एक बहुत ही खास जगह बनाई है। यहां कहानियां जिस ईमानदारी, संवेदनशीलता और भावनात्मक गहराई के साथ कही जाती हैं, वह बेमिसाल है। सिलीगुड़ी में 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग शुरू करना मेरे लिए बेहद रोमांचक और रचनात्मक है।' पिछले कुछ वर्षों में, बाबिल खान ने अपने अनोखे और भावनात्मक रूप से गहरी परफॉर्मेंस के दम पर अपनी एक खास पहचान बनाई है। उन्हें आखिरी बार साइबर थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' में देखा गया था। इसके अलावा, एक्टर को 'कला', 'फ्राइडे नाइट प्लान' और 'द रेलवे मेन' जैसी फिल्मों और सीरीज में अपने काम के लिए भी काफी तारीफ मिली है।

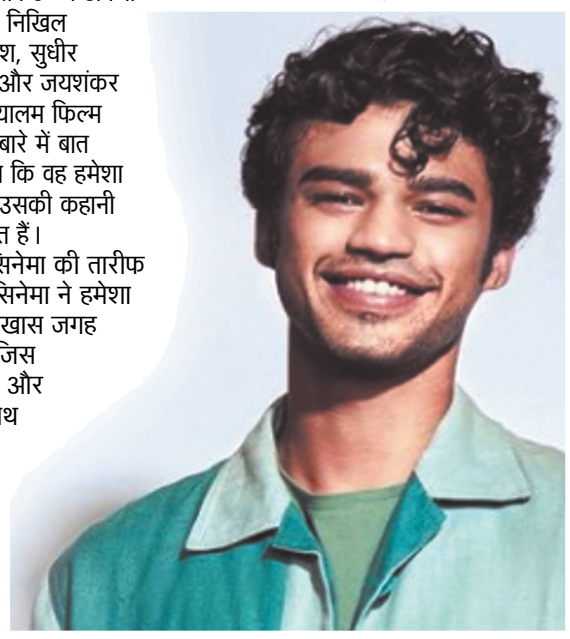

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईशान का जलवा

अभिनेता ईशान खट्टर हॉलीवुड अभिनेत्री क्रिस्टन स्टीवर्ट और अन्य कई जाने-माने नामों के साथ बियारित्ज फिल्म फेस्टिवल के चौथे एडिशन में जूरी पैनल में शामिल होंगे। यह घोषणा खुद फिल्म फेस्टिवल की ओर से की गई है। ईशान के साथ-साथ फ्रांसीसी निर्देशक, स्क्रिप्ट राइटर और एडिटर नाथन एम्ब्रोसियोनी, फ्रांसीसी अभिनेत्री सूजी बेम्बा, कनाडाई अभिनेत्री व्हिटनी पीक और अन्य लोग भी शामिल होंगे।

ईशान खट्टर के इंटरनेशनल करियर की शुरुआत उनकी पहली फिल्म 'बियॉन्ड द क्लाउड्स' से ही हो गई थी। इसे 2018 में ईरानी फिल्म निर्माता माजिद मजीदी ने निर्देशित किया था। इसके बाद उन्होंने 2021 में लियोनार्डो डि कैप्रियो और जेनिफर लॉरेंस स्टारर फिल्म 'डोंट लुक अप' में एक कैमियो भूमिका निभाई। 2020 में उन्होंने मीरा नायर की ब्रिटिश सीरीज 'ए सूटेबल बॉय' में तब्बू के साथ मुख्य भूमिका निभाई। उनकी 2025 में आई फिल्म 'होमबाउंड' को ऑस्कर के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री के रूप में चुना गया था और इसे शॉर्टलिस्ट भी किया गया था।

इस फिल्म में नजर आएंगे ईशान खट्टर

वर्कफ्रंट की बात करें तो ईशान खट्टर आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'होमबाउंड' में नजर आए थे। दो दोस्तों की कहानी और जातिवाद जैसे गंभीर मुद्दे पर बात करती इस फिल्म को ऑस्कर के लिए भी भारत की ओर से भेजा गया था। फिल्म को कान समेत कई फिल्म फेस्टिवल में भी काफी सराहा गया। नीरज घेवान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में ईशान के साथ विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। वहीं उनकी आगामी फिल्मों में पलाश वासवानी द्वारा निर्देशित फिल्म 'जुगाडू' शामिल है। इसके अलावा पिछले साल आया उनके शो 'द रॉयल्स' के भी दूसरे सीजन की तैयारी चल रही है।

12वीं फैल जैसी फिल्म का इतना अच्छा चलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी

'12वीं फेल' से सीधे दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाली मेधा शंकर की कहानी जितनी चमकदार दिखती है, उतनी ही जमीन से जुड़ी भी है। नेशनल क्रश का टैग मिला लेकिन उन्होंने इसे बोझ नहीं बनाया क्योंकि उनका फंडा साफ है, जिंदगी में ज्यादा लोड नहीं लेना। कभी इसी राह पर कदम रखने के फैसले पर घर में सवाल उठे लेकिन उन्होंने भरोसा नहीं छोड़ा। स्ट्रगल, रिजेक्शन और मेहनत के बीच मेधा ने खुद को अपने तरीके से बिना ज्यादा शोर के साबित किया। हाल ही में अपनी फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी' के सिलसिले में लखनऊ आईं मेधा शंकर ने हमारे साथ दिलचस्प बातें शेयर कीं, जहां पर्दे के पीछे की उनकी असली कहानी, संघर्ष और सोच बिना किसी लाग-लपेट के सामने आईं।

मैं जिंदगी में ज्यादा लोड नहीं लेती

नेशनल क्रश बनने में मेरा कोई योगदान नहीं था। जनता को प्यार हो गया तो हो गया। इस वजह से मैंने इस टैग का कोई प्रेशर नहीं लिया। नेशनल क्रश बनना तो एक अलग बात है लेकिन 12वीं फेल जैसी फिल्म का इतना अच्छा चलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। शुरुआत में घबराहट हुई क्योंकि मैं वैसे भी आउटसाइडर हूं तो डर था कि आगे मुझे काम मिलेगा या नहीं। क्या करूं, क्या नहीं, इस पर बहुत लोग राय दिया करते थे। फिर मुझे लगा कि इतना सोचने से कुछ नहीं होगा। चाहे कितना भी दिमाग लगा लूं, होगा वही जो होना है इसलिए बहुत सी चीजें भगवान के भरोसे छोड़ देती हूं। अगर दस स्क्रिप्ट आईं और उनमें से दो पसंद आईं तो मैं उन्हें हां कह देती हूं। मैं जिंदगी में ज्यादा लोड नहीं लेती। 12वीं फैल जैसी फिल्म का इतना अच्छा चलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। शुरुआत में घबराहट हुई क्योंकि मैं वैसे भी आउटसाइडर हूं तो डर था कि आगे मुझे काम मिलेगा या नहीं। क्या करूं, क्या नहीं, इस पर बहुत लोग राय दिया करते थे। फिर मुझे लगा कि इतना सोचने से कुछ नहीं होगा। चाहे कितना भी दिमाग लगा लूं, होगा वही जो होना है इसलिए बहुत सी चीजें भगवान के भरोसे छोड़ देती हूं।

बिना सफल हुए कोई भरोसा नहीं करेगा

'12वीं फेल' से पहले का दौर मुश्किल भरा था। ऑडिशन दे रही थी, पैसे खत्म हो गए थे। 2020 में सबकी तरह मेरे भी पैसे खर्च हो गए थे। ऐसा नहीं था कि घर से कोई फाइनेंशल सपोर्ट ना हो लेकिन 24 साल की उम्र में एक मिडिल-क्लास इंसान होने के नाते यह बात बुरी लगती है कि आपके पास अपना खुद का पैसा नहीं है। ऐसे समय में सिर्फ दो चीजें काम आती हैं, आत्मविश्वास और दृढ़ता। आपको डटे रहना होता है और खुद पर भरोसा रखना होता है। आप जब तक सफल नहीं होंगे, तब तक आप पर कोई भरोसा नहीं करेगा। ऐसा नहीं था कि '12वीं फेल' से पहले मुझमें टैलेंट नहीं था लेकिन तब कोई भरोसा नहीं कर रहा था। फिल्म जैसे ही चली, सब बदल गया। कोई आप पर भरोसा नहीं करेगा, जब तक आप सफल नहीं होते।

इंजीनियर या डॉक्टर बनने पर ही रिस्पेक्ट मिलती है, ये गलत

यह सोच कि सिर्फ सीए, इंजीनियर या डॉक्टर बनने पर ही रिस्पेक्ट मिलती है, यह पूरी तरह से गलत है। ऐक्टर, सिंगर, मॉडल, हर प्रोफेशन की अपनी इज्जत होती है। कोई भी काम छोटा नहीं होता। चाहे आप ट्रेन में तबला या ढोलक ही क्यों न बजा रहे हों, उसमें भी उतनी ही इज्जत है।'

हमेशा वही दिखता है, जिसने बुरा कहा है

सफल होने से पहले रिजेक्शन को पर्सनली नहीं लेना चाहिए। सामने वाला आपको जानता नहीं है तो वो पर्सनली आपके खिलाफ कैसे कुछ कर सकता है? अगर रिजेक्शन को पर्सनली लेते हैं तो आप बस अपना ही खून जलाते हैं। उससे कुछ हासिल नहीं होगा। मेरा मानना है कि अगर कोई जानबूझकर नेगेटिविटी फैला रहा तो मैं उसे लेकर क्या करूंगी, उसे जाने ही दूंगी। कभी-कभी सोचती हूं कि आखिर में सबको मरना ही है तो इतनी नेगेटिविटी का मतलब क्या है? हम खुद ही चीजों को जरूरत से ज्यादा बड़ा बना लेते हैं। 12वीं फेल के बाद मैंने बहुत प्रेशर ले लिया था। आगे क्या होगा, अगला प्रोजेक्ट क्या होगा। फिर समझ आया कि खुशी से काम है तो तनाव लेने से कोई फायदा नहीं। जिंदगी में परेशानी आई है तो रो-रोकर निकालो या खुशी के साथ। टाइम तो वैसे भी काटना ही है। चार लोग आपके बारे में बुरा बोलेंगे लेकिन चार लोग आपको प्यार भी कर रहे होंगे। अक्सर हमें वही दिखता है, जिसने बुरा कहा है।

संक्षिप्त समाचार

सहारा रेगिस्तान में ट्रक फंसा, प्यास से 49 लोगों की मौत

हारौबा, एजेंसी। नाइजर के सहारा रेगिस्तान में प्यास से कम से कम 49 लोगों की मौत हो गई। बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक जिस ट्रक में वे यात्रा कर रहे थे, वह रास्ते में खराब हो गया था। यात्रियों ने कई दिनों तक इसे ठीक करने की कोशिश की, लेकिन वे इसमें कामयाब नहीं हो पाए। यह ट्रक माली के हारौबा शहर से रवाना हुआ था, जो नाइजर सीमा से 300 किलोमीटर से अधिक दूर है। वे एक मुस्लिम धार्मिक उत्सव में शामिल होने के बाद लौट रहे थे। यात्रा के दौरान उनका ट्रक खराब हो गया। वे रेगिस्तान के ऐसी जगह फंस गए थे जहां बेहद ज्यादा तापमान होता है। वहां पानी और बाकी जरूरी सामान मिलना बहुत मुश्किल होता है। ऐसी जगह फंस जाने के कारण उनके पास मौजूद पानी खत्म हो गया। इस हादसे में केवल दो लोग बच पाए। उन्होंने किसी तरह रेगिस्तान पार कर नजदीकी शहर असामाका तक पहुंचने में सफलता हासिल की और वहां अधिकारियों को घटना की जानकारी दी। जब बचाव दल मौके पर पहुंचा तो ट्रक के नीचे और उसके आसपास दर्जनों शव पड़े मिले। बचाव टीम ने मृतकों के शवों को सामूहिक कब्र में दफना दिया। घटनास्थल से लौटते समय बचाव दल को एक और खराब ट्रक मिला। इस ट्रक में 60 से अधिक लोग सवार थे, जो बैटरी खराब होने के कारण पिछले तीन दिनों से रेगिस्तान में फंसे हुए थे। बचाव टीम ने थके हुए और परेशान यात्रियों को पानी दिया। साथ ही उन्होंने ट्रक की मरम्मत में मदद की, जिसके बाद वे वापस लौट पाए।

एयरपोर्ट पर खड़ा विमान अचानक झुका, अगला हिस्सा जमीन पर गिरा; कई कर्मचारी घायल

बर्लिन, एजेंसी। फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट पर गेट के पास खड़ा एक यात्री विमान अचानक आगे की तरफ झुक गया। विमान का अगला पहिया टूटने से उसका सामने वाला हिस्सा सीधे जमीन पर जा गिरा। हादसे में कई कर्मचारी घायल हो गए। यह घटना तब हुई, जब जर्मन एयरलाइंस लुफ्थांसा के बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान उड़ान की तैयारी में था। उस समय यात्री विमान में सवार नहीं हुए थे, लेकिन क्रू मेंबर और ग्राउंड स्टाफ अंदर मौजूद थे। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में विमान का अगला हिस्सा तेजी से नीचे गिरता दिखा। घटना के तुरंत बाद एयरपोर्ट पर इमरजेंसी टीमें पहुंचीं। लुफ्थांसा ने बताया कि घायलों का इलाज चल रहा है। यह विमान फ्रैंकफर्ट से लॉस एंजिलिस जाने वाला था। जिस विमान के साथ हादसा हुआ, वह नया बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर था और जनवरी 2026 से ही नियमित सेवा में शामिल हुआ था। फिलहाल हादसे की जांच शुरू कर दी गई है।

ट्रंप प्रशासन को बड़ा झटका : आव्रजन नीति पर अदालत की रोक

बोस्टन , एजेंसी। अमेरिका में आव्रजन नीति को लेकर ट्रंप प्रशासन को बड़ा कानूनी झटका लगा है। एक संघीय न्यायाधीश ने उस विवादित नीति को रद्द कर दिया है, जिसके तहत 39 देशों के प्रवासियों के शरण, वर्क परमिट, ग्रीन कार्ड और नागरिकता से जुड़े मामलों पर गंभीर असर पड़ रहा था। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि यह नीति हजारों प्रवासियों को कानूनी अनिश्चितता में धकेल रही थी और इसे लागू करने वाली एजेंसी ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कार्रवाई की। अदालत ने नीति को बताया मनमाना और कानून के खिलाफ अमेरिकी जिला न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जॉन मैककॉनेल जूनियर ने अपने फैसले में ट्रंप प्रशासन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (स्ट्ड्स) ने ऐसी शक्तियों का दावा किया, जो उसे कानूनन प्राप्त नहीं हैं। न्यायाधीश ने कहा कि एजेंसी ने बिना पर्याप्त और तर्कसंगत स्पष्टीकरण दिए फैसले लिए और उन लोगों के हितों को नजरअंदाज किया, जिन्होंने मौजूदा नियमों के आधार पर आवेदन किए थे। उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर दिए गए कई तर्क वास्तविकता से मेल नहीं खाते और इन नीतियों में प्रवासियों के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण झलकता है।

अफ्रीका में इबोला का बढ़ता खतरा

किंशासा, एजेंसी। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में इबोला वायरस का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अब तक 452 मामलों की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें 82 लोगों की मौत हो गई है। 4 जून को ही 71 नए मामले और 21 मौतें दर्ज की गईं, जिससे सामुदायिक संक्रमण की गंभीरता बढ़ गई है। वर्तमान में 258 मरीज इलाज या आइसोलेशन में हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के सामने कमजोर संपर्क-ट्रेसिंग, दवाओं और चिकित्सा संसाधनों की कमी तथा 2.15 करोड़ डॉलर की फंडिंग कमी जैसी चुनौतियां हैं। पड़ोसी युगांडा में भी तीन नए मामले सामने आने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या 19 हो गई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अफ्रीका सीडीसी और डब्ल्यूएचओ ने जून से नवंबर तक के लिए 518 मिलियन डॉलर की महाद्वीपीय इबोला तैयारी एवं प्रतिक्रिया योजना शुरू की है। अब तक 34 स्वास्थ्यकर्मी संक्रमित हुए हैं।

युद्धविराम के बीच फिर भड़का तनाव, हिजबुल्ला ने इस्राइली लड़ाकू विमानों पर दागीं मिसाइलें

तेल अवीव , एजेंसी। पश्चिम एशिया में शांति की कोशिशों के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। इस्राइली सेना ने दावा किया है कि हिजबुल्ला ने इस्राइली वायुसेना के विमानों को निशाना बनाकर सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें दागीं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब कुछ दिन पहले ही इस्राइल और लेबनान के बीच युद्धविराम लागू करने पर सहमति बनी थी। हमले के बाद उत्तरी इस्राइल के कई इलाकों में सायरन बज उठे और हजारों लोग बंकरों की ओर भागे। हालांकि इस्राइली सेना ने कहा कि इस घटना में किसी विमान को नुकसान नहीं पहुंचा और न ही कोई घायल हुआ।

हिजबुल्ला ने हमला कैसे किया : इस्राइली रक्षा बल यानी आईडीएफ के मुताबिक, हिजबुल्ला ने इस्राइली वायुसेना के विमानों को निशाना बनाकर मिसाइलें दागीं। इसके बाद किरीयत शमोना शहर और लेबनान सीमा से लगे आठ गांवों में एयर रेड सायरन बजाए गए। हमले के कारण पूरे इलाके में डर और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों और बंकरों में जाने के निर्देश दिए गए। हालांकि इस्राइल ने दावा किया कि उसकी वायुसेना के विमान सुरक्षित रहे और किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। यह हमला ऐसे समय में हुआ जब अमेरिका की मध्यस्थता में हाल ही में युद्धविराम लागू करने पर सहमति बनी थी।

युद्धविराम के बावजूद क्यों बढ़ा तनाव : बुधवार को वॉशिंगटन में हुई त्रिपक्षीय वार्ता के बाद इस्राइल और लेबनान ने संघर्ष विराम लागू करने पर सहमति जताई थी। लेकिन इसके बावजूद सीमा पर तनाव कम नहीं हुआ। ईरान समर्थित हिजबुल्ला लगातार इस्राइल के खिलाफ आक्रामक रुख बनाए हुए है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने भी बयान दिया कि अमेरिका और इस्राइल के साथ संघर्ष विराम की शर्तों में लेबनान मोर्चे पर पूर्ण युद्धविराम शामिल है। इससे साफ है कि लेबनान का मुद्दा अब सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसमें ईरान और क्षेत्रीय राजनीति की बड़ी भूमिका है।

लेबनान के राष्ट्रपति ने ईरान-हिजबुल्ला पर क्या कहा : लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने ईरान पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि लेबनान को अमेरिका और ईरान के बीच सौदेबाजी का मैदान नहीं बनाया जाना चाहिए। आउन ने साफ कहा कि लेबनानी लोग युद्ध से थक चुके हैं और अब शांति चाहते हैं। उन्होंने हिजबुल्ला प्रमुख नईम कासिम के बयानों की भी आलोचना की। आउन ने कहा कि लेबनान के लोगों की इच्छा सबसे महत्वपूर्ण है, न कि किसी एक संगठन की। उन्होंने जोर देकर कहा कि लेबनान और इस्राइल के बीच संघर्ष का समाधान सिर्फ बातचीत से ही संभव है।

पश्चिम एशिया पहले से ही इस्राइल, ईरान और ईरान समर्थित संगठनों के बीच संघर्ष का केंद्र बना हुआ है। ऐसे में हिजबुल्ला का ताजा हमला पूरे क्षेत्र में तनाव और बढ़ा सकता है। लेबनान के भीतर भी अब युद्ध और शांति को लेकर अलग-अलग आवाजें सामने आ रही हैं। एक तरफ हिजबुल्ला संघर्ष जारी रखने की बात कर रहा है, वहीं लेबनान सरकार बातचीत और स्थिरता पर जोर दे रही है। अब दुनिया की नजर इस बात पर है कि क्या युद्धविराम बच पाएगा या फिर क्षेत्र एक बार फिर बड़े संघर्ष की तरफ बढ़ेगा। युद्ध की मार से तबाह हुए कई गांव दक्षिणी लेबनान के काफी इलाके पहले ही युद्ध की वजह से भारी तबाही झेल चुके हैं। कई गांव खंडहर में तब्दील हो चुके हैं। इनमें मरजायौन कस्बे के पास स्थित दिब्बीन गांव भी शामिल है, जहां से इस्राइली सैनिक एक दिन पहले ही पीछे हटे थे।

पीओके में तैनात किए जाएंगे 14 हजार अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी, लोगों में बढ़ी चिंता

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान अपने कब्जे वाले कश्मीर (पीओजेके) में 14 हजार अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात करने जा रहा है। इससे क्षेत्रवासियों की चिंताएं बढ़ गई हैं। पीओजेके के मानवाधिकार कर्मी व राजनीतिक टिप्पणीकार अमजद अयूब मिर्जा ने पाकिस्तान पर सोची-समझी साजिश के तहत क्षेत्र के सैन्यीकरण का आरोप लगाया है। पीओजेके के पुलिस महानिरीक्षक की तरफ से स्थानीय प्रशासन के मुख्य सचिव को 4 जून, 2026 को एक सर्कुलर जारी किया गया है। इस सर्कुलर में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के बहाने इलाके में हजारों सुरक्षाकर्मियों की तुरंत तैनाती की मांग की गई थी। इस कदम की निंदा करते हुए मिर्जा ने कहा कि इससे पीओजेके में पाकिस्तानी प्रशासन के दोहरेपन और औपनिवेशिक सोच का पता चलता है। उन्होंने तर्क दिया कि प्रस्तावित तैनाती पीओजेके के प्रधानमंत्री द्वारा पहले दिए गए आश्वासनों के उलट है। पहले उन्होंने कहा था कि शांतिपूर्ण जन-प्रदर्शनों से निपटने के लिए बल या जबरदस्ती का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा।

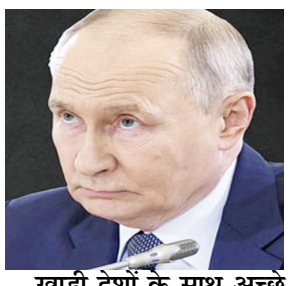

पुतिन बोले- ईरान और इस्राइल के बीच युद्ध रोकना समय की जरूरत, शांति बहाली में रूस देगा सहयोग

मॉस्को , एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान और इस्राइल के बीच बढ़ते तनाव पर गंभीर चिंता जताते हुए संघर्ष विराम की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान हालात बेहद जटिल हैं, लेकिन युद्ध को रोकना और शांति बहाल करना ही सबसे सही रास्ता है। पुतिन ने स्पष्ट किया कि रूस इस पूरे मुद्दे में शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने और किसी भी तरह की मध्यस्थता करने के लिए तैयार है।

'ईरान ने पहले उकसावे की कार्रवाई नहीं की' : रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें ईरान की ओर से किसी तरह की उकसावे वाली कार्रवाई नजर नहीं आती। उन्होंने बताया कि एक समय ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहमति बनी थी और स्थिति नियंत्रण में थी, लेकिन बाद में हालात पूरी तरह बदल गए।

पुतिन ने बताया कि ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत में लगातार संयम बरतने की अपील की जा रही है। हालांकि ईरान का कहना है कि उन पर हमले हो रहे हैं और उनके लोगों की मौतें हो रही हैं, ऐसे में जवाबी कार्रवाई करना उनकी मजबूरी बन गई है। पुतिन ने माना कि यह स्थिति बेहद संवेदनशील और जटिल है, जिसमें हर पक्ष अपनी-अपनी सुरक्षा चिंताओं के साथ काम कर रहा है।

खाड़ी देशों के साथ अच्छे रिश्तों का हवाला : पुतिन ने कहा कि रूस के खाड़ी देशों के साथ अच्छे संबंध हैं और वह सभी पक्षों से संवाद बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि ईरान और अरब देशों दोनों के साथ रूस के मजबूत संबंध हैं, जिससे स्थिति को समझना और संतुलित दृष्टिकोण अपनाना जरूरी हो जाता है। पुतिन ने कहा कि रूस किसी भी तरह की शांति वार्ता या मध्यस्थता प्रक्रिया में योगदान देने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि यदि रूस से कोई भूमिका निभाने की आवश्यकता होगी, तो वह पीछे नहीं हटेगा।

ट्रंप के युद्धविराम निर्णय का समर्थन : रूसी राष्ट्रपति ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कदम का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने संघर्ष रोकने की बात कही थी। पुतिन ने कहा कि यह निर्णय सही दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे दीर्घकालिक शांति स्थापित करने में मदद मिल सकती है।

अमेरिका ने मार गिराए ईरान के ड्रोन, रडार ठिकानों पर किए हमले

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट की ओर बढ़ रहे ईरान के चार हमलावर ड्रोन को मार गिराने का दावा किया है। इसके साथ ही, अमेरिका सेना ने ईरान के तटीय रडार ठिकानों पर हमले किए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि सेना ने इस क्षेत्र में जहाजों के लिए तत्काल खतरा महसूस होने पर कार्रवाई की। सेंटकॉम ने कहा, 'कुछ ही देर पहले सेना ने ईरान के चार वन-वे अटैक ड्रोन को मार गिराया, जिन्हें होर्मुज स्ट्रेट की ओर भेजा गया था। ड्रोन क्षेत्रीय समुद्री यातायात के लिए तत्काल खतरा पैदा कर रहे थे।' सेंट्रल कमांड के अनुसार, अमेरिकी सेना ने देश के दक्षिणी तट पर ईरान के निगरानी बुनियादी ढांचे के खिलाफ जवाबी हमले किए। बयान में कहा गया, 'अमेरिकी बलों ने आगे के हमलों से बचाव के लिए गोरुक और केशम द्वीप पर ईरान के तटीय निगरानी रडार ठिकानों पर हमले किए। हालांकि, सेंटकॉम ने हताहतों, नुकसान के आकलन या ऑपरेशन में इस्तेमाल किए गए विमान और हथियारों के प्रकार के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। बयान में यह भी नहीं बताया गया कि क्या ड्रोन ने किसी कमर्शियल जहाज को सीधे निशाना बनाया था। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जलमार्गों में से एक है, जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। अमेरिकी सेना मध्य पूर्व में बड़ी संख्या में मौजूद है और अंतरराष्ट्रीय कमर्शियल शिपिंग की ओर से इस्तेमाल किए जाने वाले प्रमुख समुद्री रास्तों पर नियमित रूप से गश्त करती है।

सेंट्रल कमांड ने कहा कि अमेरिकी बल जरूरत पड़ने पर और कार्रवाई के लिए तैयार हैं। बयान में कहा गया, 'अमेरिकी बल सतर्क हैं और आत्मरक्षा में ईरान की अनुचित आक्रामकता का जवाब देने के लिए तैयार हैं।' फिलहाल, इस ताजा घटनाक्रम ने अमेरिका और ईरान के बीच तनाव को और बढ़ा दिया है।

हॉलीवुड अभिनेता जेम्स हैंडी की घर के बाहर चाकू घोंपकर हत्या

न्यूयॉर्क , एजेंसी। हॉलीवुड अभिनेता जेम्स हैंडी की उनके घर के बाहर चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मामले में 44 वर्षीय माइकल ग्लेडहिल को गिरफ्तार किया है, जो हैंडी की गर्लफ्रेंड का बेटा है। घटना बुधवार सुबह की है, जब पुलिस को फोन पर संदिग्ध ने एक पापी व्यक्ति को मारने की बात कही। मौके पर पहुंचने पर 81 वर्षीय हैंडी घर के सामने बेहोश मिले, जिन्हें अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। आरोपी ग्लेडहिल उसी घर में रहता था। और उसने पुलिस के सामने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। जुमांजी और टॉप गनः मेवरिक जैसी फिल्मों से चर्चित हैंडी के निधन से मनोरंजन जगत स्तब्ध है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने इस मामले में उनकी गर्लफ्रेंड के 44 साल के बेटे माइकल ग्लेडहिल को गिरफ्तार किया है। 911 कॉल से मिली जानकारी लॉस एंजिल्स पुलिस को बुधवार को एक विचलित करने वाला 911 कॉल मिला था। कॉल करने वाले शख्स ने डिस्पैचर से कहा था, 'मैं इंसान का बेटा हूं, मैंने अभी-अभी पाप के पुतले को मार दिया है।' इस सूचना के तुरंत बाद जब पुलिस टीम घटना स्थल पर पहुंची। यहां जेम्स हैंडी घर के सामने वाले हिस्से (फ्रंट यार्ड) में बेहोश पड़े मिले। उनके सीने पर चाकू के कई गहरे जख्म थे। उन्हें तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। गर्लफ्रेंड का बेटा निकला हमलावर पुलिस जांच में सामने आया है कि हमला करने वाला शख्स 44 साल का माइकल ग्लेडहिल है। वारदात को अंजाम देने के बाद उसने खुद पुलिस से संपर्क किया और इस हमले की जिम्मेदारी ली। जांच अधिकारियों के मुताबिक, माइकल जेम्स हैंडी की गर्लफ्रेंड का बेटा है। हत्या के समय वह अपनी मां के घर पर ही रह रहा था। पुलिस ने उसे मर्डर के संदेह में मौके से ही गिरफ्तार कर लिया है।

सीसीटीवी फुटेज और कपड़े मिले घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज में एक संदिग्ध शख्स घर के पास से आराम से पैदल गुजरता हुआ दिखाई दे रहा है। इसके साथ ही क्राइम सीन की तस्वीरों में घर के सामने कुछ कपड़े भी छूटे हुए मिले हैं।

पुलिस इन सभी सबूतों की बारीकी से जांच कर रही है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक हत्या के पीछे की मुख्य वजह या मकसद का खुलासा नहीं किया है। मामले की जांच अभी जारी है। जेम्स हैंडी का हॉलीवुड करियर जेम्स हैंडी ने हॉलीवुड में कई दशकों तक काम किया था और उनके नाम करीब 150 फिल्में और टीवी शोज दर्ज हैं। उन्होंने 'जुमानजी' और 'टॉप गनः मैवेरिक' जैसी सुपरहिट फिल्मों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थीं। इसके अलावा वे 'द एक्स-फाइल्स', 'एनवाईपीडी ब्लू' और 'सीनफील्ड' जैसे मशहूर टीवी शोज का भी हिस्सा रहे थे। उन्होंने इंडस्ट्री में एक लंबा समय बिताया था और अपनी अलग पहचान बनाई थी।

अस्पताल ले जाते समय हुआ निधन : आपातकालीन सहायता दल के पहुंचने पर अभिनेता बेहोश पाए गए। पैरामेडिक्स उन्हें तुरंत पास के अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके और बाद में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मामले की जांच जारी है। फिलहाल इस मामले में हैंडी की प्रेमिका के बेटे माइकल ग्लेडहिल को गिरफ्तार कर लिया गया है।

हेनरी नोवाक हत्याकांड पर ब्रिटेन-अमेरिका में विवाद, जेडी वेंस के बयान पर भड़के पीएम स्टार्मर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के कार्यालय ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की उस टिप्पणी की निंदा की है, जिसमें उन्होंने एक विश्वविद्यालय छात्र की हत्या के लिए आव्रजन (इमिग्रेशन) को जिम्मेदार ठहराया था।

क्या है मामला : 18 वर्षीय हेनरी नोवाक की दिसंबर में इंग्लैंड के साउथेम्प्टन में चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। हेनरी को विक्रम डिगवा ने चाकू मारा था। डिगवा, जो सिख है, ने पुलिस से झूठा दावा किया था कि वह नोवाक द्वारा किए गए नस्लीय हमले का शिकार हुए है। नोवाक श्वेत समुदाय से थे। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो उन्होंने शुरुआत में गंभीर रूप से घायल नोवाक को ही संदिग्ध मान लिया और उसे हथकड़ी लगा दी। बाद में अधिकारियों को उनके घाव का पता चला और उन्हें बचाने की कोशिश की गई, लेकिन उनकी मौत हो गई। 23 वर्षीय डिगवा को हेनरी नोवाक की हत्या का दोषी ठहराया गया। डिगवा ने आठ इंच लंबे सिख कृपाण जैसे चाकू से हमला किया था। इस सप्ताह अदालत ने डिगवा को न्यूनतम 21 वर्ष की सजा के साथ आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

वेंस ने क्या की टिप्पणी : वेंस ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस हत्या पर न्यायोचित गुस्सा होना चाहिए। उन्होंने इस घटना के लिए आंशिक रूप से बड़े पैमाने पर आए उन प्रवासियों को जिम्मेदार ठहराया, जो उनके अनुसार पश्चिम और उनके मूल्यों से नफरत करते हैं।

डाउनिंग स्ट्रीट ने बयान किया जारी : वेंस की टिप्पणी के जवाब में डाउनिंग स्ट्रीट ने बयान जारी कर कहा कि कुछ लोग ब्रिटेन के लोकतंत्र में हस्तक्षेप करने और सड़कों पर विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। बयान में कहा गया कि नोवाक परिवार अपने बेटे की भयावह हत्या के कारण शोक में है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि वे नहीं चाहते कि हेनरी की मौत का इस्तेमाल और अधिक विभाजन, नफरत या तनाव पैदा करने के लिए किया जाए। हमें उनकी इच्छा का सम्मान करना चाहिए। हमारे देश की राजनीति का उद्देश्य सबसे कठिन परिस्थितियों में भी लोगों को साथ लाना होना चाहिए।

डेमोक्रेट्स ने वेंस की आलोचना की : विपक्षी दल लिबरल डेमोक्रेट्स के नेता एड डेवी ने भी वेंस की आलोचना की। उन्होंने कहा कि हेनरी नोवाक की मौत का राजनीतिकरण करने और देश को बांटने की कोशिशों का विरोध किया जाना चाहिए, चाहे वे कोशिशें वेंस जैसे मागा नेताओं की ओर से हों या ब्रिटेन में उनके समर्थकों की ओर से। इस बीच, हार्ड-राइट पार्टी रिफॉर्म यूके के नेता निगेल फराज सहित कई नेताओं ने पुलिस की शुरुआती कार्रवाई को टू-टियर पुलिसिंग का उदाहरण बताया है।

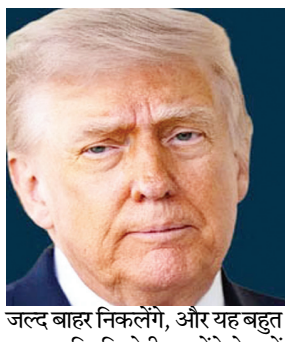

ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षा को 'किसी न किसी तरह' खत्म कर दिया जाएगा : डोनाल्ड ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि ईरान के साथ टकराव खत्म होने के करीब है और उन्होंने ऐलान किया कि तेहरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को 'किसी न किसी तरह' रोका जाएगा। शुक्रवार को विस्कॉन्सिन के चिप्पेवा फॉल्स में कृषि से जुड़ी एक बैठक में बोलते हुए, ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने ईरान को परमाणु हथियार संपन्न देश बनने से रोकने का अपना मकसद काफी हद तक हासिल कर लिया है। ट्रंप ने कहा कि हमें परमाणु हथियार के खतरे को खत्म करना था। हम ऐसा नहीं होने देने वाले थे। उन्होंने आगे कहा कि हमने इसे काफी हद तक पूरा कर लिया है, आप देखेंगे, और किसी न किसी तरह, यह काम पूरा हो गया है। उन्होंने कहा कि या तो यह किसी समझौते से खत्म होगा या फिर किसी मुश्किल तरीके से। बता दें कि ट्रंप ने चल रही बातचीत या संभावित सैन्य कार्रवाई के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि ईरान से जुड़े घटनाक्रम जल्द ही और स्पष्ट हो जाएंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने इस स्थिति को ऊर्जा बाजार और अमेरिकी किसानों पर पड़ने वाले खर्च से भी जोड़ा। ट्रंप ने कहा कि आपके लिए खाद की कीमतें काफी कम होने वाली हैं। खाद सस्ती होगी, ऊर्जा सस्ती होगी, और तेल व गैस की कीमतें भी काफी कम हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ईरान की स्थिति का नतीजा आर्थिक दबाव को कम करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि हम एक ऐसे मोड़ पर हैं जहां हम ईरान के मामले से बहुत

जल्द बाहर निकलेंगे, और यह बहुत मजबूत स्थिति होगी। उन्होंने ये बातें कृषि, व्यापार और अर्थव्यवस्था पर केंद्रित एक विस्तृत भाषण के दौरान कहीं। ट्रंप ने बार-बार कहा कि ऊर्जा की कम कीमतें किसानों और ग्रामीण समुदायों के लिए फायदेमंद होंगी। उन्होंने ईरान के खिलाफ सैन्य अभियानों का भी जिक्र किया और दावा किया कि ईरान की नौसेना की संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचाया गया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान के पास कोई नौसेना नहीं है। चार दिनों में 159 जहाजों को निशाना बनाया गया। उन्होंने इस अभियान को अमेरिकी सैन्य ताकत का सबूत बताया और कहा कि संघर्ष के दौरान लगाई गई नाकाबंदी अभूतपूर्व थी। उन्होंने कहा कि ऐसी नाकाबंदी पहले कभी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन अभी भी ईरान से जुड़े 'अधूरे कामों' को निपटा रहा है। उन्होंने कहा कि हम ईरान में कुछ अधूरे कामों को ठीक कर रहे हैं। हालांकि ट्रंप का यह दावा अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट से मेल नहीं खाता। द न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सांसदों को पिछले महीने दी गई ब्रीफिंग में बताया गया था।

अमेरिका ने ब्रिटेन, डेनमार्क और कुवैत को लगभग 3 अरब डॉलर के हथियार बेचने की मंजूरी दी

वॉशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका ने ब्रिटेन, डेनमार्क और कुवैत को लगभग 3 अरब डॉलर के संभावित विदेशी सैन्य सौदों को मंजूरी दे दी है। इनमें लंबी दूरी की मारक मिसाइलें, विमान सुरक्षा प्रणाली और ड्रोन-रोधी प्लेटफॉर्म शामिल हैं। इसकी घोषणा अमेरिकी विदेश विभाग ने की है। सबसे बड़ा पैकेज कुवैत के लिए है, जिसे मानवरहित हवाई प्रणालियों (यूएसए) के प्लेटफॉर्म और संबंधित उपकरण खरीदने की मंजूरी मिल गई है, जिसकी अनुमानित लागत 1.98 अरब डॉलर है। अमेरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को कहा, 'प्रस्तावित बिक्री से कुवैत की वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने की क्षमता में सुधार होगा, क्योंकि इससे उसे मानवरहित हवाई प्रणालियों के खिलाफ इलेक्ट्रॉनिक और गतिज मारक क्षमताएं मिलेंगी। इस पैकेज में रोडरनर-म्यूनिशन और एनविल-काइनेटिक प्लेटफॉर्म, लॉन्च बॉक्स, कमांड-एंड-कंट्रोल सिस्टम, सेंट्री टावर, समुद्री सेंट्री टावर, विद्युत चुम्बकीय युद्ध प्रणाली, सामरिक संचालन केंद्र, जनरेटर, प्रशिक्षण, सॉफ्टवेयर विकास और रसद सहायता शामिल हैं।

कुवैत को होने वाली इस बिक्री का मुख्य ठेकेदार कैलिफोर्निया के कोस्टा मेसा स्थित अंदुरिल कंपनी होगी। एक अलग अधिसूचना में अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि उसने डेनमार्क को 200 एजीएम-158 जॉइंट एयर-टू-सरफेस स्टैंडऑफ मिसाइलों (जेएएसएसएम-ईआर) और संबंधित उपकरणों की 842 मिलियन डॉलर की संभावित बिक्री को मंजूरी दे दी है।

विदेश विभाग ने कहा, 'प्रस्तावित बिक्री डेनमार्क की वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने की क्षमता को बढ़ाएगी, जिससे रॉयल डेनिश वायु सेना (आरडीएएफ) को लंबी दूरी के सटीक हमले करने की क्षमता मिलेगी और आरडीएएफ के एफ-35 विमानों की क्षमता मजबूत होगी। फ्लोरिडा के ऑरलैंडो स्थित लॉकहीड मार्टिन डेनमार्क

को होने वाली इस बिक्री का मुख्य ठेकेदार होगा। यूनाइटेड किंगडम को भी लगभग 160 मिलियन डॉलर की अनुमानित लागत पर बड़े विमान इन्फ्रारेड काउंटरमेजर और संबंधित उपकरण खरीदने की मंजूरी मिल गई है। ब्रिटेन के अनुरोध में 36 गार्जियन लेजर टरेट असेंबली और 18 एएन/एएक्यू 24(वी)एन बड़े विमान इन्फ्रारेड काउंटरमेजर सिस्टम प्रोसेसर प्रतिस्थापन के साथ-साथ मिसाइल चेतावनी सेंसर, सहायक उपकरण, सॉफ्टवेयर, स्पेयर पार्ट्स और लॉजिस्टिक्स सहायता शामिल हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा, 'प्रस्तावित बिक्री से बड़े हवाई प्लेटफार्मों को आधुनिक सुरक्षा प्रदान करके वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने के लिए यूनाइटेड किंगडम की क्षमता में सुधार होगा और रॉयल एयर फोर्स की परिचालन तत्परता सुनिश्चित होगी। ब्रिटेन को होने वाली इस बिक्री का प्रमुख ठेकेदार वर्जीनिया के आर्लिंगटन स्थित बोइंग कंपनी होगी। विदेश विभाग ने कहा कि प्रस्तावित बिक्री से संबंधित क्षेत्रों में बुनियादी सैन्य संतुलन में कोई बदलाव नहीं आएगा और अमेरिकी रक्षा तैयारियों पर भी कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अमेरिकी विदेश सैन्य बिक्री प्रक्रिया के तहत राजनीतिक-सैन्य मामलों के ब्यूरो द्वारा ये अधिसूचनाएं जारी की गईं। कांग्रेस को अधिसूचना मिलने का मतलब यह नहीं है कि अंतिम अनुबंध पर हस्ताक्षर हो गए हैं, लेकिन इससे प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण चरण पूरा हो जाता है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.